R.N.I. : UPHIN/2012/52437
Website : www.mantrabharat.com
संस्करण : प्रयागराज
वर्ष : 15
अंक : 170
पृष्ठ : 8
मूल्य : 1.00
शुक्रवार, 27 फरवरी, 2026

जुनून है सच लिखने का

मंत्र भारत

हिन्दी दैनिक

डाक पंजीयन संख्या : एल-2/9/रजि0/एडी0/119/15-17

प्रयागराज, लखनऊ, ग्वालियर एवं मुम्बई से एक साथ प्रकाशित एवं प्रतापगढ़, कौशाम्बी, भदोही, मिर्जापुर, वाराणसी, आजमगढ़ व गोरखपुर से प्रसारित

3 युवक की पिटाई पैसा छीनने का पीड़ित ने लगाया ... 5 सामूहिक उपनयन कार्यक्रम में 20 बच्चों का हुआ व्रतबंध 7 'यादव जी की लव स्टोरी' पर सुप्रीम कोर्ट का ...

गोवा के नाइट क्लब में आग लगने की घटना : क्लब मालिकों समेत 13 लोगों के खिलाफ आरोपपत्र दाखिल

पणजी **(एजेंसी)**। गोवा पुलिस ने पिछले साल दिसंबर में यहां 'बर्च बाय रोमियो लेन' नाइट क्लब में आग लगने की घटना के संबंध में बृहस्पतिवार को आरोपपत्र दाखिल किया। इस घटना में 25 लोगों की मौत हो गई थी। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। पुलिस के एक अधिकारी ने बताया कि 13 आरोपियों में नाइट क्लब के मालिक भी शामिल हैं। उन्होंने बताया कि अंजुना पुलिस ने इस मामले में मापुसा के न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी के समक्ष 4, 150 पृष्ठों का आरोपपत्र दाखिल किया है, जिसमें 305 गवाहों के बयान हैं। उत्तरी गोवा के अरपोरा स्थित नाइट क्लब में 6 दिसंबर 2025 को लगी भीषण आग में 25 लोगों की मौत हो गई और कई अन्य घायल हुए थे।

आरोपपत्र में अजय गुप्ता, गौरव लूथरा और उनके भाई सौरभ लूथरा को नामजद किया गया है। वे मेसर्स बीइंग जीएस हॉस्पिटैलिटी गोवा अरपोरा एलएलपी के साझेदार हैं, जिसके पास बर्च बाय रोमियो लेन नाइट क्लब का स्वामित्व है। पुलिस के अनुसार, तीनों आरोपी फिलहाल न्यायिक हिरासत में हैं। आरोपपत्र में नाइटक्लब के कर्मचारियों -- राजीव मोदक (कॉर्पोरेट महाप्रबंधक), विवेक सिंह (महाप्रबंधक) और विजय कुमार सिंह (संचालन प्रबंधक) को भी नामजद किया गया है। वे भी न्यायिक हिरासत में हैं।

आरोपपत्र में नामजद अन्य आरोपियों में अरपोरा-नगोवा पंचायत के तत्कालीन सरपंच रोशन रेडकर और पंचायत के तत्कालीन सचिव रघुवीर बागकर शामिल हैं, दोनों वर्तमान में न्यायिक हिरासत में हैं। प्रियांशु ठाकुर (नाइटक्लब गेट मैनेजर) और राजवीर सिंघानिया (बार मैनेजर) को भी नामजद किया गया है और वे जमानत पर हैं। अंजुना पुलिस ने उस शाम क्लब में कार्यक्रम आयोजित करने वाली इवेंट मैनेजमेंट कंपनी के अधिकारियों -- मयूर कोलवलकर और मोहम्मद अफीफ अब्दुलसाब बटेरी के खिलाफ भी आरोपपत्र दाखिल किया है। ब्रिटिश नागरिक सुरिंदर कुमार खोसला को भी आरोपपत्र में नामजद किया गया है, जो अभी फरार है। पुलिस ने बताया कि उसके खिलाफ 'ब्लू कॉर्नर' नोटिस जारी किया गया है। पुलिस ने भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 105 (गैर इरादतन हत्या), 125 (मानव जीवन को खतरे में डालना) और 287 (आग और ज्वलनशील पदार्थों को लापरवाही से रखना, जिससे मानव जीवन को खतरा उत्पन्न होता हो) के तहत आरोपियों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की थी। बाद में, क्लब मालिकों के खिलाफ बीएनएस की धारा 338 (मूल्यवान प्रतिभूतियों की जालसाजी), 336 (जाली दस्तावेज बनाना), 340 (जाली दस्तावेजों का उपयोग), 61 (आपराधिक साजिश), 238 (सबूतों को नष्ट करना), 241 (इलेक्ट्रॉनिक रिकॉर्ड को नष्ट करना) और 3(7) (साझा इरादे से अपराध) भी लगाई गईं।

दिल्ली सरकार की नई पहल, संकरी गलियों में चलेंगी मिनी इलेक्ट्रिक बसें

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। दिल्ली की संकरी गलियों और कॉलोनियों तक सार्वजनिक परिवहन की पहुंच बढ़ाने के लिए राजधानी में अब तक की सबसे छोटी 7 मीटर लंबी मिनी बसों का परिचालन शुरू किया जाएगा। यह नई बसें मौजूदा 9 मीटर लंबी देवी इलेक्ट्रिक बसों से भी छोटी होंगी। दिल्ली सरकार ने लास्ट माइल कनेक्टिविटी मजबूत करने और मेट्रो स्टेशनों से फीडर सेवा बढ़ाने के उद्देश्य से इन 500 मिनी इलेक्ट्रिक बसों की खरीद की मंजूरी दी है।

आधिकारिक सूत्रों के अनुसार, इन बसों के लिए टेंडर प्रक्रिया पहले ही शुरू कर दी गई है। दिल्ली सरकार यह कदम पीएम ई-ड्राइव योजना के तहत उठा रही है। फेज-2 के तहत कुल 3, 330 इलेक्ट्रिक बसों की खरीद का प्रस्ताव भेजा गया है। अधिकारियों ने बताया कि यह कॉम्पैक्ट बसें मुख्य मार्गों के साथ-साथ संकरी गलियों और अंदरूनी इलाकों में संचालन के लिए उपयुक्त होंगी।

परिवहन मंत्री पंकज सिंह ने बताया कि बसों की पहली खेप जल्द ही राजधानी की सड़कों पर दिखाई देगी। इन बसों की शुरुआत चरणबद्ध तरीके से की जाएगी ताकि मौजूदा मार्गों का पुनर्गठन सुचारू रूप से हो सके। इस पहल से भीड़भाड़ वाले क्षेत्रों में यात्री सुविधा बढ़ेगी और मेट्रो स्टेशनों तक फीडर कनेक्टिविटी मजबूत होगी।

नई बसों की खरीद का जिम्मा केंद्रीय एजेंसी कंपनी फॉर ईलेक्ट्रिफिकेशन ऑफ पब्लिक ट्रांसपोर्ट संभाल रही है। इस योजना के तहत कुल 3, 330 बसें शामिल हैं, जिनमें 500 मिनी 7 मीटर लंबी बसें, 2, 330 नौ मीटर लंबी बसें और 500 बारह मीटर लंबी बसें शामिल हैं। सभी बसें लो-फ्लोर, वातानुकूलित और पूरी तरह इलेक्ट्रिक होंगी। छोटी आकार की होने के बावजूद ये बसें मौजूदा 9 मीटर लंबी देवी बसों जैसी सुविधाओं से लैस होंगी, जैसे लो-फ्लोर एंट्री, एयर कंडीशनिंग, सीसीटीवी कैमरे, पैनिक बटन, जीपीएस ट्रैकिंग और रियल-टाइम यात्री सूचना प्रणाली। लो-फ्लोर डिजाइन विशेष रूप से वरिष्ठ नागरिकों, महिलाओं और दिव्यांग व्यक्तियों के लिए बेहद लाभकारी होगा।

वर्तमान में दिल्ली में कुल 5, 336 सरकारी बसें चल रही हैं, जिनमें से 4, 000 से अधिक इलेक्ट्रिक हैं। इनमें 1, 200 से अधिक 9 मीटर लंबी देवी बसें, करीब 2, 000 बारह मीटर बसें और 100 मेट्रो फीडर बसें शामिल हैं। मुख्यमंत्री ने बताया कि मार्च तक 5, 000 से अधिक इलेक्ट्रिक बसें सड़कों पर होंगी और 2028 तक राजधानी में कुल बसों का बेड़ा बढ़कर 13, 760 तक पहुँच जाएगा।

रेलमंत्री का रेलवे में मुआवजे को लेकर बड़ा ऐलान, अब घर बैठे मिलेगा रेलवे क्लेम

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। भारतीय रेलवे अब पटरियों के साथ-साथ डिजिटल ट्रैक पर भी सुपरफास्ट रफ़्तार से दौड़ने की तैयारी कर चुकी है। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने रेल यात्रियों को राहत देते हुए एक ऐसी व्यवस्था का आगाज़ किया है, जिससे अब मुआवजे के लिए सरकारी दफ्तरों के चक्कर काटने का दौर इतिहास बन जाएगा। रेलवे ने 'इलेक्ट्रॉनिक रेलवे क्लेम्स ट्रिब्यूनल' यानी ई-आरसीटी पोर्टल लॉन्च कर दिया है, जो हादसों, सामान के नुकसान या किराये से जुड़े विवादों को सुलझाने के लिए एक क्रांतिकारी कदम माना जा रहा है।

यह नया सिस्टम पूरी तरह डिजिटल है, जिसका सीधा अर्थ है कि अब पीड़ित या दावेदार घर बैठे ही अपना केस दर्ज करा सकेंगे। ई-आरसीटी की कार्यप्रणाली को इतना सरल बनाया गया है कि इसमें आवेदन से लेकर सुनवाई और अंतिम फैसले तक की पूरी यात्रा ऑनलाइन ही तय होगी। इसमें चेकलिस्ट आधारित स्क्रूटनी और दस्तावेजों को अपलोड करने की सुविधा दी गई है, जिससे कागजी कार्रवाई का बोझ खत्म हो जाएगा। सबसे खास बात यह है कि अब सुनवाई के लिए अदालत में शारीरिक रूप से मौजूद रहना अनिवार्य नहीं होगा, क्योंकि 'ई-हियरिंग' के जरिए पक्षकार दूर बैठे ही अपनी बात रख सकेंगे।

रेल मंत्री का मानना है कि इस पोर्टल से न केवल पारदर्शिता बढ़ेगी, बल्कि पेंडिंग मामलों का बोझ भी कम होगा। केस के स्टेटस को रीयल-टाइम ट्रैक किया जा सकेगा, जिससे आम जनता का भरोसा सिस्टम पर और मजबूत होगा।

रेलवे में इस बड़े सुधार के साथ-साथ अश्विनी वैष्णव ने डिजिटल सुरक्षा और सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स को लेकर भी कड़ा रुख अपनाया है। उन्होंने स्पष्ट चेतावनी देते हुए कहा कि इंटरनेट की दुनिया में सक्रिय प्लेटफॉर्म्स अब कंटेंट की जिम्मेदारी से पल्ला नहीं झाड़ सकते। मानवीय समाज और संस्थाओं के बीच विश्वास बनाए रखने के लिए यह जरूरी है कि ये प्लेटफॉर्म्स बच्चों की ऑनलाइन सुरक्षा और नागरिकों की प्राइवेसी को प्राथमिकता दें।

एआई के इस दौर में बढ़ते खतरों पर बात करते हुए उन्होंने 'सिंथेटिक कंटेंट' पर भी कड़े नियम लागू करने के संकेत दिए। रेल मंत्री ने साफ शब्दों में कहा कि किसी भी व्यक्ति की पहचान, चेहरा या आवाज का इस्तेमाल उसकी अनुमति के बिना सिंथेटिक कंटेंट (जैसे डीपफेक) बनाने के लिए नहीं किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि यदि डिजिटल प्लेटफॉर्म्स इन सुरक्षा मानकों और जवाबदेही का पालन नहीं करते हैं, तो उन्हें कानूनी परिणामों के लिए तैयार रहना होगा। यह कदम न केवल रेलवे के कामकाज को आधुनिक बना रहा है, बल्कि सुरक्षित डिजिटल इंडिया की दिशा में एक बड़ा बदलाव भी है।

एनसीईआरटी विवाद : सुप्रीम कोर्ट की फटकार के बाद शिक्षा मंत्री का कड़ा रुख, दोषियों पर होगी कार्रवाई

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। कक्षा 8 की एनसीईआरटी किताब में 'न्यायपालिका में भ्रष्टाचार' नामक पाठ को लेकर विवाद गहरा गया है। इस मुद्दे पर सुप्रीम कोर्ट ने सख्त नाराजगी जताई है, जिसके बाद केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान का बड़ा बयान सामने आया है।

झारखंड के सरायकेला खरसावां में मीडिया से बात करते हुए धर्मेंद्र प्रधान ने कहा कि एनसीईआरटी की किताबों में न्यायपालिका के बारे में ऐसी बातें लिखना चिंता का विषय है। उन्होंने बताया कि मामला सामने आते ही किताबों का रिव्यू कराया गया है। शिक्षा मंत्री ने इस घटना पर गहरा अफसोस जताया और भरोसा दिया कि जिम्मेदार अधिकारियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी ताकि भविष्य में ऐसी गलती दोबारा न हो।

सुप्रीम कोर्ट ने इस विवादित कंटेंट पर शिक्षा सचिव और एनसी डायरेक्टर को 'कारण बताओ नोटिस' जारी किया है। सुनवाई के दौरान मुख्य न्यायाधीश बेहद गंभीर नजर आए। उन्होंने कहा कि यह न्यायपालिका की छवि खराब करने की एक सोची-समझी साजिश लगती है। सीजेआई ने भावुक होते हुए कहा, 'आज न्यायपालिका खून से लथपथ है और कोई भी कुछ भी कह रहा है।' अदालत ने इसे पूरी शिक्षा व्यवस्था के जरिए समाज में गलत संदेश फैलाने की कोशिश करार दिया है।

एनसीईआरटी विवाद पर सुप्रीम कोर्ट ने अपनाया कड़ा रुख

कहा- यह न्यायपालिका को बदनाम करने की सोची-समझी साजिश है

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। एनसीईआरटी की क्लास 8ए की सोशल की किताब में 'न्यायपालिका में भ्रष्टाचार' वाले पाठ पर सुप्रीम कोर्ट ने कड़ा रुख अपनाया है। सुप्रीम कोर्ट ने सुनवाई के दौरान इस मामले को संस्थान की गरिमा को चोट पहुँचाने वाला कदम बताया है। सीजेआई सूर्यकांत ने साफ किया कि जब तक वे इस मामले में पूरी तरह संतुष्ट नहीं हो जाते, सुनवाई जारी रहेगी।

चीफ जस्टिस ने मामले की गंभीरता को रेखांकित करते हुए कहा कि यह केवल कक्षा 8 के बच्चों का विषय नहीं है, बल्कि न्यायपालिका को नीचा दिखाने का एक कैलकुलेटिव मूव यानि की एक सोचा-समझा कदम है। कोर्ट ने इस पर सख्त टिप्पणी करते हुए कहा, 'उन्होंने गोली चलाई और आज ज्यूडिशियरी खून बहा रही है।' अदालत ने इस बात पर चिंता जताई कि यदि छात्रों और शिक्षकों को यह सिखाया जाएगा कि न्यायपालिका भ्रष्ट है, तो समाज में क्या संदेश जाएगा।

अदालत ने विवादित अध्याय के अंशों पर गौर करते हुए कहा कि इसमें न्यायपालिका के खिलाफ शिकायतों का इस तरह जिक्र किया गया है जैसे कोई कार्रवाई ही न हुई हो। साथ ही, एक पूर्व मुख्य न्यायाधीश के भाषण के शब्दों को संदर्भ से बाहर निकालकर संस्थान में पारदर्शिता की कमी और भ्रष्टाचार को स्वीकारने जैसा दिखाया गया है। कोर्ट ने कहा कि यह पूरी सामग्री अत्यंत लापरवाही से लिखी गई है और इसे लिखने वालों ने अपनी राय देने के बजाय संस्थान पर हमला किया है।

सुनवाई के दौरान सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने कोर्ट को निम्नलिखित जानकारियां दीं। उन्होंने कहा कि बाजार में गई 32 प्रतियों को वापस ले लिया गया है और आगे के प्रकाशन पर रोक लगा दी गई है। इस अध्याय को तैयार करने वाले दो विशेषज्ञों को ब्लैकलिस्ट कर दिया गया है। वे भविष्य में किसी भी मंत्रालय के साथ काम नहीं कर पाएंगे। वहीं एनसीईआरटी ने इस पूरे प्रकरण के लिए कोर्ट से बिना शर्त माफी मांगने की बात कही है। चीफ जस्टिस ने यह भी साझा किया कि उन्हें स्वयं इस किताब की एक प्रति मिली है और यह सोशल मीडिया पर भी व्यापक रूप से मौजूद है। उन्होंने नाराजगी जताई कि कंटेंट का बचाव करने की कोशिश की गई, जबकि यह सीधे तौर पर संस्थान पर प्रहार था।

एआई इम्पैक्ट समिट को बदनाम करने के लिए दी 40 हजार की सुपारी

भाजपा का आरोप- कांग्रेस ने रची खुंखार साजिश

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। भारत में आयोजित एआई इम्पैक्ट समिट अब केवल तकनीक और नवाचार का केंद्र नहीं, बल्कि एक बड़े राजनीतिक युद्ध का अखाड़ा बन गई है। यूथ कांग्रेस के सदस्यों द्वारा किए गए 'शर्टलेस प्रोटेस्ट' के बाद अब भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने एक चौंकाने वाला दावा किया है। बीजेपी का आरोप है कि कांग्रेस ने इस अंतरराष्ट्रीय इवेंट की छवि खराब करने के लिए सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर्स को पैसे देकर एक 'नेगेटिव पीआर कैंपेन' चलाया है। बीजेपी के राष्ट्रीय प्रवक्ता शहज़ाद पूनावाला ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर कांग्रेस के खिलाफ मोर्चा खोलते हुए इसे एक सुनियोजित साजिश करार दिया। पार्टी के मुताबिक, कांग्रेस ईकोसिस्टम के सदस्यों ने इन्फ्लुएंसर्स से संपर्क किया और समिट को फेल दिखाने वाले कंटेंट के बदले 10, 000 रुपये से 40, 000 रुपये तक के पेमेंट का प्रस्ताव दिया।

एक्स पर बात करते हुए, भाजपा के नेशनल स्पोक्सपर्सन शहज़ाद पूनावाला ने दावा किया कि कांग्रेस ने एआई समिट और भारत को बदनाम करने के लिए एक कैंपेन चलाया, जिसमें इन्फ्लुएंसर्स को इवेंट की 'बदनामी' करने के लिए पैसे दिए गए। उन्होंने पोस्ट में लिखा, 'कांग्रेस का पैसा लो, एआई समिट, भारत बदनाम करो मॉडल। कांग्रेस इकोसिस्टम ने एआई समिट की बुराई करने के लिए पैसे दिए? भाजपा विरोध में देश विरोध? शर्टलेस एक्ट के बाद, अब यह?'

कई इन्फ्लुएंसर्स के पब्लिकली यह दावा करने के बाद विवाद और बढ़ गया कि उन्हें ऐसे ऑफर मिले थे। ऑनलाइन शेयर किए गए वीडियो में, उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस से जुड़े लोगों ने उनसे इवेंट की बुराई करने वाला स्क्रिप्टेड कंटेंट बनाने के लिए कहा था।

उनमें से कुछ ने कहा कि उनके पास कथित फाइनेंशियल डील के सबूत के तौर पर चैट मैसेज और ऑडियो रिकॉर्डिंग हैं।

पिछले शुक्रवार को, इंडियन यूथ कांग्रेस के वर्कर्स के एक ग्रुप ने एआई इम्पैक्ट समिट के दौरान एक एग्जीबिशन हॉल के अंदर शर्टलेस प्रोटेस्ट किया। प्रोटेस्ट करने वाले लोग सरकार और इंडिया-अमेरिका ट्रेड डील के खिलाफ नारे लिखी टी-शर्ट पकड़े हुए वेन्यू से गुजरे, जिसके बाद सिक्योरिटी वालों ने उन्हें बाहर निकाल दिया।

भाजपा ने कड़ी प्रतिक्रिया देते हुए कांग्रेस को 'एंटी-इंडिया' बताया और उस पर पब्लिक प्लेटफॉर्म पर बार-बार देश की इमेज खराब करने की कोशिश करने का आरोप लगाया। कांग्रेस ने अभी तक इन आरोपों पर डिटेल में जवाब नहीं दिया है।

डीजीसीए ने बदले टिकट रिफंड और कैंसिलेशन के नियम, अब 48 घंटे में बदलाव पर नहीं लगेगा एक्स्ट्रा चार्ज

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। हवाई यात्रा करने वाले यात्रियों के लिए एक बेहद सुखद खबर है। विमानन नियामक डायरेक्टरेट जनरल ऑफ सिविल एविएशन (डीजीसीए) ने टिकट रिफंड और बुकिंग में बदलाव से जुड़े नियमों में ऐतिहासिक संशोधन किया है। नए नियमों के तहत, यात्रियों को बुकिंग के शुरुआती 48 घंटों के भीतर टिकट बदलने या कैंसिल करने पर अब कोई अतिरिक्त शुल्क नहीं देना होगा।

डीजीसीए ने सिविल एविएशन रिक्वायरमेंट्स (सीएआर) में बदलाव करते हुए एयरलाइंस को निर्देश दिया है कि वे यात्रियों को टिकट बुकिंग के बाद 48 घंटे का 'लुक-इन ऑप्शन' प्रदान करें। डीजीसीए ने कहा, 'ट्रैवल एजेंट/पोर्टल से टिकट खरीदने पर, रिफंड की ज़िम्मेदारी एयरलाइंस की होगी क्योंकि एजेंट उनके अपॉइंटेड रिप्रेजेंटेटिव होते हैं। एयरलाइंस यह पक्का करेंगी कि रिफंड प्रोसेस 14 वर्किंग डेज़ के अंदर पूरा हो जाए।'

इसके अलावा, यात्री को होने वाली मेडिकल इमरजेंसी की वजह से टिकट कैंसल करने के नियमों में भी बदलाव किए गए हैं। 'पब्लिक ट्रांसपोर्ट कंपनियों के यात्रियों को एयरलाइन टिकट का रिफंड' के लिए सिविल एविएशन ज़रूरतों (सीएआर) में बदलाव, समय पर रिफंड न मिलने की यात्रियों की बढ़ती शिकायतों के बाद किया गया है।

दिसंबर 2025 में इंडिगो की फ़्लाइट में रुकावट के दौरान टिकट रिफंड का मुद्दा सामने आया था और उस समय, सिविल एविएशन मिनिस्ट्री ने एयरलाइन को तय समय में रिफंड पूरा करने का निर्देश दिया था। बदला हुआ सीएआर 24 फरवरी को जारी किया गया था।

अब, एयरलाइनों से कहा गया है कि वे टिकट बुक करने के बाद यात्रियों को 48 घंटे के लिए 'लुक-इन ऑप्शन' दें। 'इस दौरान, पैसेंजर बिना किसी एक्स्ट्रा चार्ज के टिकट कैंसिल या बदल सकता है, सिवाय उस रिवाइज्ड फ्लाइट के नॉर्मल मौजूदा किराए के जिसके टिकट में बदलाव करना है।

रेगुलेटर ने कहा, 'यह सुविधा उस फ्लाइट के लिए उपलब्ध नहीं होगी जिसकी बुकिंग की तारीख से डोमेस्टिक फ्लाइट के लिए 7 दिन और इंटरनेशनल फ्लाइट के लिए 15 दिन से कम समय बचा हो, जब टिकट सीधे एयरलाइन वेबसाइट से बुक किया गया हो।'

शुरुआती बुकिंग समय के 48 घंटे के बाद, यह ऑप्शन उपलब्ध नहीं होगा और पैसेंजर को बदलाव के लिए संबंधित कैंसलेशन फीस देनी होगी। एक अहम कदम उठाते हुए, रेगुलेटर ने कहा कि एयरलाइंस को उसी व्यक्ति के नाम पर सुधार के लिए कोई एक्स्ट्रा चार्ज नहीं लगाना चाहिए, जब बुकिंग करने के 24 घंटे के अंदर पैसेंजर द्वारा गलती बताई जाती है, जब टिकट सीधे एयरलाइन वेबसाइट से बुक किया जाता है। डीजीसीए के अनुसार, मेडिकल इमरजेंसी के कारण टिकट कैंसिल होने की स्थिति में, जहां पैसेंजर या उसी पीएनआर पर लिस्टेड परिवार का कोई सदस्य यात्रा के दौरान भर्ती/अस्पताल में भर्ती होता है, तो एयरलाइंस रिफंड या क्रेडिट शेल दे सकती है।

'बाकी सभी के लिए इसमें कहा गया है, 'ऐसी स्थितियों में, एयरलाइन के एयरोस्पेस मेडिसिन स्पेशलिस्ट/डीजीसीए के पैनल वाले एयरोस्पेस मेडिसिन स्पेशलिस्ट से पैसेंजर के यात्रा करने की योग्यता सर्टिफिकेट पर राय मिलने के बाद रिफंड जारी किया जाएगा।'

पश्चिम बंगाल चुनाव से पहले शाह का हुंकार 'भाजपा जीती तो हर घुसपैठिया होगा बाहर'

कोलकाता **(एजेंसी)**। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने बृहस्पतिवार को विश्वास जताया कि पश्चिम बंगाल में होने वाले आगामी विधानसभा चुनाव में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) जीत दर्ज करेगी और सत्ता में आने के बाद राज्य से 'हर एक घुसपैठिये को बाहर किया जाएगा।' शाह ने यह बात बिहार के अररिया जिले में सशस्त्र सीमा बल (एसएसबी) के एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कही। अररिया सीमांचल क्षेत्र में स्थित है, जिसकी सीमा पश्चिम बंगाल से लगती है। उन्होंने कहा, 'पश्चिम बंगाल में चुनाव नजदीक हैं। मुझे पूरा विश्वास है कि भाजपा जीतने जा रही है। नई सरकार बनने के बाद हम हर एक घुसपैठिये को बाहर करेंगे।' गृह मंत्री ने कहा, 'घुसपैठियों को बाहर निकालने की प्रक्रिया बिहार, खासकर सीमांचल क्षेत्र से शुरू होगी। हमने पिछले वर्ष विधानसभा चुनाव इसी मुद्दे पर जीता था।

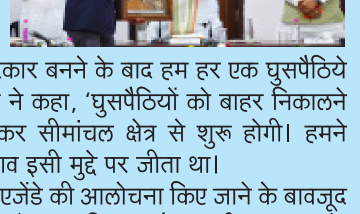

विरोधियों द्वारा हमारे एजेंडे की आलोचना किए जाने के बावजूद हमें जनादेश मिला।' शाह ने कहा कि घुसपैठ राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए खतरा है और घुसपैठिये किसी क्षेत्र के जनसांख्यिकीय संतुलन को भी प्रभावित करते हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि वे राशन पर निर्भर रहते हैं और आम लोगों के लिए निर्धारित अन्य लाभों का भी उपयोग करते हैं। उन्होंने कहा, 'बिहार, झारखंड, पश्चिम बंगाल और असम ऐसे जनसांख्यिकीय असंतुलन के प्रति सबसे अधिक संवेदनशील हैं। नरेन्द्र मोदी सरकार जनसांख्यिकीय संतुलन बनाए रखने के लिए प्रतिबद्ध है।' शाह ने अपने संबोधन की शुरुआत स्वतंत्रता संग्राम सेनानी और हिंदुत्व विचारक विनायक दामोदर सावरकर की पुण्यतिथि पर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए की। उन्होंने कहा, '1857 का विद्रोह 'भारत का प्रथम स्वतंत्रता संग्राम' तब माना गया, जब सावरकर ने इस विषय पर एक पुस्तक लिखकर इसे उसी रूप में स्थापित किया।

जिलाधिकारी ने किया ई.वी.एम. वेयर हाउस का निरीक्षण

मंत्र भारत संवाददाता

कौशाम्बी। भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार जिलाधिकारी डॉ. अमित पाल ने ई.वी.एम. एवं वी.वी.पैट वेयर हाउस का मासिक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने सुरक्षा व्यवस्थाओं का जायजा लिया और संबंधित अधिकारियों को सुरक्षा मानकों का कड़ाई से पालन करने के निर्देश दिए।

ज्ञात हो कि जिलाधिकारी ने निरीक्षण के दौरान सी.सी.टी.वी. कक्ष और लॉगबुक का बारीकी से अवलोकन किया। इस अवसर पर अपर जिलाधिकारी शालिनी प्रभाकर सहित अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे। अधिकारियों को निर्देश दिया गया कि वेयर हाउस की सुरक्षा में किसी भी प्रकार की शिथिलता न बरती जाए।

ग्राम कटरी में चकबन्दी ग्राम चौपाल का आयोजन कृषकों की समस्याएं सुनकर हुआ निस्तारण

मंत्र भारत संवाददाता

कौशाम्बी। चकबन्दी आयुक्त के निर्देशानुसार जिलाधिकारी के निर्देशन में गुरुवार को ग्राम कटरी के पंचायत भवन में चकबन्दी अधिकारी की अध्यक्षता में ग्राम चौपाल आयोजित किया गया। ग्राम चौपाल में सहायक चकबन्दी अधिकारी, चकबन्दीकर्ता तथा ग्राम प्रधान, सदस्यगण चकबन्दी समिति एवं कृषकगण उपस्थित रहे।

ज्ञात हो कि ग्राम कटरी, परगना अधरवन तहसील मंझनपुर का उत्तर प्रदेश चकबन्दी अधिनियम की धारा-4 की विज्ञप्ति का प्रकाशन 09.04.2016 को हुआ। ग्राम में तरमीम व पड़ताल तस्दीक खतौनी करने के पश्चात् धारा-09 का प्रकाशन दिनांक 30.11.2022 को हुआ, जिसमें आकार पत्र-4 में 1860 वाद बनाई गई जिनमें 110 वादों में आपत्तियां आईं। कुल वाद 1970 हुए, जिनमें से 115 आपत्तियों का निस्तारण सहायक चकबन्दी अधिकारी द्वारा समझौते के आधार पर किया गया। 1855 वाद चकबन्दी अधिकारी न्यायालय को प्राप्त हुए, जिनमें से 1818 वादों का निस्तारण चकबन्दी अधिकारी द्वारा कर दिया गया है। 37 वाद निस्तारण के लिए अवशेष हैं।

ग्राम चौपाल में कृषकों को चकबन्दी प्रक्रिया एवं उसके लाभों के बारे में अवगत कराया गया तथा कृषकों की समस्याओं एवं जिज्ञासाओं को सुनकर निस्तारण कराया गया। उपस्थित कृषकों ने चकबन्दी प्रक्रिया से संतोष व्यक्त करते हुए इसे पारदर्शी एवं गुणवत्तापूर्ण तरीके से शीघ्र पूर्ण किए जाने की मांग की।

चकबन्दी अधिकारी द्वारा सहायक चकबन्दी अधिकारी को निर्देशित किया गया कि ग्राम में नियमित रूप से बैठक कर कृषकों की समस्याओं का प्रभावी निराकरण करते हुए चकबन्दी कार्य लक्ष्य के अनुसार पूर्ण कराना सुनिश्चित करें। साथ ही ग्राम प्रधान की उपस्थिति में ग्राम सभा भूमि का स्थलीय सत्यापन कर अवैध कब्जे को मुक्त कराने की कार्यवाही के निर्देश भी दिए गए। अंत में उपस्थित कृषकों को धन्यवाद ज्ञापित करते हुए ग्राम चौपाल की कार्यवाही समाप्त की गई।

होली पर बंद रहेंगी शराब की दुकानें जिला मजस्ट्रेट ने जारी किए आदेश

मंत्र भारत संवाददाता

कौशाम्बी। जिला मजिस्ट्रेट डॉ. अमित पाल ने संयुक्त प्रान्त आबकारी अधिनियम-1910 की शक्तियों का प्रयोग करते हुए होली पर्व पर शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए 04 मार्च 2026 को मदिरा की समस्त दुकानों को बंद रखने का आदेश दिया है। इस आदेश के तहत जनपद में संचालित समस्त देशी शराब, विदेशी मदिरा, भांग और मॉडल शॉप की फुटकर व थोक बिक्री पूरी तरह प्रतिबंधित रहेगी।

ज्ञात हो कि दुकानों को बंद रखने के बदले अनुज्ञापियों को कोई प्रतिफल या छूट देय नहीं होगी। जिला मजिस्ट्रेट ने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया है कि इस आदेश का अनुपालन कड़ाई से सुनिश्चित कराया जाए और उल्लंघन करने वालों पर सख्त कार्रवाई की जाए।

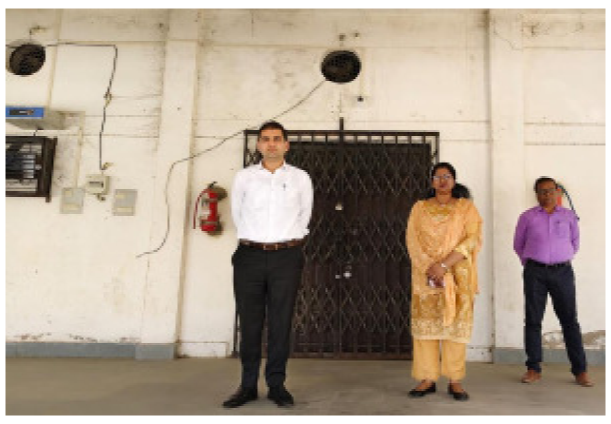

विकास कार्यों की समीक्षा : मंत्री ने दिए हाईटेक नर्सरी बनाने के निर्देश

मंत्र भारत संवाददाता

कौशाम्बी। राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) दिनेश प्रताप सिंह ने जनपद की विकास योजनाओं और कानून व्यवस्था की गहन समीक्षा की। उन्होंने जिलाधिकारी को निर्देश दिया कि जनपद में हाईटेक नर्सरी और खाद्य प्रसंस्करण इकाइयां स्थापित करने के लिए तत्काल भूमि चिन्हित की जाए ताकि स्थानीय स्तर पर रोजगार के नए अवसर पैदा हो सकें। ज्ञात हो कि समीक्षा बैठक में मंत्री ने जल-जीवन मिशन के अधूरे कार्यों को जल्द पूरा करने और सड़कों की मरम्मत मानक के अनुरूप कराने के निर्देश दिए। उन्होंने विद्युत विभाग के अधिकारियों को खराब ट्रांसफार्मर समय पर बदलने और पशुपालन विभाग को निराश्रित गोवंशों के संरक्षण के लिए कड़े निर्देश जारी किए।

राज्यमंत्री ने बांटे आयुष्मान कार्ड और कृषि यंत्र

मंत्र भारत संवाददाता

कौशाम्बी। राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) उद्यान एवं कृषि दिनेश प्रताप सिंह ने गुरुवार को मां शीतला अतिथि गृह, सयांरा में आयोजित कार्यक्रम में लाभार्थियों को आयुष्मान कार्ड, बीज किट और कृषि यंत्र प्रदान किए। इस दौरान उन्होंने कुंवर बहादुर सिंह और घनश्याम सिंह सहित कई किसानों को स्प्रेयर मशीनें सौंपी और पुलिसकर्मियों को उत्कृष्ट कार्य के लिए सम्मानित किया।

ज्ञात हो कि इस वितरण कार्यक्रम के दौरान विधायक चायल पूजा पाल, भाजपा जिलाध्यक्ष धर्मराज मौर्य और जिलाधिकारी डॉ. अमित पाल सहित कई वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे। मंत्री ने सरकार की कल्याणकारी योजनाओं का लाभ अंतिम पायदान पर खड़े व्यक्ति तक पहुँचाने की प्रतिबद्धता दोहराई।

प्रशासन ने जेसीबी से हटवाया बंजर भूमि पर अवैध कब्जा

मंत्र भारत संवाददाता

कौशाम्बी। कोखराज थाना क्षेत्र के ग्राम मकदूम पुर काजी में ग्राम सभा की बंजर भूमि गाटा संख्या 387 पर दबंगों द्वारा किए जा रहे अवैध कब्जे को प्रशासन ने हटवा दिया है। उपजिलाधिकारी चायल ने राजस्व टीम के साथ मौके पर पहुँच कर भूमि पर गिराई गई ईंट और बालू जैसी निर्माण सामग्री को जेसीबी मशीन से साफ कराया।

ज्ञात हो कि शिकायतकर्ता शारदा प्रसाद गुप्ता ने भूमाफियाओं द्वारा कब्जा किए जाने की शिकायत की थी। मौके पर तहसीलदार, कानूनगो सरफराज आलम और लेखपाल पवन राय सहित राजस्व टीम मौजूद रही। अधिकारियों ने चेतावनी दी है कि यदि दोबारा निर्माण का प्रयास किया गया तो संबंधित पक्षों पर मुकदमा दर्ज कर जेल भेजा जाएगा।

वेदांता हॉस्पिटल में लगा निःशुल्क हेल्थ मेगा कैंप, 508 मरीजों का हुआ मुफ्त उपचार

मंत्र भारत संवाददाता

कौशाम्बी। जिला कौशांबी के जनपद वासियों के लिए 26 फरवरी को राहत भरा दिन रहा। वेदांता हॉस्पिटल द्वारा देवीगंज रोड, चक सैनी स्थित अस्पताल परिसर में निःशुल्क हेल्थ मेगा कैंप का आयोजन किया गया, जिसमें कुल 508 मरीजों का मुफ्त इलाज और स्वास्थ्य परीक्षण किया गया।

ज्ञात हो कि अस्पताल प्रबंधन के अनुसार शिविर का उद्देश्य स्थानीय एवं ग्रामीण क्षेत्रों के लोगों को बेहतर और सुलभ स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान करना है। कैंप में हड्डी रोग, बाल रोग एवं स्त्री रोग से संबंधित जांच विशेषज्ञ चिकित्सकों द्वारा की गई।

मरीजों को परामर्श के साथ आवश्यक दवाएं और आगे के उपचार के बारे में मार्गदर्शन भी दिया गया। शिविर में डॉ. सुनील विश्वकर्मा, डॉ. बृजमोहन राजपूत, डॉ. प्रतिभा अग्रवाल, डॉ. भूमिका गोयल, डॉ. शैलेन्द्र सिंह राठौर, डॉ. पी.के., डॉ. ऋषि राज एवं डॉ. शशांक अग्रवाल सहित अन्य विशेषज्ञ चिकित्सक मौजूद रहे। चिकित्सकों ने मरीजों की विस्तार से जांच कर उन्हें उचित सलाह दी। अस्पताल प्रबंधन ने बताया कि भविष्य में भी इस तरह के जनहितकारी स्वास्थ्य शिविर आयोजित किए जाएंगे, ताकि जरूरतमंदों को समय पर इलाज मिल सके।

ग्राम चौपाल में चकबंदी अधिकारी ने सुनीं ग्रामीणों की समस्याएं

सिद्धार्थनगर। जिले के मिठवल ब्लाक क्षेत्र में उत्तर प्रदेश शासन के आयुक्त डॉ. हृषिकेश भास्कर यशोद के कुशल नेतृत्व और जिलाधिकारी/जिला उप संचालक चकबंदी के मार्गदर्शन में तहसील क्षेत्र के ग्राम पैड़ी खुर्द में गुरुवार को एक विशेष ग्राम चौपाल का आयोजन प्राथमिक विद्यालय के प्रांगण में किया गया। बैठक की अध्यक्षता चकबंदी अधिकारी सीओ नीरज कुमार सिंह ने की। चौपाल के दौरान चकबंदी विभाग के अधिकारियों ने उपस्थित ग्रामीणों और कृषकों को आकार पत्र-45 विस्तार से पढ़कर सुनाया। इस प्रक्रिया का मुख्य उद्देश्य चकबंदी प्रक्रिया में पारदर्शिता लाना और किसानों को उनके भूमि विवरण से अवगत कराना था। विवरण सुनने के बाद ग्रामीणों ने अपनी विभिन्न समस्याएं और आपत्तियां अधिकारियों के समक्ष रखीं। अध्यक्षता कर रहे नीरज कुमार सिंह ने मौके पर ही संबंधित कर्मचारियों को निर्देश देते हुए कहा कि प्राप्त शिकायतों का नियमानुसार और समयबद्ध निस्तारण सुनिश्चित किया जाए, ताकि किसानों को किसी प्रकार की असुविधा न हो इस दौरान सहायक चकबंदी अधिकारी सुनील कुमार गुप्ता , चकबंदी लेखपाल श्रीमती खुशबू , सहित ग्रामीण मौजूद रहे।

खेल प्रतियोगिताओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाली छात्राओं को विधायक ने किया सम्मानित

मंत्र भारत संवाददाता

सिद्धार्थनगर। जिले के ब्लाक संसाधन केन्द्र शोहरतगढ़ क्षेत्र के अन्तर्गत कम्पोजिट उच्च प्राथमिक विद्यालय लेदवा में गुरुवार को प्रतिभा सम्मान कार्यक्रम का आयोजन हुआ कार्यक्रम के मुख्य अतिथि शोहरतगढ़ विधायक विनय वर्मा ने विद्यालय पहुंचकर मां सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण व दीप प्रज्ज्वलित कर छात्र छात्राओं एवं विद्यालय परिवार से मुलाकात की।इस अवसर पर उन्होंने युवा कल्याण एवं प्रादेशिक विकास दल विभाग द्वारा आयोजित उत्तर प्रदेश ग्रामीण खेल लीग के अंतर्गत विधायक खेल स्पर्धा व अन्य खेल प्रतियोगिताओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाली छात्राओं को सम्मानित किया। विशेष रूप से मण्डल खेल प्रतियोगिता बस्ती जिले में कुश्ती बालिका वर्ग में हिना परवीन प्रथम स्थान प्राप्त करने वाली छात्राओं को प्रोत्साहित करते हुए 11 हजार रुपये की पुरस्कार राशि प्रदान की गई।विधायक विनय वर्मा ने छात्राओं के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए उन्हें निरंतर परिश्रम और अनुशासन के साथ आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि ग्रामीण क्षेत्र की बेटियां आज खेल के क्षेत्र में नई ऊंचाइयों को छू रही हैं, जो पूरे शोहरतगढ़ क्षेत्र के लिए गर्व का विषय है। और उन्होंने विज्ञान लैब व प्रोजेक्ट कक्ष का निरीक्षण भी किया। छात्राओं को कम्प्यूटर कक्ष में कम्प्यूटर चलाते हुए कहा कि आज हमारे ग्रामीण क्षेत्रों में बालिकाएं भी नाम रोशन कर रही है।इस दौरान विधायक विनय वर्मा, प्रधानाध्यापक अमरेश कुमार,मुस्तन शेरुल्लाह, राकेश राज, सिद्धार्थ कुमार,पवन चौरसिया, रेनू मद्धेशिया, नागेंद्र कुमार, रामदास मौर्य,विजय पाण्डेय, कमलापुरी, राधेश्याम, शान्ति देवी,सोनमती,कोइला चौधरी सहित विद्यालय परिवार के अन्य सदस्य उपस्थित रहे।अंत में विधायक विनय वर्मा ने सभी छात्र-छात्राओं को शुभकामनाएं एवं आशीर्वाद प्रदान करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

सम्प्रेक्षण गृह की व्यवस्था का अधिकारियों ने किया निरीक्षण

सिद्धार्थनगर। जिले के जनपद न्यायाधीश व जिलाधिकारी के साथ वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक द्वारा संयुक्त रूप से सम्प्रेक्षण गृह (किशोर) बस्ती जनपद बस्ती का निरीक्षण किया गया । निरीक्षण के दौरान वहां रह रहे किशोरों की सुरक्षा, आवासीय व्यवस्था, स्वच्छता, भोजन की गुणवत्ता, चिकित्सा सुविधा, शिक्षा एवं पुनर्वास संबंधी व्यवस्थाओं का गहन अवलोकन किया गया । अधिकारियों द्वारा संबंधित कर्मचारियों को निर्देशित किया गया कि संप्रेक्षण गृह में रह रहे प्रत्येक किशोर के साथ संवेदनशील एवं मानवीय व्यवहार सुनिश्चित किया जाए । उनकी शिक्षा, कौशल विकास एवं मानसिक स्वास्थ्य पर विशेष ध्यान दिया जाए, ताकि उनके सफल पुनर्वास में कोई बाधा न आए । निरीक्षण के दौरान अभिलेखों की जांच भी की गई तथा आवश्यक सुधारात्मक कार्यवाही हेतु संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए गए तथा साफ-सफाई की नियमित निगरानी सुनिश्चित करने के निर्देश भी प्रदान किए गए।

आबकारी इंस्पेक्टर पर गंभीर आरोप, महिला ने मांगी जांच

मंत्र भारत संवाददाता

कौशाम्बी। आबकारी विभाग में भ्रष्टाचार और मिलीभगत का एक मामला तूल पकड़ रहा है, जहाँ एक महिला ने आबकारी इंस्पेक्टर सुनील सिंह पर गंभीर आरोप लगाते हुए जिलाधिकारी से न्याय की गुहार लगाई है। महिला का कहना है कि सैनी बस स्टॉप के पास उसके पति पंकज त्रिपाठी के नाम आवंटित भांग की दुकान पर दबंगों ने जबरन कब्जा कर लिया है।

ज्ञात हो कि महिला ने आरोप लगाया कि विरोध करने पर उसके पति को ही फर्जी मामले में फंसाकर जेल भेज दिया गया। शिकायत में यह भी कहा गया है कि दुकान की आड़ में अवैध रूप से गांजा बेचा जा रहा है, जिसका वीडियो भी वायरल हुआ है। फिलहाल प्रशासन ने मामले की जांच के बाद कार्रवाई का भरोसा दिया है।

मिशन शक्ति टीम द्वारा स्कूली छात्र-छात्राओं को महिला सुरक्षा के प्रति किया गया जागरूक

सिद्धार्थनगर। जिले के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक डॉ अभिषेक महाजन द्वारा महिलाओं एवं बालिकाओ की सुरक्षा में चलाए जा रहे अभियान के तहत अपर पुलिस अधीक्षक प्रशान्त कुमार प्रसाद के पर्यवेक्षण में क्षेत्राधिकारी बाँसी शुवेंदु सिंह तथा प्रभारी निरीक्षक अरविंद कुमार मौर्य के कुशल नेतृत्व में थाना क्षेत्र के रीड पब्लिक कान्वेंट स्कूल डिंडई मे मिशन शक्ति टीम उप निरीक्षक अयोध्या यादव, महिला हेड कांस्टेबल नीलम शुक्ला द्वारा साइबर जागरुकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया जहाँ महिला सशक्तिकरण,साइबर जागरूकता व नये कानून के बारे में बताया गया एवं सरकार द्वारा विभिन्न सरकारी योजनाओं जैसे कि प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना व बहू सम्मेलन अभियान मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना रानी लक्ष्मी बाई बाल एवं महिला सम्मान कोष नारी शक्ति वंदन अधिनियम मातृ शक्ति को सम्बल निराश्रित महिला पेंशन योजना मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजना आदि अन्य योजनाओ से संबंधी जानकारी को बताया गया तथा महिला संबंधी अपराध पर अंकुश लगाने हेतु जारी हेल्प लाइन 1090 वुमेन पावर लाइन,181 महिला हेल्प लाइन,1076 मुख्यमंत्री हेल्प लाइन,112 पुलिस हेल्प लाइन,1098 चाईल्ड केयर लाइन,108एम्बुलेंस हेल्प लाइन,101अग्निशमन हेल्प लाइन,14567 एल्डर हेल्पलाइन, 1930 साइबर हेल्पलाइन नंबर नए कानून के बारे में जानकारी दी गई।

मिशन शक्ति पुलिस टीम द्वारा विद्यालय करही में बालिकाओ /महिलाओं को किया गया जागरूक

मंत्र भारत संवाददाता

सिद्धार्थनगर। जिले के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक डॉ अभिषेक महाजन द्वारा महिलाओं एवं बालिकाओ की सुरक्षा में चलाए जा रहे अभियान के तहत अपर पुलिस अधीक्षक प्रशांत कुमार प्रसाद व प्रवीन प्रकाश क्षेत्राधिकारी इटवा के कुशल पर्यवेक्षण में थानाध्यक्ष रामदेव थाना गोल्हौरा के निर्देशन में थाना क्षेत्र के कंपोजिट विद्यालय करही में मिशन शक्ति उप निरीक्षक दीनदयाल सिंह,महिला कांस्टेबल चांदनी मिश्रा टीम द्वारा साइबर जागरुकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया जहाँ महिला सशक्तिकरण,साइबर जागरूकता व नये कानून के बारे में बताया गया एवं सरकार द्वारा विभिन्न सरकारी योजनाओं जैसे कि प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना व बहू सम्मेलन अभियान मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना रानी लक्ष्मी बाई बाल एवं महिला सम्मान कोष नारी शक्ति वंदन अधिनियम मातृ शक्ति को सम्बल निराश्रित महिला पेंशन योजना मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजना आदि अन्य योजनाओ से संबंधी जानकारी को बताया गया।

महिला सुरक्षा को लेकर पुलिस ने महिलाओं और बालिकाओं को किया जागरूक

मंत्र भारत संवाददाता

सिद्धार्थनगर। जिले के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक डॉ अभिषेक महाजन द्वारा महिलाओं एवं बालिकाओ की सुरक्षा में चलाए जा रहे अभियान के तहत अपर पुलिस अधीक्षक प्रशांत कुमार प्रसाद के पर्यवेक्षण में क्षेत्राधिकारी डुमरियागंज बृजेश कुमार वर्मा तथा थानाध्यक्ष बृजेश सिंह के कुशल नेतृत्व में थाना क्षेत्र के ग्राम सेहरी खास में मिशन शक्ति उप निरीक्षक शिव प्रकाश शुक्ला, हेड कांस्टेबल सुरेंद्र यादव, कांस्टेबल प्रमोद यादव, महिला कांस्टेबल सुधा यादव द्वारा साइबर जागरुकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया जहाँ महिला सशक्तिकरण,साइबर जागरूकता व नये कानून के बारे में बताया गया एवं सरकार द्वारा विभिन्न सरकारी योजनाओं जैसे कि प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना व बहू सम्मेलन अभियान मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना रानी लक्ष्मी बाई बाल एवं महिला सम्मान कोष नारी शक्ति वंदन अधिनियम मातृ शक्ति को सम्बल निराश्रित महिला पेंशन योजना मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजना आदि अन्य योजनाओ से संबंधी जानकारी को बताया गया तथा महिला संबंधी अपराध पर अंकुश लगाने हेतु जारी हेल्प लाइन 1090 वुमेन पावर लाइन,181 महिला हेल्प लाइन,1076 मुख्यमंत्री हेल्प लाइन,112 पुलिस हेल्प लाइन,1098 चाईल्ड केयर लाइन,108एम्बुलेंस हेल्प लाइन,101अग्निशमन हेल्प लाइन,14567 एल्डर हेल्पलाइन, 1930 साइबर हेल्पलाइन नंबर नए कानून के बारे में जानकारी दी।

साइबर सुरक्षा को लेकर पुलिस ने स्कूली बच्चों को किया जागरूक

मंत्र भारत संवाददाता

सिद्धार्थनगर। जिले के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक डॉ अभिषेक महाजन द्वारा महिलाओं एवं बालिकाओ की सुरक्षा में चलाए जा रहे अभियान के तहत अपर पुलिस अधीक्षक प्रशांत कुमार प्रसाद अपर पुलिस अधीक्षक व मयंक द्विवेदी क्षेत्राधिकारी शोहरतगढ़ के कुशल पर्यवेक्षण में प्रभारी निरीक्षक नवीन कुमार सिंह थाना शोहरतगढ के निर्देशन में थाना क्षेत्र के ग्राम निवी के कम्पोजिट जूनियर हाई स्कूल में मिशन शक्ति टीम उप निरीक्षक राजकुमार यादव, हेड कांस्टेबल अविनाश सिंह, महिला कांस्टेबल शोभा भारती, ममहिला कांस्टेबल नंदिनी गुप्ता साइबर जागरुकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया जहाँ महिला सशक्तिकरण,साइबर जागरूकता व नये कानून के बारे में बताया गया एवं सरकार द्वारा विभिन्न सरकारी योजनाओं जैसे कि प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना व बहू सम्मेलन अभियान मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना रानी लक्ष्मी बाई बाल एवं महिला सम्मान कोष नारी शक्ति वंदन अधिनियम मातृ शक्ति को सम्बल निराश्रित महिला पेंशन योजना मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजना आदि अन्य योजनाओ से संबंधी जानकारी को बताया गया तथा महिला संबंधी अपराध पर अंकुश लगाने हेतु जारी हेल्प लाइन 1090 वुमेन पावर लाइन,181 महिला हेल्प लाइन,1076 मुख्यमंत्री हेल्प लाइन,112 पुलिस हेल्प लाइन,1098 चाईल्ड केयर लाइन,108एम्बुलेंस हेल्प लाइन,101अग्निशमन हेल्प लाइन,14567 एल्डर हेल्पलाइन, 1930 साइबर हेल्पलाइन नंबर नए कानून के बारे में जानकारी दी गई।

उत्तर मध्य रेलवे

निविदा सूचना संख्या. 74-विद्युत/सा0/प्रयागराज/25-26 दिनांक : 25.02.2026

ई-निविदा सूचना

भारत के राष्ट्रपति की ओर से वरिष्ठ मंडल विद्युत अभियंता (सामान्य) उत्तर मध्य रेलवे प्रयागराज निर्धारित प्रपत्र पर निम्नलिखित कार्यों हेतु ई-निविदा दिनांक- 23.03.2026 समय 15:00 बजे तक आमंत्रित करते हैं निविदा सम्बंधित विस्तृत विवरण निम्नलिखित है-

क्र.सं : 1	निविदा सूचना संख्या.: ELG-151-2526	काम की लागत (₹ में): ₹ 19498350.05
कार्य का नाम: रेलवे अस्पताल टीडीएल में ऑनग्रिड बीआईपीवी (बिल्डिंग इंटीग्रेटेड फोटो वोल्टेइक) सौर ऊर्जा संयंत्र का प्रावधान।		
बिड सिक्योरिटी (₹ में): ₹ 247500.00	कार्य समाप्त करने की समयावधि: 06 माह	
निविदा खुलने की तिथि: 23.03.2026, समय 15:00 बजे। इसे सक्षम सीनियर डीईई/जी /पीआरवाईजे का अनुमोदन प्राप्त है।		

नोट :- 1. उपरोक्त ई-टेंडर के साथ पूरी जानकारी (निविदा दस्तावेज़ के साथ) वेबसाइट www.ireps.gov.in पर 15:00 बजे निविदा खोलने की तिथि तक उपलब्ध है। 444/26(DG)

North central railways @CPRONCR www.ncr.indianrailways.gov.in

युवाओं में मानसिक समस्या, आयुर्वेद से समाधान विषय पर हुआ व्याख्यान

मध्य औषधि, पंचकर्म में शिरोधारा एंजायटी, डिप्रेशन के लिए अधिक प्रभावशाली : डॉ. अर्पिता सी राज

प्रयागराज। इविवि एवं गवर्नमेंट आयुर्वेद चिकित्सालय प्रयागराज की ओर से विश्वविद्यालय प्रांगण में युवाओं में मानसिक समस्या एवं उनका आयुर्वेद से समाधान विषय पर टॉपिक 'मेंटेनिंग मेंटल ओरा ऑफ़ यूथ' पर राजकीय आयुर्वेद प्रयागराज की डॉ. अर्पिता सी राज ने डिजिटल प्रेजेंटेशन करते हुए आज व्याख्यान प्रस्तुत दिया। डॉ. राज ने आज के परिवेश में युवाओं में बढ़ते स्ट्रेस, एंजायटी तथा डिप्रेशन तथा उसके फल स्वरुप सुसाइडल टेंडेंसीज उत्पन्न होने जैसे विषय को गंभीरता से लेते हुए आयुर्वेद की जीवन शैली तथा आहार विहार के अनुपालन का विस्तार से वर्णन किया गया। उन्होंने बताया कि मुख्यतः इमोशनल, बायोलॉजिकल फैक्टर, टेक एडिक्शन, प्रदूषण, बढ़ते स्क्रीन टाइम, सोशल मीडिया में संलिप्तता, आभासी दुनिया से प्रभावित होना, अकेलापन इत्यादि होते हैं। आयुर्वेद में मध्य औषधि तथा पंचकर्म में शिरोधारा एंजायटी तथा डिप्रेशन के लिए अत्यधिक प्रभावशाली रिजल्ट्स देता है। इसके पूर्व कार्यक्रम का उद्घाटन वूमेन स्टडी सेंटर की डायरेक्टर प्रो जया कपूर ने किया श। संयोजक डॉ.गुरपिंदर ने कार्यक्रम की रूपरेखा प्रस्तुत किया जबकि धन्यवाद प्रस्ताव डॉ. रजनी ने किया। स्वास्थ्य शिविर में वार्ड बॉय शिव कुमार यादव ने निःशुल्क औषधि वितरण करते हुए छात्राओं को लाभान्वित किया।

मैक्स अस्पताल, लखनऊ, के डॉक्टरों ने एक्यूट बड-कियारी सिंड्रोम का सफल इलाज किया; उन्नत डीआईपीएस प्रक्रिया से लिवर ट्रांसप्लांट टला

मंत्र भारत संवाददाता

प्रयागराज। मैक्स सुपर स्पेशियलिटी अस्पताल, लखनऊ, के डॉक्टरों ने लिवर की नसों में अचानक हुई रुकावट, एक्यूट बड-कियारी सिंड्रोम के एक दुर्लभ और जानलेवा मामले का सफल इलाज किया। उन्नत और बिना बड़ी सर्जरी वाली प्रक्रिया के जरिए 35 वर्षीय मरीज का लिवर ट्रांसप्लांट टाल दिया गया।

प्रयागराज निवासी, सुश्री प्रेमा यादव, को अत्यधिक कमजोरी, तेजी से बढ़ता पीलिया, पेट और पैरों में सूजन तथा लगातार उल्टी की शिकायत के साथ मैक्स अस्पताल, लखनऊ की इमरजेंसी में लाया गया। जांच में एक्यूट बड-कियारी सिंड्रोम की पुष्टि हुई। ह एक गंभीर स्थिति होती है, जिसमें लिवर से खून बाहर ले जाने वाली नसों में अचानक रुकावट या खून का थक्का बन जाता है। इससे लिवर फेल होने का खतरा तेजी से बढ़ सकता है। गंभीर मामलों में अक्सर लिवर ट्रांसप्लांट ही एकमात्र स्थायी इलाज माना जाता है।

हालांकि, तुरंत विभिन्न विशेषज्ञों की सलाह के बाद डॉक्टरों की टीम ने एक उन्नत और बिना बड़ी सर्जरी वाली प्रक्रिया - डायरेक्ट इंट्राहेपेटिक पोर्टोसिस्टमिक शंट (अ्ह्हए) करने का निर्णय लिया। इस प्रक्रिया में लिवर के अंदर एक नया रास्ता बनाया जाता है, जिससे खून का प्रवाह फिर से सामान्य हो सके और लिवर पर बढ़ा हुआ दबाव कम हो जाए।

यह प्रक्रिया मैक्स अस्पताल, लखनऊ की इंटरवेंशनल रेडियोलॉजी और गैस्ट्रोसर्जरी टीम द्वारा की गई। टीम में डॉ. अजय यादव, निदेशक एवं प्रमुख - गैस्ट्रोइंटेस्टाइनल सर्जरी एवं रोबोटिक जीआई सर्जरी; डॉ. शाहबाज़ मोहम्मद खान, एसोसिएट डायरेक्टर - इंटरवेंशनल रेडियोलॉजी; और डॉ. स्विश कुमार सिंह, सीनियर कंसल्टेंट - इंटरवेंशनल रेडियोलॉजी का भी सहयोग रहा।

टीम के मिलकर काम करने के महत्व पर जोर देते हुए, डॉ. अजय यादव, ने कहा, इस मामले में लिवर की तेजी से बिगड़ती हालत को समय पर पहचानना और सभी विशेषज्ञों का तुरंत मिलकर काम करना बेहद जरूरी था। मरीज की गंभीर स्थिति को देखते हुए, समय पर डीआईपीएस प्रक्रिया करने से उनका लिवर स्थिर हुआ और तुरंत ट्रांसप्लांट की जरूरत नहीं पड़ी। ऐसी अंग-संरक्षण वाली प्रक्रियाएं गंभीर लिवर मामलों में बेहतर परिणाम दे रही हैं।'

केस के बारे में बताते हुए, डॉ. शहबाज़ मोहम्मद खान, ने कहा, 'मरीज की स्थिति तेजी से लिवर फेल होने की ओर बढ़ रही थी। उनके शरीर में काफी मात्रा में पानी भर गया था और लिवर की जांच रिपोर्ट भी लगातार खराब हो रही थी। लिवर के अंदर एक नया रास्ता बनाकर हमने दबाव कम किया, खून का प्रवाह सामान्य किया और स्थायी नुकसान होने से बचा लिया।'

डॉ. स्विश कुमार सिंह, ने कहा, 'तीव्र बड-कियारी सिंड्रोम दुर्लभ है और इसके लक्षण कई बार अन्य लीवर रोगों जैसे लगते हैं, जिससे पहचान में देरी हो जाती है। समय पर सही जांच और विशेषज्ञ केंद्र में रेफरल जीवन बचा सकता है। यह मामला दर्शाता है कि उन्नत इंटरवेंशनल रेडियोलॉजी के माध्यम से गंभीर रक्तवाहिनी संबंधी लीवर रोगों का इलाज बिना प्रत्यारोपण भी संभव है।'

मरीज की हालत में तेजी से सुधार हुआ और उन्हें तीन दिन के भीतर स्थिर स्थिति में अस्पताल से छुट्टी दे दी गई – बिना लिवर ट्रांसप्लांट की जरूरत के।

यह मामला दिखाता है कि जटिल लिवर बीमारियों के इलाज में उन्नत इंटरवेंशनल रेडियोलॉजी की भूमिका लगातार बढ़ रही है और मैक्स अस्पताल, लखनऊ की अंग बचाने वाली आधुनिक इलाज देने की प्रतिबद्धता को मजबूत करता है। मैक्स अस्पताल, लखनऊ आने से पहले मरीज इलाज के लिए दूर-दराज के शहरों में भी गई थीं, लेकिन उन्हें सही और सटीक उपचार नहीं मिल पाया था।

हिंदी प्रकोष्ठ द्वारा एकदिवसीय हिंदी प्रशिक्षण कार्यक्रम का सफलपूर्वक सम्पन्न

मंत्र भारत संवाददाता

प्रयागराज। मोती लाल नेहरू राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान इलाहाबाद प्रयागराज के हिंदी प्रकोष्ठ द्वारा एकदिवसीय हिंदी प्रशिक्षण कार्यक्रम का सफल आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य अधिकारियों एवं कर्मचारियों को शासकीय कार्यों में हिंदी के प्रभावी प्रयोग तथा प्रशासनिक नियमों की अद्यतन जानकारी प्रदान करना था।

कार्यक्रम का शुभारंभ करते हुए संस्थान के कुलसचिव डॉ. अंबक कुमार राय ने कहा कि कार्यों में परिपक्वता लाने के लिए निरंतर सीखते रहना आवश्यक है। उन्होंने सभी प्रतिभागियों को प्रशिक्षण से प्राप्त ज्ञान को अपने दैनिक कार्यों में लागू करने के लिए प्रेरित किया।

उप कुलसचिव डॉ. श्वेतांग परिहार ने गवर्नमेंट अकाउंटिंग, बजट तथा जनरल फाइनेंशियल रूल्स के संबंध में विस्तारपूर्वक जानकारी दी। उन्होंने वित्तीय अनुशासन और पारदर्शिता के महत्व पर प्रकाश डाला। इसके पश्चात सहायक कुलसचिव सत्यजीत कुमार ने एनआईटी एक्ट, सरकारी नियमावली, विभिन्न प्रकार की शासकीय अवकाश व्यवस्थाओं तथा चाइल्ड केयर लीव से संबंधित महत्वपूर्ण बिंदुओं को सरल एवं स्पष्ट रूप में प्रस्तुत किया।

सहायक निदेशक (राजभाषा) प्रमोद कुमार द्विवेदी ने राजभाषा नीति, पत्र लेखन, टिप्पणी लेखन एवं कार्यालयीन पत्राचार की व्यावहारिक बारीकियों पर विस्तार से चर्चा की। उन्होंने बताया कि राजभाषा का प्रभावी प्रयोग प्रशासनिक दक्षता को बढ़ाता है। इसके उपरांत सहायक कुलसचिव मानस अग्रवाल ने केंद्रीय सिविल सेवा (आचरण) नियमावली, 1964 के प्रावधानों की विस्तृत जानकारी देते हुए कर्मचारियों के कर्तव्यों एवं उत्तरदायित्वों को स्पष्ट किया।

कार्यक्रम के समापन पर कार्यालय अधीक्षक श्री गौरव पांडे ने सभी वक्ताओं एवं प्रतिभागियों के प्रति आभार व्यक्त किया। अंत में प्रतिभागियों को प्रमाण-पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया।

इस अवसर पर हिंदी प्रशिक्षण कार्यक्रम के अध्यक्ष डॉ. राजेश शास्त्री, डॉ. गिरजेश पटेल, सत्यजीत कुमार सहित बड़ी संख्या में शिक्षक एवं कर्मचारी उपस्थित रहे। कार्यक्रम ज्ञानवर्धक एवं उपयोगी सिद्ध हुआ।

युवक की पिटाई पैसा छीनने का पीड़ित ने लगाया आरोप

मंत्र भारत संवाददाता

प्रयागराज। थरवई अटरामपुर नवाबगंज गांव निवासी मोहम्मद शोएब पुत्र अब्दुल हमीद बुधवार रात अपने रिश्तेदार राकेश, अन्य के साथ फाफामऊ से वापस लौट घर रहे थे। रात करीब 8:30 बजे शांतिपुरम के पास उनकी गाड़ी को एक कार सवार बदमाशों ने ओवरटेक कर जबरन रोक लिया। पीड़ित के अनुसार कृष्णा नामक व्यक्ति अपने चार साथियों के साथ कार से उतरा और शोएब को जबरन गाड़ी से खींचकर साथ ले गया।आरोप है कि बदमाशथरवई इलाके की 40 नंबर गोमती के समीपयुवक को सुनसान स्थान पर ले गए, जहां उससे आठ हजार रुपये नकद, करीब तीन ग्राम सोने की चेन व अंगूठी जबरन छीन ली। विरोध करने पर आरोपियों ने उसकी लोहे की राड से जमकर पिटाई की वारदात को अंजाम देने के बाद सभी आरोपी मौके से भाग निकले कुछ देर बाद राहगीरों की सूचना पर डायल 112पुलिस मौके पर पहुंची। पीड़ित ने नामजद आरोपियों के खिलाफ लिखित तहरीर दी हैथरवई पुलिस घटना की जांच में जुटी हुई है।

भाजपा महानगर अध्यक्ष संजय गुप्ता, महिला मोर्चा क्षेत्रीय मंत्री काशी क्षेत्र वंदना सिंह सहित पदाधिकारी हुए शामिल

2027 के लिए तैयार रहे महिला मोर्चा : बबीता सिंह चौहान

मंत्र भारत संवाददाता

प्रयागराज। राज्य महिला आयोग की अध्यक्ष एवं पार्टी की वरिष्ठ नेत्री बबीता सिंह चौहान भाजपा महिला मोर्चा के साथ बैठक करते हुए अमर शहीद चंद्रशेखर आजाद सर्किट हाउस में कहा कि 2027 के लिए महिला मोर्चा तैयार रहे। उन्होंने कहा कि फार्म- 6 भरने में अब जो शेष दिन बचे हैं उनका पूरा सदुपयोग करते हुए मोर्चा कार्यकत्रियां घर - घर जाकर नए वोटरों को जोड़ने का काम करें, खासकर महिला मतदाताओं पर ज्यादा फोकस करें और उन्हें केंद्र व प्रदेश सरकार द्वारा महिलाओं के लिए चलाई जा रही कल्याणकारी योजनाओं के बारे में बताएं।

राज्य महिला आयोग की अध्यक्ष एवं पार्टी की वरिष्ठ नेत्री बबीता सिंह चौहान ने कहा कि आज प्रदेश में कानून का राज है। महिलाएं बेटियां आज बिना किसी भय के बाहर निकलती हैं। अपराधियों के हौंसले पस्त हैं और यदि यही कानून व्यवस्था हम 2027 में भी चाहते हैं तो उसके लिए हमें अभी से लगना होगा। उन्होंने कहा कि फार्म 6 भरवाने को लेकर शिथिलता न बरतें। इसके साथ केंद्र व प्रदेश सरकार द्वारा पेश बजट 2026 के बारे में भी लोगों खासकर महिलाओं को बताएं कि डबल इंजन सरकार में उनके लिए संभावनाओं के द्वार खुले हैं। बजट में हर वर्ग का ख्याल रखा गया है।

उन्होंने कहा कि सरकार की जन कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी सभी लोग जनता तक पहुंचाएं। इस अवसर पर भाजपा प्रयागराज महानगर अध्यक्ष संजय गुप्ता, राज्य महिला आयोग की सदस्य गीता विश्वकर्मा, महिला मोर्चा क्षेत्रीय मंत्री काशी क्षेत्र वंदना सिंह, महिला मोर्चा महानगर अध्यक्ष शिखा रस्तोगी, रीता सिंह, चंद्रा अहलूवालिया, आभा सिंह, कंचनलता कुशवाहा, शिखा खन्ना, कल्पना शर्मा, सुनीता श्रीवास्तव आदि महिला मोर्चा कार्यकत्रियां उपस्थित रहीं।

स्टिंग एनर्जी ने इस क्रिकेट सीजन में हर छक्के को दी अपनी खास सोनिक आइडेंटिटी

प्रयागराज। पेप्सिको इंडिया के हाई वोल्टेज एनर्जी ड्रिंक स्टिंग एनर्जी ने आज अपने सोनिक ब्रांड यूनिवर्स के नए चैप्टर में कदम रखते हुए मैच

में लगने वाले हर छक्के को अपने सिग्नेचर 'स्टिंग' मूमेंट में बदलने का कैंपेन शुरू किया। अपनी मौजूदगी को देखते हुए स्टिंग एनर्जी ने इस सीजन में एक बड़ा लक्ष्य रखा हैः मैच में लगने वाले हर छक्के की आवाज को उसकी पहचान देने का लक्ष्य।

लक्ष्मी निवास के लिए बैंकॉक में शूट के साथ ज़ी टीवी ने कहानी को दिया बड़ा और शानदार रूप

प्रयागराज। ज़ी टीवी लंबे समय से दर्शकों तक ऐसी कहानियां पहुंचाता रहा है, जिनमें गहराई भी होती है और उन्हें बड़े और खूबसूरत

अंदाज में दिखाया भी जाता है। 'तुम से तुम तक' में कश्मीर में फिल्माए गए खास प्रपोज़ल सीन को मिली जबर्दस्त सराहना के बाद, अब चैनल ने एक और बड़ा कदम उठाया है।

मिंत्रा अपने 19वें जन्मदिन के अवसर पर लेकर आया मिंत्रा बर्थडे ब्लास्ट

प्रयागराज। भारत के अग्रणी फैशन, ब्यूटी और लाईफस्टाईल डेस्टिनेशंस में से एक मिंत्रा अपने 19वें जन्मदिन के अवसर पर मिंत्रा बर्थडे ब्लास्ट (एमबीबी) लेकर आया है। यह ईवेंट 28 फरवरी से शुरू होगी। मिंत्रा इनसाईडर कस्टमर्स को 24 घंटे पहले यानी 27 फरवरी से इसकी अरली एक्सेस मिल जाएगी।

नशीली दवाओं का तस्करी करने वाला अंतरराष्ट्रीय तस्कर हुआ गिरफ्तार

मंत्र भारत संवाददाता

सिद्धार्थनगर। जिले की कपिलवस्तु थाना पुलिस व एसएसबी की संयुक्त टीम द्वारा 04 अदद डिब्बे में नशीली गोली, 79 अदद खुला कैप्सूल, 09 रैपर में कुल 72 कैप्सूल व 06 रैपर में कुल 59 अदद गोली व एक अदद मोबाइल फोन व एक अदद मोटरसाइकिल के साथ एक नफर अभियुक्त को गिरफ्तार किया गया तथा आवश्यक विधिक कार्यवाही पूर्ण न्यायालय भेजा गया । सिद्धार्थनगर जिले के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक डॉ0 अभिषेक महाजन के आदेश पर एवं प्रशान्त कुमार प्रसाद, अपर पुलिस अधीक्षक के निर्देशन व विश्वजीत सौरयान क्षेत्राधिकारी सदर, सिद्धार्थनगर के कुशल पर्यवेक्षण में संतोष कुमार तिवारी प्रभारी निरीक्षक कपिलवस्तु के कुशल नेतृत्व मे अपराध एवं अपराधियों व नारकोटिक्स के

विरुद्ध चलाये जा रहे अभियान के तहत रोकथाम अवैध तस्करी रोकथाम मे उप निरीक्षक अखिलेश कुमार मिश्र चौकी प्रभारी बजहा, उप निरीक्षक संजय कुमार चौहान एसएसबी 43 बटालियन सी कम्पनी अलीगढवा, हेड कांस्टेबल उपेन्द्र प्रजापति, कांस्टेबल राजकमल यादव, सुनील यादव,मुख्य आरक्षी विनोद कुमार, आरक्षी राजन मिश्र एसएसबी 43 बटालियन सी कम्पनी अलीगढवा से भारत-नेपाल सीमा पर ठकुरापुर खडंजा मार्ग वहद ग्राम ठकुरापुर के पास चेकिंग के दौरान अभियुक्त अब्दुल रहमान पुत्र अब्दुल समद निवासी माया देवी वार्ड नं0-04 चाकर चौड़ा थाना पकड़ी जनपद कपिलवस्तु राष्ट्र नेपाल को प्रतिबंधित नशीली दवाओं के साथ गिरफ्तार किया गया ।

पुलिस ने अपहरण के आरोपी को किया गिरफ्तार भेजा न्यायालय

सिद्धार्थनगर। जिले के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक डॉ अभिषेक महाजन के आदेश के क्रम में अपराध एवं अपराधियों के विरूद्ध चलाये जा रहे वांछित/वारण्टी अभियान के तहत, प्रशान्त कुमार प्रसाद अपर पुलिस के निर्देशन में व मंयक द्विवेदी क्षेत्राधिकारी शोहरतगढ के कुशल पर्वेक्षण में नवीन कुमार सिंह प्रभारी निरीक्षक शोहरतगढ़ के कुशल नेतृत्व में थाना शोहरतगढ़ पुलिस द्वारा थाना स्थानीय पर पंजीकृत मु0अ0स0 19/2026 धारा 137(2),87 बीएनएस से सम्बंधित वांछित को जुगडिहवा मोड के पास दिलशाद पुत्र खलीलुल्लाह निवासी धनौरा मुस्तहकम से उप निरीक्षक संतोष कुमार सिंह, हेड कांस्टेबल प्रमोद यादव की टीम ने गिरफ्तार कर अन्य विधिक कार्यवाही पूर्ण कर माननीय न्यायालय भेजा गया।

पुलिस द्वारा एक नफर वारंटी को गिरफ्तार कर भेजा न्यायालय

मंत्र भारत संवाददाता

सिद्धार्थनगर। जिले के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक डॉ0 अभिषेक महाजन के आदेश के क्रम में एवं अपर पुलिस अधीक्षक प्रशान्त कुमार प्रसाद के कुशल पर्यवेक्षण में व मयंक द्विवेदी क्षेत्राधिकारी शोहतगढ के कुशल निर्देशन व प्रभारी निरीक्षक अरूण कुमार थाना कठेला समय माता के नेतृत्व में चलाये जा रहे वारण्टी की गिरफ्तारी अभियान मे थाना कठेला समय माता पुलिस द्वारा वाद संख्या-1573/2023 धारा -31 घरेलू हिंसा से महिलाओ का संरक्षण अधिनियम से सम्बन्धित शशिकान्त चौहान पुत्र चन्द्रशेखर साकिन बन्डेहरा एक नफर वारण्टी को उप निरीक्षक धर्मेन्द्र कुमार प्रजापति,कांस्टेबल सतीश चन्द चौहान को गिरफ्तार कर न्यायालय भेजा।

पुलिस ने दुष्कर्म पीड़िता का दर्ज कराया बयान

मंत्र भारत संवाददाता

हनुमानगंज। सरायइनायत थानाक्षेत्र में दो दिन पहले हुए एक युवती के अपहरण और दुष्कर्म के मामले में पुलिस ने गुरुवार को पीड़िता का न्यायालय में बयान दर्ज कराया और मेडिकल जांच के लिए भेज दिया। पुलिस आरोपी युवक को हिरासत में लेकर पूछताछ कर रही है। बता दें कि थानाक्षेत्र में अनुसूचित जाति की 23 वर्षीय युवती से तेंदुई चैनपुर गांव निवासी सरफराज अंसारी ने अभिषेक बनकर इंस्ट्राग्राम पर उससे दोस्ती की। आरोप है कि सरफराज मंगलवार की रात बाइक से आया और युवती को साथ चलने के लिए कहा। युवती ने मना किया तो चाकू के बल पर उसे अगवा कर लिया और एक होटल में ले जाकर उसके साथ दुष्कर्म किया।

पीड़िता के भाई की तहरीर पर पुलिस ने बुधवार को अपहरण व दुष्कर्म का केस दर्ज कर लिया था। थानाध्यक्ष संजय गुप्ता ने बताया पूछताछ पूरी होने के बाद आरोपी युवक को जेल भेजा जाएगा।

हॉस्टलों में शुरू हुई कपड़ा फाड़ होली

मंत्र भारत संवाददाता

प्रयागराज। इविवि व उसके संघटक कॉलेजों में होली की खुमारी शुरू हो गई है। ईश्वर शरण डिग्री कॉलेज के डॉ. आंबेडकर हॉस्टल के परिसर में गुरुवार को छात्रों ने कपड़ा फाड़ होली खेली। छात्रों ने एक-दूसरे को इस तरह से रंग लगाया कि कोई पहचान में नहीं आ रहा था। उधर डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन हॉस्टल में भी छात्र रंगों से सराबोर रहे। शुक्रवार को हॉलैंड हॉल हॉस्टल में छात्रों के बीच होली खेली जाएगी।

होली के मद्देनजर विशेष बसों का संचालन

मंत्र भारत संवाददाता

प्रयागराज। होली पर्व को देखते हुए परिवहन निगम ने 28 फरवरी से 9 मार्च तक विशेष बस संचालन का निर्णय लिया है। सात प्रमुख रूटों पर प्रतिदिन 148 अतिरिक्त फेरे लगाए जाएंगे, कुल 1628 फेरों का संचालन होगा। दिल्ली-प्रयागराज रूट पर सात बसें विशेष रूप से चलाई जाएंगी। क्षेत्रीय कंट्रोल रूम नंबर 6389149075 और टोलहोली के मद्देनजर कल से चलेंगी होली विशेष बसेंफ्री 18001800 2877 जारी किया गया है। क्षेत्रीय प्रबंधक रविंद्र कुमार ने बताया कि सभी तैयारियां पूरी कर ली गई है।

नैनी जामा मस्जिद ईदगाह में तरावीह मुकम्मल, मुल्क की तरक्की और अमन-चैन के लिए हुई खास दुआ

मंत्र भारत संवाददाता

प्रयागराज। जामा मस्जिद ईदगाह नैनी में बुधवार को तरावीह की नमाज़ मुकम्मल होने पर खास आमीन के साथ दुआ-ए-खैर की गई। रमज़ान के मुबारक महीने में आयोजित इस विशेष इबादत में नैनी सहित आसपास के गांवों से हजारों की संख्या में अकीदतमंदों ने शिरकत की।

कई वर्षों बाद इस बार 7 दिन की तरावीह का एहतमाम किया गया, जिसे नमाजियों ने बेहद अकीदत और अनुशासन के साथ अदा किया। तरावीह की नमाज़ अल्लामा मौलाना मुफ्ती शहंशाह आलम मिस्बाही साहब ने मुकम्मल करवाई। उन्होंने आलम-ए-इस्लाम की सलामती, मुल्क की तरक्की, अमन-ओ-शांति और भाईचारे के लिए विशेष दुआ की।

मस्जिद प्रशासन की ओर से तरावीह पढ़ाने वाले इमाम साहब, मस्जिद के मुख्य इमाम, नायब इमाम और मुअज्जिन को तआवुन (सहयोग राशि) भेंट की गई।

इस मौके पर मौलाना आलम साहब, मौलाना परवाज, शम्से आज़म साहब, मौलाना शफीक, मौलाना शकील, हाफिज मो. अनस, हाजी हलीम, शाह आलम साहब, काशिफ उद्दीन साहब, शाह अफ़ज़ल भाई, नाज़िम खान, शाहनवाज़ आलम, मकसूद भाई, अबरार भाई, अनस, शहजाद खान, हाशिम खान, नसीम अहमद, मोहसिम खान अमन, आरिफ, फरहान, शमीम गार्ड, इस्तियाक, शकील भाई, लल्लू मिस्त्री सहित मस्जिद के अन्य कार्यकर्ता मौजूद रहे। पूरे कार्यक्रम के दौरान मस्जिद परिसर में आध्यात्मिक माहौल बना रहा और लोगों ने आपसी भाईचारे व एकता का संदेश दिया।

सम्पादकीय

विमान सुरक्षा की कसौटीः बढ़ते हादसे और गिरता भरोसा

झारखंड में चतरा जिले के कर्माटाड जंगल में सोमवार शाम एक चार्टर्ड एअर एंबुलेंस के हादसे का शिकार होने और उसमें सभी सात लोगों की मौत ने एक बार फिर इस सवाल को गहरा किया है कि क्या दिनोंदिन विमान सेवाएं असुरक्षित होती जा रही हैं। गौरतलब है कि एक मरीज और उनके परिजनों को दिल्ली ले जा रही एअर एंबुलेंस मौसम खराब होने की वजह से मार्ग बदलने की कोशिश कर रही थी। मगर थोड़ी देर बाद यह विमान रडार से गायब हो गया और कुछ समय बाद उसका मलबा घने जंगल में मिला।

यह हादसा पिछले कुछ समय से लगातार सामने आ रही वैसी घटनाओं की एक कड़ी है, जिनसे विमान यात्रा के पूरी तरह सुरक्षित होने की धारणा कमजोर होती है। झारखंड में हुए हादसे के अगले ही दिन मंगलवार को दिल्ली से लेह जा रही स्पाइसजेट की एक उड़ान को तकनीकी खराबी के कारण वापस उतारना पड़ा।

इसके अलावा, सरकारी कंपनी पवन हंस के एक हेलिकाप्टर को अंडमान क्षेत्र में उड़ान के दौरान तकनीकी कारणों से समुद्र में आपात अवस्था में उतारना पड़ा। गनीमत रही कि इसमें सवार सभी सात लोगों को बचा लिया गया। दो दिन के भीतर होने वाली ये घटनाएं बताती हैं कि हाल के वर्षों में यात्रा के एक बेहतर विकल्प के रूप में उभर रही विमान सेवा अब कई स्तर पर जोखिम से गुजर रही है। जबकि विमान यात्रा को कहीं आने-जाने का सबसे सुरक्षित जरिया माना जाता रहा है।

आखिर क्या वजह है कि पिछले कुछ समय से लगातार विमानों के हादसे का शिकार होने से लेकर उड़ान के बाद तकनीकी खराबी के कारण वापस उतारने की घटनाओं में बढ़ोतरी हो रही है? विमान सेवाओं के मामले में एक आम स्थिति यह है कि समय-समय पर तकनीकी स्तर पर हर पहलू से उच्च स्तरीय जांच होती है और हर कसौटी पर खरा उतरने के बाद ही उसे उड़ान के लिए तैयार माना जाता है।

हर उड़ान के पहले सुरक्षा जांच की एक सघन प्रक्रिया पूरी की जाती है, ताकि बीच रास्ते में कोई अड़चन न आए। मगर हाल के समय में कई विमानों की उड़ान के बाद रास्ते में तकनीकी खराबी का पता चलने पर वापस उतारने की घटनाएं यह बताती हैं कि या तो तकनीकी स्तर पर उसमें कोई खराबी थी या फिर सुरक्षा जांच में किसी स्तर पर कमी की गई।

इसी महीने के शुरू में सरकार ने लोकसभा में बताया था कि भारतीय विमान सेवा के जिन विमानों की तकनीकी जांच हुई, उनमें से लगभग आधे में बार-बार खराबी पाई गई।

इस क्रम में पिछले वर्ष जनवरी से छह बड़ी एअरलाइंस के 754 विमानों का विश्लेषण किया गया, जिनमें से 377 में बार-बार खामी आने की बात सामने आई। सवाल है कि इन विमानों में जो गड़बड़ियां पाई गईं, वे कितनी संवेदनशील थीं और उनसे पैदा होने वाले जोखिम का स्तर क्या था। अगर किसी तकनीकी खामी को नजरअंदाज करके या उसे सुरक्षा से संबंधित नहीं मान कर उड़ान की इजाजत दी जाती है, तो अक्सर ऐसी घटनाएं क्यों सामने आ रही हैं कि किसी तकनीकी खराबी की वजह से विमान को बीच सफर से आपात स्थिति में वापस उतारा गया?

विमान यात्रा को सबसे सुरक्षित जरूर माना जाता है, लेकिन इसकी सुरक्षा से जुड़े हर पहलू बेहद संवेदनशील भी होते हैं। इसमें किसी भी स्तर पर अनदेखी, कोताही या खराबी की आशंका के बावजूद उड़ान की इजाजत देने के गंभीर और त्रासद नतीजे सामने आ सकते हैं।

पेट भरा फिर भी कुपोषण, अनाज उत्पादन में आत्मनिर्भर भारत के सामने गहराता 'मौन संकट'

भूख के विरुद्ध हमारी लंबी लड़ाई ने खेतों को लहलहाया, भंडारों को भरा और अन्न की कमी को काफी हद तक दूर किया। मगर, इस उपलब्धि के बीच एक मौन संकट पनपता रहा और वह है पोषण की कमी। पेट तो भर गया, पर शरीर को वह संपूर्ण ऊर्जा नहीं मिल सकी, जो स्वस्थ जीवन का मूल आधार है। कई दशकों तक दुनिया भर में भूख से लड़ने का मुख्य उपाय यही माना गया कि अधिक से अधिक खाद्यान्न पैदा किया जाए। हरित क्रांति और उसके बाद कृषि के आधुनिकीकरण ने भारत जैसे देशों को खाद्यान्न उत्पादन में आत्मनिर्भरता की राह दिखाई। मगर आज चुनौती केवल पेट भरने की नहीं है, बल्कि शरीर को सही पोषण देने की भी है। यह दोहरी समस्या हमें कृषि नीतियों, फसल विकास की दिशा और खाद्य व्यवस्था पर गंभीरता से पुनर्विचार करने की ओर इशारा करती है।

फसलों की नई-नई किस्में इस उद्देश्य से विकसित की गई थीं कि प्रति हेक्टेयर उत्पादन अधिकतम हो सके। इन किस्मों ने खेती की तस्वीर बदल दी और लाखों लोगों को भुखमरी से बचाया। मगर जब पूरी प्राथमिकता उपज बढ़ाने पर केंद्रित हो गई, तब फसलों के पोषण मूल्य पर अपेक्षित ध्यान नहीं दिया गया। कई अध्ययनों से संकेत मिला है कि गेहूं और चावल जैसे खाद्यान्न की आधुनिक किस्मों में लौह तत्त्व, जिंक और कुछ विटामिन की मात्रा पारंपरिक देसी किस्मों की तुलना में कम हो सकती है। भले ही यह अंतर बहुत बड़ा न हो, लेकिन जिस समाज का भोजन मुख्य रूप से अनाज पर आधारित है, वहां इसका प्रभाव व्यापक हो सकता है। जब आहार में विविधता कम हो और अधिकांश भोजन केवल एक-दो फसलों पर निर्भर हो, तब पोषक तत्त्वों में हल्की-सी कमी भी बड़े पैमाने पर कुपोषण का कारण बन जाती है। भारत में पोषण की मौजूदा

स्थिति इस सच्चाई को स्पष्ट करती है।

दुनिया के चावल और गेहूं के बड़े उत्पादक देशों में शामिल होने के बावजूद भारत में रक्त की कमी, ठिगनापन और कम वजन की समस्या बनी हुई है। विशेषकर प्रजनन आयु की महिलाएं और छोटे बच्चे इससे अधिक प्रभावित हैं। विभिन्न राष्ट्रीय सर्वेक्षणों और वैश्विक रपटों से यह बात सामने आती रही है कि खाद्य सुरक्षा और पोषण सुरक्षा एक ही बात नहीं है। केवल अनाज की उपलब्धता बढ़ जाने से पोषण की समस्या हल नहीं होती। महिलाओं और बच्चों में रक्त की कमी का बने रहना इस बात का प्रमाण है कि उन्हें जरूरी लौह तत्त्व और अन्य सूक्ष्म पोषक तत्त्व पर्याप्त मात्रा में नहीं मिल रहे हैं। संयुक्त राष्ट्र की एक रपट के अनुसार, भारत में वर्ष 2024 में पांच वर्ष से कम आयु के बच्चों में से 18.7 फीसद कुपोषण से पीड़ित थे। इसी तरह राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण (2019-21) के मुताबिक, देश में पांच वर्ष से कम उम्र के 35.5 फीसद बच्चे बौने हैं। इससे एक बात तो स्पष्ट है कि केवल यह देखना पर्याप्त नहीं है कि कितना खाद्यान्न पैदा हो रहा है; यह भी उतना ही महत्त्वपूर्ण है कि उस खाद्यान्न में पोषक तत्त्वों की स्थिति क्या है।

इन चुनौतियों को समझते हुए कृषि अनुसंधान संस्थानों ने अब पोषक तत्त्वों से भरपूर किस्में विकसित करने की दिशा में काम शुरू किया है। जैव-संवर्धन इसी प्रयास की एक अहम कड़ी है। इसमें फसलों की ऐसी किस्में विकसित की जाती हैं, जिनमें प्राकृतिक रूप से पोषक तत्त्वों की मात्रा अधिक हो। यह समाधान टिकाऊ है, क्योंकि इसमें फसल की कटाई के बाद अलग से पोषक तत्त्व मिलाने की आवश्यकता नहीं होती, बल्कि पोषण सीधे खेत से ही भोजन में पहुंचता है।

फिर भी केवल तकनीकी उपाय पर्याप्त नहीं हैं। कृषि नीति में व्यापक दृष्टिकोण अपनाना होगा, जिसमें आहार की विविधता को महत्त्व दिया जाए। पारंपरिक खेती में दालें, मोटे अनाज, तिलहन, फल और सब्जियां सब शामिल होते थे, जिससे संतुलित पोषण मिलता था। मगर समय के साथ एक ही प्रकार की फसलों पर निर्भरता बढ़ी और खेतों की विविधता कम हो गई। जबकि मोटे अनाज जैसे बाजरा, ज्वार और रागी पोषक तत्त्वों से भरपूर होते हैं और सूखे की स्थिति में इनकी पैदावार अच्छी होती है। इन्हें 'पोषक अनाज' के रूप में फिर से बढ़ावा देना कुपोषण से लड़ने का सशक्त माध्यम हो सकता है।

मिट्टी का स्वास्थ्य भी इस पूरी प्रक्रिया में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाता है। यदि मिट्टी में सूक्ष्म पोषक तत्त्वों की कमी होगी, तो फसलों में भी उनकी मात्रा कम हो सकती है। रासायनिक उर्वरकों के असंतुलित उपयोग और जैविक पदार्थों की कमी से मिट्टी की गुणवत्ता प्रभावित होती है। इसलिए संतुलित उर्वरक प्रयोग, फसल चक्र, जैविक खाद और मिट्टी परीक्षण जैसी पद्धतियों को बढ़ावा देना आवश्यक है। स्वस्थ मिट्टी में उगाई गई फसलें न केवल अधिक उत्पादन देती हैं, बल्कि बेहतर पोषण भी प्रदान करती हैं। इस प्रकार मिट्टी की सेहत, फसल की गुणवत्ता और मानव स्वास्थ्य एक-दूसरे से जुड़े हुए हैं।

ऐसे में सार्वजनिक वितरण प्रणाली और खाद्य सहायता कार्यक्रमों में भी बदलाव की आवश्यकता है। अब तक इनका मुख्य उद्देश्य लोगों को पर्याप्त अनाज उपलब्ध कराना रहा है। यदि इन्हीं प्रणालियों के माध्यम से पोषक तत्त्वों से भरपूर अनाज, दालें और अन्य खाद्य पदार्थ वितरित किए जाएं, तो पोषण सुधार में खासी मदद मिल सकती है। विद्यालयों के मध्याह्न भोजन और गर्भवती महिलाओं के लिए पोषण योजनाओं में स्थानीय तथा विविध खाद्य पदार्थों को शामिल करने से उनकी सेहत में सुधार हो सकता है।

खाद्यान्न के प्रति उपभोक्ताओं की जागरूकता भी उतनी ही जरूरी है। शहरीकरण और बदलती जीवनशैली के कारण लोग अधिक प्रसंस्कृत और डिब्बाबंद खाद्य पदार्थों की ओर आकर्षित हो रहे हैं। ये खाद्य पदार्थ ऊर्जा तो देते हैं, परंतु उनमें पोषक तत्त्वों की कमी होती है। संतुलित आहार, साबुत अनाज, दालें, फल और सब्जियों के महत्त्व को समझाने के लिए जन-जागरूकता अभियान चलाया जाना चाहिए। यदि परिवारों, विशेषकर माताओं को सही जानकारी मिले, तो बच्चों के पोषण स्तर में उल्लेखनीय सुधार हो सकता है।

देखा जाए तो आर्थिक पहलू भी इस समस्या से जुड़े हुए हैं। किसान वही फसल उगाते हैं, जिसकी बाजार में मांग और उचित मूल्य मिलता है। यदि पोषक तत्त्वों से भरपूर फसलों को पर्याप्त समर्थन मूल्य और बाजार उपलब्ध नहीं होगा, तो जाहिर है कि किसान उनमें ज्यादा रुचि नहीं लेंगे और उनका उत्पादन सीमित ही रहेगा। इसलिए सरकार को व्यापक स्तर पर ऐसी नीतियां और योजनाएं बनानी चाहिए, जो किसानों को विविध एवं पोषक फसलों की खेती के लिए प्रोत्साहित करें।

इन सब के बीच जलवायु परिवर्तन भी एक नई चुनौती बनकर सामने आया है। तापमान में वृद्धि और अनियमित वर्षा फसल उत्पादन एवं उनके पोषण मूल्य को प्रभावित कर सकते हैं। कुछ शोध बताते हैं कि वातावरण में कार्बन डाइआक्साइड की बढ़ती मात्रा से फसलों में प्रोटीन और पोषक तत्त्वों की मात्रा घट सकती है। ऐसे में जलवायु के अनुकूल और पोषण से भरपूर फसलों की नई किस्मों का विकास जरूरी है। इक्कीसवीं सदी में भूख से लड़ाई केवल मात्रा पर नहीं, बल्कि गुणवत्ता पर भी केंद्रित होनी चाहिए। हर नागरिक को पर्याप्त और पौष्टिक भोजन उपलब्ध कराना मानव विकास की बुनियादी जरूरत है। यदि हम पोषण-संवेदनशील कृषि में निवेश करते हैं, तो इससे शिक्षा, रोजगार और आर्थिक प्रगति पर दूरगामी एवं सकारात्मक प्रभाव पड़ेगा। इसलिए अब जरूरी है कि हम कृषि विकास के अगले चरण में पोषक तत्त्वों से भरपूर खाद्यान्न को केंद्र में रखकर आगे बढ़ें।

सुंदरता का दार्शनिक विश्लेषण और पैमाना, हर खूबसूरती की तय उम्र होती है

इस सृष्टि में प्राणधारी से लेकर प्राणहीन तक और प्रकृति प्रदत्त से लेकर मानव निर्मित तक जितनी भी संरचनाएं या उपादान विद्यमान हैं, सभी सुंदर और असुंदर, दो श्रेणियों में वर्गीकृत हैं। कोई भी चीज या तो सुंदर है या फिर असुंदर। इन दोनों के बीच या इनके अतिरिक्त कोई तीसरी श्रेणी निर्धारित नहीं है। यों सुंदरता को परिभाषित कर पाना अपने आप में बहुत पेचीदा मामला है। दरअसल, सुंदरता को नापने का कोई सार्वभौम, सार्वकालिक और सार्वजनिक पैमाना नहीं है।

कहा गया है कि सुंदरता दृश्य में नहीं, बल्कि देखने वाले की दृष्टि में होती है। एक ही वस्तु, एक ही कृति या एक ही रूप किसी एक के लिए सुंदर हो सकती है और किसी दूसरे के लिए असुंदर। किसी को वह आकर्षित कर सकती है, तो किसी को विकर्षित। इसके अतिरिक्त, सुंदरता काफी हद तक देशकाल, अवसर और परिस्थिति पर भी निर्भर करती है। यह देखने वाले की सोच और नजरिए पर भी निर्भर करती है। इन सबके बावजूद यह कहा जा सकता है कि सुंदर और असुंदर की आम स्वीकृति के मामले में विरोधाभास की गुंजाइश बहुत कम है।

यह भी है कि सुंदर और असुंदर के मध्य भेद करने की प्रवृत्ति सिर्फ मनुष्य के पास ही है। अन्य प्रजातियों के लिए सब कुछ एक-सा, यानी सब धान बाईस पसेरी है। हालांकि पशुओं और पक्षियों के अंदर भय, क्रोध, हिंसा, ममता, भूख, प्यास, नींद, स्व रक्षा आदि भावनाएं होती हैं, लेकिन सुंदर और असुंदर की समझ उनमें नहीं होती है। सच यह कि उन्हें सुंदर-असुंदर से कोई लेना-देना भी नहीं होता है। उन्हें तो बस अपनी आवश्यकताओं की पूर्ति भर से मतलब होता है। समस्त प्राणधारियों में होमो सेपियंस, यानी मानव ही एकमात्र ऐसी प्रजाति है, जिसके नर और मादा, दोनों ही अपने जीवन के हर क्षेत्र में सुंदरता के आग्रही होते हैं। ऐसा शायद इसलिए है कि उनके अंदर एक विकसित मस्तिष्क होता है और उस मस्तिष्क में सोचने-समझने और विश्लेषण करने की क्षमता होती है।

मानव स्वभावतः सुंदरता का पक्षधर है। लगभग सभी लोग सुंदरता के आग्रही होते हैं। कोई भी ऐसा नहीं, जो असुंदरता को स्वेच्छा से स्वीकार करे, लेकिन सच्चाई यह है कि सुंदरता की पहचान, पूछ और प्रशंसा असुंदरता की वजह से ही है। किसी भी गुण, भाव, बोध या दृश्य का मूल्यांकन सदैव सापेक्षता के आधार पर होता है। अच्छाई का अस्तित्व तभी तक है, जब तक उसके समांतर बुराई भी है। मिठाई का आकर्षण तभी तक है, जब तक उसके बरक्स तीखापन विद्यमान है। उजाले का महत्त्व अंधियारे के कारण है। ठीक इसी प्रकार असुंदरता ही वह अस्तित्व है, जो हमें सुंदरता का बोध कराता है, उसका महत्त्व स्थापित करता है और हमारी चेतना में सुंदरता के प्रति आकर्षण पैदा करता है।

हम सभी अपने जीवन में सब कुछ सुंदर ही चाहते हैं। जीवनपर्यंत सुंदरता पाने की ललक में भागते रहते हैं। उसे सहेजने की कोशिश में हलकान रहते हैं, लेकिन क्या हम वैसा करने में सफल हो पाते हैं? इसका उत्तर है- नहीं। लाख कोशिशों के बावजूद आखिर हमें असफलता ही हाथ लगती है। सुंदरता साथ छोड़ सकती है, लेकिन असुंदरता नहीं।

सुंदरता के आकर्षण में पागल बने हम यह ध्रुव सत्य भूल जाते हैं कि असुंदरता की व्याप्ति सुंदरता के मुकाबले बहुत अधिक है। सुंदरता की अंतिम परिणति असुंदरता में ही होती है। सुंदरता अल्पकालिक होती है, जबकि असुंदरता दीर्घजीवी। सुंदरता गतिशील होती है, लेकिन असुंदरता स्थावर। इसके अतिरिक्त सुंदरता की सीमा होती है, यानी कोई चीज

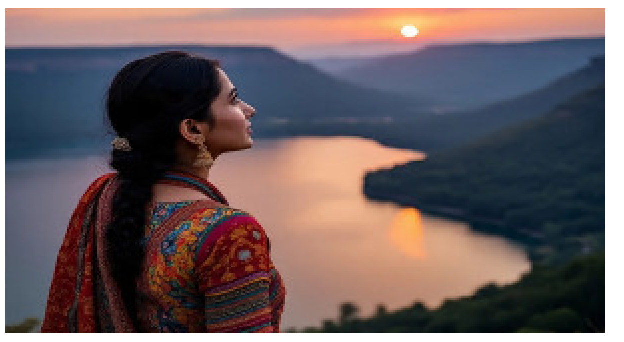

कम सुंदर होगी, कोई चीज अधिक सुंदर होगी और कोई उससे भी अधिक सुंदर, लेकिन जो असुंदर है, वह सदैव एक-सा बना रहता है।

प्रकृति का नियम है कि हर सुंदर को एक निश्चित अवधि के बाद असुंदर हो जाना होता है। प्रातःकाल डाल पर खिला, झूमता, हर मन को रिझाता सुंदर फूल शाम होते-होते कुम्हलाने लगता है। यौवन काल में अपने रूप के लावण्य का स्वामी रहा कोई व्यक्ति- स्त्री या पुरुष प्रौढ़ होने की तरफ बढ़ने के साथ ही अपना सामान्य सौंदर्य खोने लगता है। वृद्धावस्था आने तक सारा सलोनापन उड़न-छू हो जाता है और असुंदरता उसमें घर बना कर ठहर जाती है।

इसी प्रकार, राह चलते लोगों की धड़कन बढ़ाने वाले सुंदर, सुकांत छबीले युवक आयु के तीसरे दशक तक आते-आते अपने सौष्ठव का आकर्षण खो बैठते हैं। कृत्रिम तरीकों का सहारा लेकर कोई लाख यत्न करे, लेकिन सुंदरता टिकती नहीं है। आखिरकार वही असुंदरता आखिर अपना कब्जा जमा लेती है, जिसे हमने अपने आग्रहों के कारण असुंदर घोषित किया था।

इतिहास साक्षी है कि सुंदरता आदिकाल से ही मानव समाज में अशांति और उपद्रव का कारण बनती रही है। पौराणिक काल से लेकर वर्तमान तक, जितने भी युद्ध, संधि और खून-खराबे हुए हैं, सब सुंदरता पर अधिकार के लिए भी हुए हैं। इसके पीछे न जाने कितनी जानें चली गईं और न जाने कितनी सत्ताएं मिट गईं। इतिहास में वर्णित कहानियां इसकी पुष्टि करती हैं। बावजूद इसके मनुष्य है कि इतिहास से सबक लेने को तैयार नहीं है। वह सुंदरता का मोह त्याग नहीं पाता है।

दरअसल, दिन और रात, धूप और छांव तथा सुख और दुख की ही तरह सुंदर और असुंदर भी एक ही सिक्के के दो पहलू की तरह हैं। इनकी गति को रोक सकना और इनके प्रभाव से बच सकना नितांत असंभव है। कुदरत का अपना नियम है और अपने नियम में वह रंचमात्र भी हस्तक्षेप बर्दाश्त नहीं करती है। आज जो सुंदर है, कल उसे असुंदर होना ही है। इसलिए श्रेयस्कर यही है कि हम सुंदर और असुंदर को समभाव से लें।

एरिया 51 को लेकर ओबामा ने ऐसा क्या बोला? ट्रंप ने दिया एलियंस की फाइल्स खोलनने का आदेश

उत्तरी गोलार्ध में दिन होता है तब दक्षिणी गोलार्ध में रात होती है। उधर लोग स्कूल-दफ्तर जाते हैं तो इधर लोग सोने के लिए आंखें बंद करते हैं। दिन और रात के इस फर्क में कुछ घड़ी सब विश्राम करते हैं। 1980 का दशक अमेरिका में एलियन और यूएफओ वाली कॉनंस्परेसी थ्योरी की धूम मची हुई थी। कुछ कमर्शियल पायलट्स ने नवाडा इलाके में उनके ऊपर उड़ रही किसी चमकीनी तस्करी की फोटो खींच ली थी। दावा किया जा रहा था कि हो ना हो यह यूएफओस हैं। यानी कि एलियन के स्पेसक्राफ्ट। सभी का ध्यान नवाडा के रेगिस्तान के बीचों-बीच मौजूद अमेरिका के एक सीक्रेट बेस की ओर जा रहा था। हर किसी को पता था कि रेगिस्तान के अंदर एक ऐसी जगह है जहां आम लोगों का जाना मना है। हथियार बन गाड्‌र्स इसकी सुरक्षा करते हैं। लेकिन इस जगह का नाम बताना तो दूर अमेरिकी सरकार यह तक नहीं मानती थी कि ऐसी भी कोई जगह एकिस्ट करती है। मई 1989 में एक अमेरिकी न्यूज़ चैनल के एस टीवी ने यूएफओ द बेस्ट एविडेंस के नाम से शो शुरू कर दिया। जिसमें रॉबर्ट लेज़र नाम का एक बंदा यह दावा करता है कि वो इस सीक्रेट बेस पर काम कर चुका है। उसने यहां एलियंस की बॉडीज और एलियंस के नौ स्पेसक्राफ्ट देखे हैं। रॉबर्ट यह तक दावा करता है कि सीक्रेट बेस पर अमेरिका रिवर्स इंजीनियरिंग कर रहा है। यानी एलियन की टेक्नोलॉजी से नए हथियार और नए स्पेसक्राफ्ट बनाए जा रहे हैं और सबूत के तौर पर तरह-तरह की फोटो सबमिट करता है जो संदेह पैदा करने के लिए काफी होते हैं। खूब हंगामा होता है। अमेरिकी सरकार से सवाल पूछे जाते हैं। लेकिन अमेरिका सारे दावे खारिज कर देता है। अमेरिकी सरकार यह तक नहीं मानती कि नवाड़ा में ऐसी कोई जगह मौजूद भी है। लोगों का आज भी मानना है कि अमेरिका ने यहां एलियंस छिपा रखे हैं। अब एक बार फिर यह जगह चर्चा में है। कारण अमेरिकी राष्ट्रपति रहे बराक ओबामा का बयान। एक पॉडकास्ट में ओबामा ने एलियंस की मौजूदगी का दावा कर दिया है। ओबामा ने कहा है एलियंस होते हैं लेकिन एरिया 51 में नहीं रखे गए हैं। ओबामा के बयान के बाद एक बार फिर एरिया 51 विवादों में है। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अब अमेरिकी रक्षा विभाग को यह आदेश दिया है कि एरिया 51, एलियन और यूएफओ से जुड़े जितने भी सीक्रेट फाइल्स अमेरिका में मौजूद हैं, उसकी पहचान की जाए। उन्हें पब्लिक किया जाए। ऐसे में आइए जानते हैं कि आखिरकार एरिया 51 है क्या? अमेरिका यहां क्या करता है? क्यों इस इलाके को इतना सीक्रेट बनाकर रखा गया है? क्या सचमुच अमेरिका ने यहां एलियंस और यूएफओ छिपा कर रखे हुए हैं? और अब ओबामा के दावे के बाद डोनाल्ड ट्रंप कौन से सीक्रेट फाइल्स पब्लिक करने वाले हैं? अमेरिका का 7वां सबसे बड़ा स्टेट नवाडा जिसकी पहचान लांस वेगास जैसे शहर है। शानो शौकत की जिंदगी, जहां जुआ भी लीगल है। इस चमक धमक से परे नवाजा स्टेट कुख्यात एरिया 51 के लिए है। जहां अमेरिका एटम बम का टेस्ट करता है। एरिया 51 लास वेगास से महज 134 किलोमीटर दूर है। एरिया 51 कंटीले पेड़ो का बियाबान है। दूर दूर तक फैला रेगिस्तान और अमेरिका का मिलिट्री बेस। नेवाडा का पता स्पेन ने लगाया था। सबसे पहले न्यू स्पेन नाम से कॉलोनी बनाई गई। 1821 में आजादी के बाद नेवाडा मेक्सिको का हिस्सा बना। अमेरिका और मेक्सिको के युद्ध के बाद से यहां पर यूएस का कब्जा है। अमेरिका यहां सुपर पावर डेडली वेपन तैयार करता है। एरिया 51 से मिले सुपरफाइटर का डंका दुनिया में बजता है।

कॉन्सपिरेसी थ्योरी ये भी है कि इस फैसलिटी में क्रैश हुआ एलियन स्पेस क्राफ्ट है। इंजीनियर रिवर्स इंजीनियरिंग के जरिए इसे बनाने में लगे हैं। इस 1950 की रोसवेल दुर्घटना से जोड़ा जाता है। पत्रकार एनी जैकबसन ने अपनी किताब एरिया 51 एन अनसेंसर्ड हिस्ट्री ऑफ अमेरिकाज टॉप सीक्रेट मिलिट्री बेस में इससे जुड़े चीजों के बारे में बताया। जैकबसेन ने अपनी किताब में लिखा कि इस इलाके की गोपनीयता एलियन की वजह से नहीं बल्कि गुप्त परमाणु परीक्षण और हथियारों के विकास में इसकी भागीदारी से थी। किताब में उन्होंने लिखा कि सूत्र ने दावा किया कि न्यू मैक्सिको में एक फ्लाइंड डिस्क क्रैश हुआ था। इस फ्लाइंग डिस्क को राइट पैटरसन वायु सेना बेस ले जाया गया। बाद में उस मलबे को 1951 में यहां लाया गया, जिसकी वजह से इस जगह का नाम एरिया 51 पड़ा।

यूएफओ को अक्सर लोग एलियंस के साथ जोड़ते हैं। लेकिन कोई भी ऐसी उड़ने वाली चीज जिसके ठीक ठीक पहचान न हो सके, उसके लिए भी ये टर्म इस्तेमाल होता है। जब और भी यूएफओ देखे जाने लगे और उसके दावे आएं तो एयरफोर्स ने उसकी जांच शुरू की और उसे प्रोजेक्ट ब्लू बुक का नाम दिया। बाद के सालों में भी यूएफओ देखे जाने की बात सामने आती रहीं। 1969 में अमेरिकी एयरफोर्स ने प्रोजेक्ट ब्लू बुक बंद कर दिया। इस समय तक वो यूएफओ देखे जाने के 12 हजार से ज्यादा दावों की जांच कर चुका था। प्रोजेक्ट ब्लू बुक तो खत्म हुआ लेकिन दक्षिणी नेवाडा में एरिया 51 के आसपास यूएफओ देखे जाने के दावे किए जाते रहे। क्योंकि इस प्रतिबंधित इलाके के आस पास आम लोग नहीं जा सकते। ये 24 घंटे और 365 दिन भारी सुरक्षा में रहती थी। तो इस जगह के बारे में कहानियां चल पड़ी। कहा तो ये भी जाता है यहां रिवर्स इंजिनियरिंग करके एलियंस की टेक्नोलॉजी समझने की कोशिश की जाती है। 80 के दशक में राबर्ट बॉब नाम के एक आदमी ने सामने आते हुए कहा कि वो एरिया 51 में काम करता था। राबर्ट का दावा था कि उनका काम परगृहियों से जुड़ी रिसर्च से जुड़ा था। उसने मीडिया को कुछ तस्वीरें भी दिखाई। उसके मुताबिक ये एरिया 51 में रखे गए एलियन के ऑटोप्सी की फोटो है। बाद में एरिया 51 में उसके काम करने का दावा झूठा निकला। इसके अलावा टाइम ट्रैवल को लेकर भी कई कहानियां हैं। कहा जाता है कि अमेरिका यहां पर समय में आगे और पीछे जाने की रिसर्च कर रहा है। कुछ कहते हैं कि नील आर्म स्ट्रांग चांद पर कभी उतरे ही नहीं। यहीं एरिया 51 में फोटो खींच कर कहा कि उसका अपोलो 11 मिशन चांद पर उतर गया।

अगस्त 2013 में सूचना के अधिकार के तहत एक जानकारी मांगी गई। इसके जवाब में सीआईए को कुछ डॉक्यूमेंट डिक्वासीफाइड करने पड़े। इसी क्रम में फिर उस जगह के बारे में भी बताया गया। जो ला क्यू एयक्राफ्ट के निर्माण और टेस्टिंग से जुड़ी हुई थी। ये एरिया 51 जगह थी। जिसका पहली दफा तब ही सार्वजनिक जिक्र हुआ। अमेरिकी खुफिया विभाग सीआईए के अनुसार एरिया 51 में 1955 से सीक्रेट एयरक्रॉफ्ट की टेस्टिंग होती थी। जब से अमेरिकी सेना ने सीआईए के यू 2 जासूसी प्लेन की टेस्टिंग शुरू की थी तब से ही। दरअसल, कोल्ड वॉर के वक्त सोवियत और अमेरिका दोनों एक दूसरे की खूब जासूसी करते थे। ताकी दोनों को एक दूसरे के अगले कदम की जानकारी हो जाए। अमेरिकी एयरफोर्स और नेवी के दोनों टोही विमानों में बड़ा नुकसान हो रहा था। अमेरिका ने फिर यू टू विमान को लेकर आए।

अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति बराक ओबामा 14 फरवरी 2026 को रिलीज हुए 'नो लाइ विद ब्रायन टायलर कोहेन' पॉडकास्ट में पहुंचे थे। इस दौरान जब एक रैपिड-फायर सेगमेंट में उनसे पूछा गया कि क्या एलियंस असली हैं तो उन्होंने कहा था कि 'वे असली हैं लेकिन मैंने उन्हें नहीं देखा है और उन्हें एरिया 51 में नहीं रखा गया है।

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने एलियंस से संबंधित गोपनीय दस्तावेजों को सार्वजनिक करने के आदेश दिए हैं। उन्होंने 19 फरवरी को कहा है कि वह पेंटागन और दूसरी एजेंसियों को ळइध, ळींङ्ग और एलियन जीवन पर सरकारी फाइलों को डीक्लासिफाई करने और जारी करने का निर्देश दे रहे हैं। अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने अपने ट्रुथ सोशल पर लिखा कि 'दिखाई गई ज़बरदस्त दिलचस्पी के आधार पर मैं सेक्रेटरी ऑफ वॉर और दूसरे संबंधित डिपार्टमेंट और एजेंसियों को एलियन और एक्स्ट्राटेरेस्ट्रियल जीवन से जुड़ी फाइलों को सार्वजनिक करने का निर्देश दूंगा। उन्होंने इस पोस्ट में लिखा कि अनआइडेंटिफाइड एरियल फेनोमेना (यूएपी) और अनआइडेंटिफाइड फ्लाइंग ऑब्जेक्ट (यूएफओ) और इन बहुत मुश्किल लेकिन बहुत दिलचस्प और ज़रूरी मामलों से जुड़ी कोई भी और सभी दूसरी जानकारी से जुड़ी सरकारी फाइलों की पहचान करने और उन्हें रिलीज करने का प्रोसेस शुरू करने का निर्देश दूंगा। गॉड ब्लेस अमेरिका!

दुहियाभान में चकबंदी चौपाल आज

मंत्र भारत संवाददाता

भदोही।चकबंदी आयुक्त उत्तर प्रदेश के निर्देश पर चकबंदी प्रक्रिया के अंतर्गत ग्रामों में 'ग्राम चौपाल' का आयोजन किया जा रहा है। इसी क्रम में आज 27 फरवरी को तहसील भदोही के ग्राम दुहियाभान में ग्राम चौपाल आयोजित होगी। जिलाधिकारी ने कहा कि चकबंदी कार्य की गुणवत्ता बनाए रखने के लिए कृषकों का फीडबैक लेना आवश्यक है। ग्राम चौपाल के माध्यम से खातेदारों की समस्याओं का मौके पर ही निराकरण किया जाएगा, साथ ही लंबित विवादों के समाधान का प्रयास भी किया जाएगा। इससे किसानों को अनावश्यक मुकदमेबाजी से राहत मिलेगी और चकबंदी योजना के प्रति उनका विश्वास मजबूत होगा। उन्होंने उप संचालक चकबंदी, बंदोबस्त अधिकारी चकबंदी तथा संबंधित चकबंदी अधिकारियों को निर्देशित किया है कि ग्रामों में समुचित प्रचार-प्रसार के बाद तिथि व स्थान निर्धारित कर समय-सारणी तैयार करें और अपनी उपस्थिति में ग्राम चौपाल आयोजित करना सुनिश्चित करें।

साप्ताहिक प्राथमिकता आधारित कार्यों एवं 56 निर्माणाधीन परियोजनाओं की प्रगति पर बैठक कर डीएम ने की समीक्षा

मंत्र भारत संवाददाता

भदोही। साप्ताहिक प्राथमिकता आधारित कार्यों एवं 56 निर्माणाधीन परियोजनाओं की प्रगति का जिलाधिकारी शैलेष कुमार की अध्यक्षता में बैठक संपन्न हुआ। बैठक में विशेष गहन पुनरीक्षण, पंचायत निर्वाचन नामावलियों का पुनरीक्षण, ई-आफिस रिपोर्ट, फार्मर रजिस्ट्री, पुराने राजस्व वादों का अभियान चलाकर निस्तारण, जिला मुख्यालय की भूमि पर से कब्जा हटवाना, एनएच -731 बी मुआवजा भुगतान, हेली पैड, नईईपुर रोड मुआवजा भुगतान, आईजीआरएस/जनशिकायत निस्तारण मे गुणवत्ता व बेहतर रैंकिंग, सी0एम0 डैशबोर्ड (राजस्व / विकास) में बेहतर रैंक प्राप्त करना, गुणवत्ता पूर्ण धान खरीद, शत प्रतिशत आयुष्मान गोल्डेन कार्ड-सामान्य / वरिष्ठ नागरिक, एन क्यू ए एस सर्टिफिकेशन समस्त उप स्वास्थ्य केन्द्रो पर

टीबी मुक्त जनपद, महाराजा चेतसिंह जिला अस्पताल ज्ञानपुर मे ई-सुश्रुत का प्रभावी क्रियान्वयन, एमबीएस मे एमसीएच विंग को संचालित कराया जाना, फैमिली आईडी0, जीरो पावर्टी अभियान, एनआरएलएम स्वयं सहायता समूहों मे अधिकाधिक अच्छादन, 2025-26 की वी0डी0पी0 'पी0एम0 अजय' / आदर्श ग्राम घोषित करवाना, मोरवा नदी का पुनरोद्धार, पंचायत सहायकों का चयन, अन्नपूर्णा योजना, अन्त्येष्टी स्थल, ग्रामो मे आर0आर0सी0 निर्माण, मॉडल ग्राम के विभिन्न स्तरों, स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) व्यक्तिगत शौचालय, सहकारी समितियों पर उर्वरक की उपलब्धता, कस्तुरबा गॉधी विद्यालयों में शिक्षको का चयन, पी0एम0 सूर्य घर, निराश्रित गोवंश की व्यवस्था के प्रगति पर गहन समीक्षा करते हुए आवश्यक दिशा निर्देश दिया गया। जिलाधिकारी ने सभी एसडीएम तहसीलदार, नायब तहसीलदार को सख्त निर्देशित किया कि 5 साल से अधिक पुराने वादों को 31 मार्च तक नियमित रूप से सुनवाई करते हुए निस्तारित करें। आयुष्मान गोल्डन कार्ड धारकों की संख्या बढ़ाने के क्रम में सरकारी राशन की कोटे की दुकानों पर मेगा कैंप लगाकर प्रगति बढ़ाएं। सभी गो आश्रय स्थलों में गोवंशों की संख्या की गणना सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। पशुपालन विभाग के एनिमल ब्रीडिंग केंद्र, स्वच्छ भारत मिशन ग्रामीण के अंतर्गत फीकल स्लज मैनेजमेंट इकाई की स्थापना हेतु, कृषि भवन व हेलीपैड के लिए भूमि चिन्हांकन पर बल दिया गया। स्वयं सहायता समूह के अंतर्गत महिलाओं की संख्या बढ़ाने हेतु सभी राशन की कोटे की दुकानों पर जागरूकता फ्लेक्स पोस्टर लगाकर जागरूकता पर बल दिया गया। निर्माणाधीन 45 स्वच्छता मार्ट, 102 डिजिटल लाइब्रेरी की प्रगति पर जोर दिया गया।

56 निर्माणाधीन परियोजनाओं की प्रगति का जिलाधिकारी ने समीक्षा करते हुए स्पष्ट निर्देशित किया कि सभी परियोजनाएं मानक गुणवत्ता युक्त व ससमय पूर्ण हो।

बैठक में सीडीओ बाल गोविंद शुक्ल, एडीएम कुंवर वीरेंद्र मौर्य, विजय नारायण सिंह, सीएमओ डॉ संतोष चक, समस्त उप जिलाधिकारी, तहसीलदार, जनपदीय अधिकारी उपस्थित रहे।

23 हजार रुपये लौटाकर पेश की ईमानदारी की मिसाल

पुलिस की तत्परता से आवेदक को मिली राहत

भदोही। जनपद में ईमानदारी और पुलिस की सक्रियता का एक सराहनीय उदाहरण सामने आया है। भदोही पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए आवेदक की गिरी हुई 23, 000 रुपये की नगद राशि सुरक्षित वापस दिला दी। जानकारी के अनुसार दशरथ पाल बिजली बिल जमा करने के लिए 25, 000 रुपये लेकर पावर हाउस पहुंचे थे। भुगतान की प्रक्रिया के दौरान उन्हें आशंका हुई कि 23, 000 रुपये कैश काउंटर पर ही छूट गए हैं। काफी तलाश के बाद भी रकम नहीं मिलने पर वे परेशान हो गए और इसकी सूचना पुलिस को दी। सूचना मिलते ही चौकी प्रभारी खमरियां मो. ऐश खां मौके पर पहुंचे और आसपास जांच-पड़ताल शुरू की। इसी दौरान इम्तियाज मास्टर पुत्र मसूद अली निवासी खमरियां मिले, जिन्होंने बताया कि पावर हाउस से लगभग 150 मीटर दूरी पर उन्हें 23, 000 रुपये नगद गिरे हुए मिले थे। पुलिस द्वारा सत्यापन के बाद पूरी धनराशि आवेदक को सुपुर्द कर दी गई। रकम वापस मिलने पर दशरथ पाल ने इम्तियाज मास्टर और पुलिस प्रशासन का आभार व्यक्त किया। स्थानीय लोगों ने भी इस पहल की सराहना की।

डीएम की अध्यक्षता में बैठक, 50 से अधिक निजी नियोजकों की सहभागिता का लक्ष्य

मंत्र भारत संवाददाता

भदोही। 'उत्तर प्रदेश रोजगार मिशन' के अंतर्गत जिला कार्यकारी समिति की द्वितीय बैठक जिलाधिकारी शैलेष कुमार की अध्यक्षता में संपन्न हुई। बैठक में निर्णय लिया गया कि मार्च के दूसरे सप्ताह में काशी नरेश राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, ज्ञानपुर परिसर में दो दिवसीय वृहद रोजगार मेले का आयोजन किया जाएगा।

जिलाधिकारी ने निर्देश दिया कि मेले में 50 से अधिक निजी नियोजकों को आमंत्रित किया जाए, ताकि जनपद के अधिक से अधिक अभ्यर्थियों को रोजगार के अवसर उपलब्ध हो सकें। उन्होंने कहा कि मेले का उद्देश्य स्थानीय युवाओं को उनके कौशल के अनुरूप निजी क्षेत्र में रोजगार उपलब्ध कराना है। इसके लिए सभी संबंधित विभाग समन्वय स्थापित कर अभी से तैयारियां शुरू करें।

बैठक में क्रियान्वयन की रूपरेखा पर विस्तृत समीक्षा की गई और संबंधित अधिकारियों को प्रचार-प्रसार, पंजीकरण व व्यवस्थाओं को समयबद्ध ढंग से पूरा करने के निर्देश दिए गए। जिला सेवायोजन अधिकारी अजीत कुमार ने बताया कि सेवायोजन विभाग के पोर्टल पर शीघ्र ही मेले से संबंधित विस्तृत जानकारी उपलब्ध कराई जाएगी। अधिक जानकारी के लिए सेवायोजन कार्यालय या कॉल सेंटर नंबर 155330 पर संपर्क किया जा सकता है।

बैठक में मुख्य विकास अधिकारी बाल गोविंद शुक्ल, मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ. संतोष कुमार चक सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

स्वच्छ वार्ड प्रतियोगिता अभियान की पाठशाला का आयोजन

मंत्र भारत संवाददाता

भदोही। स्वच्छ वार्ड प्रतियोगिता अभियान के तहत नगर पालिका परिषद गोपीगंज सीमान्तरगत स्वच्छ सारथी क्लब के सदस्य स्कूल एक्सीलेंट पब्लिक स्कूल में नगर पालिका के स्वच्छता टीम के द्वारा छात्र छात्राओं को स्वच्छता का पाठ पढ़ाया गया जिसमें नगर से निकलने वाले कूड़े के उचित प्रबंधन के विषय में एवं सूखे कूड़े गीले कूड़े को अलग अलग डस्टबिन में दिए जाने एवं उनके पुनः उपयोग में लिए जाने की जानकारी के संबंध में जागरूक किया गया।

अभियान में प्रमुख रूप से स्वच्छ भारत मिशन प्रभारी आशीष कुमार यादव, कंप्यूटर ऑपरेटर विवेक मोदनवाल प्रशान गुप्ता मौजूद रहे।

विकासखंड के निरीक्षण में सीडीओ ने अभिलेख साफ-सफाई और निर्माण कार्यों की परखी स्थिति

मंत्र भारत संवाददाता

भदोही। पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के तहत शुक्रवार को मुख्य विकास अधिकारी बालगोविंद शुक्ला ने भदोही विकासखंड कार्यालय का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान खंड विकास अधिकारी अपने अधीनस्थ कर्मचारियों के साथ कार्यालय में उपस्थित मिले। मुख्य विकास अधिकारी ने कार्यालय परिसर की साफ-सफाई, अभिलेखों के सुव्यवस्थित रख-रखाव तथा ई-ऑफिस प्रणाली के संचालन की गहन समीक्षा की। उन्होंने फाइलों के अद्यतन रखरखाव और डिजिटल कार्यप्रणाली को प्रभावी ढंग से लागू करने पर जोर दिया।

निरीक्षण के क्रम में परिसर स्थित पार्क में चल रहे निर्माण कार्यों का भी स्थलीय जायजा लिया गया। कार्य की गुणवत्ता, प्रगति और निर्धारित मानकों के अनुपालन की बारीकी से जांच की गई। मुख्य विकास अधिकारी ने खंड विकास अधिकारी को निर्देशित किया कि विकास कार्यक्रमों के अंतर्गत संचालित सभी योजनाओं को तय समयसीमा में पूर्ण कराया जाए। उन्होंने स्पष्ट किया कि निर्माण कार्य गुणवत्ता से समझौता किए बिना मानक के अनुरूप ही कराए जाएं। साथ ही शासन की प्राथमिकताओं के अनुरूप योजनाओं में तेजी लाने, पारदर्शिता बनाए रखने और जनहित से जुड़े मामलों को प्राथमिकता देने के निर्देश दिए गए। उन्होंने चेतावनी दी कि किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी तथा कार्यों की नियमित मॉनिटरिंग जारी रहेगी।

28 फरवरी को हाफ मैराथन, रनिंग स्पॉट का निरीक्षण करने पहुंचीं साध्वी माँ राजलक्ष्मी मंदा

भदोही। जनपद क्षेत्र में खेल एवं स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से 28 फरवरी को हाफ मैराथन का आयोजन किया जाएगा। आयोजन की तैयारियों का जायजा लेने के लिए साध्वी माँ राजलक्ष्मी मंदा रनिंग स्पॉट स्थल पर पहुंचीं और व्यवस्थाओं का निरीक्षण किया। आयोजक मनीष पांडेय ने बताया कि यह 12वीं बार हाफ मैराथन का आयोजन कराया जा रहा है। कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए तैयारियां शुरू कर दी गई हैं। जंगीगंज धन तुलसी मोड़ से हाफ मैराथन का शुभारंभ होगा। प्रतिभागियों की सुविधा और सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए मार्ग पर जगह-जगह चिन्हांकन किया जा रहा है तथा आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित की जा रही हैं। उन्होंने बताया कि 28 फरवरी को सुबह 7 बजे हाफ मैराथन का शुभारंभ होगा। आयोजन में बड़ी संख्या में युवाओं और खिलाड़ियों के भाग लेने की उम्मीद है। स्थानीय स्तर पर यह कार्यक्रम स्वास्थ्य, अनुशासन और खेल भावना को बढ़ावा देने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल माना जा रहा है।

मतेथू में अनूठी पहल : सामूहिक उपनयन कार्यक्रम में 20 बच्चों का हुआ व्रतबंध

सामाजिक सेवाभाव, सदाचार और ब्रह्मचर्य पालन का दिया संदेश

मंत्र भारत संवाददाता

भदोही। अभोली ब्लॉक के मतेथू गांव में स्थित प्राचीन शिव मंदिर परिसर में बृहस्पतिवार को ग्रामीणों की पहल पर सामूहिक उपनयन (व्रतबंध) संस्कार का भव्य आयोजन किया गया। वैदिक मंत्रोच्चार और विधि-विधान के साथ आयोजित इस कार्यक्रम में गांव के लगभग 20 बच्चों का जनेऊ संस्कार संपन्न कराया गया, जिससे पूरा माहौल धार्मिक और भक्तिमय बना रहा।

कार्यक्रम का शुभारंभ माँ सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण तथा दीप प्रज्वलन के साथ हुआ। इसके बाद विद्वान पुरोहितों ने यज्ञ पूजन कर बच्चों का व्रतबंध संस्कार कराया। संस्कार में शिवम पाण्डेय (22), आदर्श दुबे (20), प्रतीक (8), रतन दुबे (12), शोभित उपाध्याय (7), प्रबल दुबे (12), अनुज पाण्डेय (18) सहित दो दर्जन के करीब बालकों ने भाग लिया। सुबह 10 बजे से प्रारंभ हुआ यह कार्यक्रम शाम लगभग पाँच बजे संपन्न हुआ।

मुख्य आचार्य पंडित चंद्रशेखर उर्फ सूबेदार मिश्रा 'शास्त्री' ने बताया कि उपनयन संस्कार को यज्ञसूत्र, मोनीबंध या व्रतबंध भी कहा जाता है। यह संस्कार बालक के जीवन में शिक्षा, अनुशासन और आध्यात्मिकता के प्रवेश का प्रतीक माना जाता है। उन्होंने बताया कि

प्राचीन काल में इसी संस्कार के बाद बालक को गुरु के पास विद्या अध्ययन के लिए भेजा जाता था और ब्रह्मचर्य पालन करते हुए शिक्षा ग्रहण करनी होती थी।

उन्होंने यह भी कहा कि संस्कार के अंतर्गत विशिष्ट धार्मिक विधियों के बाद बालक को यज्ञोपवीत (जनेऊ) धारण कराया जाता है। परंपरा के अनुसार ब्राह्मण बालक का यह संस्कार 9वें वर्ष, क्षत्रिय का 11वें वर्ष और वैश्य का 12वें वर्ष में करने का विधान बताया गया है।

शास्त्री जी ने संस्कार के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि जनेऊ धारण करने के बाद बालक को सत्य के मार्ग पर चलना, चोरी न करना, ब्रह्मचर्य का पालन करना, सूर्योदय और सूर्यास्त के समय भोजन व निद्रा से बचना तथा नियमित रूप से गायत्री मंत्र का जाप करना चाहिए। शौच आदि के समय जनेऊ को दाहिने कान पर धारण करने की परंपरा भी बताई गई।

ग्रामीणों ने बताया कि सामूहिक उपनयन कार्यक्रम से आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों को राहत मिलती है और सामाजिक एकता को भी बढ़ावा मिलता है। पूरे आयोजन में सामाजिक सहयोग और सेवा भावना स्पष्ट रूप से देखने को मिली।

इस अवसर पर प्रेमशंकर पाठक, रामश्रृंगार पाठक, कृष्ण कुमार उर्फ बनारसी पाठक, नागेन्द्र बहादुर सिंह, लालजी पाण्डेय, संजय पाठक, अमित तिवारी, पंडित पवन दुबे, विनोद दुबे, मनोज कुमार पाण्डेय, बाबा दुबे, संतोष कुमार पाण्डेय, अशोक कुमार तिवारी, बच्चा शर्मा सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण मौजूद रहे।

साइबर हेल्प डेस्क की तत्परता से 2.61 लाख रुपये की धनराशि वापस

ऑनलाइन शिकायत पर त्वरित कार्रवाई, पीड़ित ने जताया आभार

भदोही। जनपद में साइबर अपराध की रोकथाम को लेकर भदोही पुलिस की सक्रियता एक बार फिर सामने आई है। पुलिस अधीक्षक अभिमन्यु मांगलिक के निर्देशन में साइबर हेल्प डेस्क थाना भदोही ने त्वरित कार्रवाई करते हुए पीड़ित के खाते में स्थानांतरित 2, 61, 048 रुपये की धनराशि वापस करा दी।

जानकारी के अनुसार ग्राम पंचायत सोनहर निवासी अरुण कुमार चतुर्वेदी के खाते से ग्राम निधि की सरकारी धनराशि गलतीवश अन्य खाते में ट्रांसफर हो गई थी। इस संबंध में पीड़ित द्वारा ऑनलाइन साइबर शिकायत दर्ज कराई गई। शिकायत मिलते ही साइबर हेल्प डेस्क ने एनसीआरपी पोर्टल पर प्रकरण का परीक्षण कर संबंधित पक्ष से संपर्क स्थापित किया। आपसी समन्वय और आवश्यक कार्रवाई के बाद पूरी धनराशि सुरक्षित रूप से आवेदक के खाते में वापस करा दी गई।

राशि वापस मिलने पर पीड़ित ने पुलिस प्रशासन के प्रति आभार व्यक्त किया। इस कार्रवाई में निरीक्षक (अपराध) बुद्धिसागर यादव एवं महिला कांस्टेबल आश्रुति सिंह की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

आईसीडीएस विभाग के पोषण मिशन के प्रगति की जिलाधिकारी ने बैठक कर की समीक्षा, पोषण पुनर्वास केंद्र पर सैम बच्चो की भर्ती हो सुनिश्चित- जिलाधिकारी

मंत्र भारत संवाददाता

भदोही। आईसीडीएस विभाग के अंतर्गत पोषण मिशन की प्रगति समीक्षा बैठक जिलाधिकारी शैलेष कुमार की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में सम्पन्न हुई।

बैठक के दौरान विभिन्न इंडिकेटर पर समीक्षा हुई। जिसमे प्रभारी जिला कार्यक्रम अधिकारी मंजू वर्मा द्वारा बताए गया कि एफ आर एस (चेहरा प्रमाणीकरण) 98.06 प्रतिशत पूर्ण करा लिया गया है ।जिलाधिकारी द्वारा निर्देशित किया गया कि कार्य शत-प्रतिशत पूर्ण करा लिया जाए। पोषण पुनर्वास केंद्र पर सैम बच्चो की भर्ती कराए जाने के सम्बन्ध में जिलाधिकारी द्वारा निर्देशित किया गया कि आरबीएसके टीम के माध्यम से सैम बच्चो को भर्ती करवाना सुनिश्चित करें। निर्माण संबंधी आंगनबाड़ी केन्द्रो को जल्द पूर्ण कराए जाने के निर्देश दिए गए। डीएम ने सीडीओ व बीडीओ को निर्देशित किया कि आईसीडीएस द्वारा चेहरा प्रमाणीकरण के माध्यम से लाभार्थियों को पुष्टाहार वितरण प्रक्रिया का औचक निरीक्षण कर रिपोर्ट प्रस्तुत करें।

मुख्य विकास अधिकारी बाल गोविंद शुक्ल ने सभी ब्लॉकों के सीडीओ को निर्देशित किया कि ब्लॉकवार कैंप लगाते हुए सैम, मैम बच्चो को मेडिसिन देना सुनिश्चित करें। पोषण पुनर्वास केन्द्र में सैम बच्चो को भर्ती कराये जाने हेतु निर्देश दिये। प्रत्येक माह राशन वितरण की फीडिंग, गृह भ्रमण, दक्षता मापन, पोषण ट्रैकर पर करना सभी सीडीपीओ सुनिश्चित करें। उन्होंने समुदाय आधारित गतिविधियों के जॉच करने हेतु जिला स्तरीय अधिकारियों को निर्देशित किया। पोषाहार का वितरण, शत-प्रतिशत हर हाल में ससमय वितरण हो जाना चाहिए। पोषण के दृष्टिगत सहजन का वृक्ष लगाया जाना सुनिश्चित करें। जिला कार्यक्रम अधिकारी ने बताया कि समुदाय आधारित गतिविधियां एव वी0एच0एस0एन0डी0 की फीडिंग पोषण ट्रैकर एप पर करायी जा रही है। समस्त आर0बी0एस0के0 टीम को चिन्हित सैम बच्चों का परीक्षण कर पोषण पुनर्वास केन्द्र में भर्ती कराये जाने हेतु अवगत कराया गया।

उन्होंने बताया कि राज्य पोषण मिशन के अन्तर्गत जनपद स्तर पर नामित नोडल अधिकारी एवं कन्वर्जेन्स समिति के सदस्य आदर्श आगनबाड़ी केन्द्र बनाये जाने हेतु गोद लेने वाले समस्त जिला/ब्लाक स्तरीय अधिकारी एवं जिला पोषण समिति एवं निवारण समिति के सदस्यों के साथ पोषण सम्बन्धित विभिन्न आयामों पर समीक्षा की गयी। उन्होंने बताया कि सही पोषण-देश रोशन भाव के अन्तर्गत बच्चों के पोषण की स्थिति कुपोषित/अतिकुपोषित बच्चों, एन0आर0सी0, वी0एच0एन0डी0, पोषण ट्रैकर, होम विजिट, ब्लाक कन्वर्जेन्स समिति की बैठक, 11 से 14 वर्ष की स्कूल न जाने वाली किशोरी बालिकाओं एवं एनीमिक किशोरियों की सूचना, आयरन गोली की उपलब्धता, कुपोषित बच्चों के परिवारों को शौचालय/राशन कार्ड/जाब कार्ड से लाभान्वित कराये जाने की स्थिति, पोषण वाटिका, आदर्श आगनबाड़ी केन्द्र बनाये जाने हेतु अधिकारियों को आवंटित केन्द्रों का विवरण, ऑगनबाड़ी केन्द्र भवन की स्थिति आदि बिन्दुओं पर समग्र आयामों से समीक्षा करते हुए और अधिक प्रभावी व क्रियाशील बनाने का निर्देश दिया गया। जिलाधिकारी ने सभी बीईओ, सीडीपीओ, एमओआईसी को सख्त निर्देश दिया कि हर हफ्ते में मीटिंग करेंगे और बिंदुवार चर्चा रिपोर्ट व्हाटएप ग्रुप में भेजेंगे।

मुख्य विकास अधिकारी ने सैम-मैम बच्चों के चिन्हांकन हेतु नए तरीकों व आयामों पर बल दिया। उन्होंने आंगनवाड़ी केंद्र पर मौजूद डायरी में दिनभर की समस्त क्रियाकलापों का विवरण उल्लिखित करने का निर्देश दिया। गर्भवती व धात्री महिलाओं को मूंगफली, सोयाबीन का पाउडर व गुड़ का पैकेट तथा दवाओं का किट वितरण करने का निर्देश दिया गया। मुख्य विकास अधिकारी ने कहा कि जब जच्चे-बच्चे को सही पोषण मिलेगा तभी देश रोशन होगा। राज्य पोषण मिशन के कार्यों को शत-प्रतिशत धरातल पर साकार करने की आवश्यकता है तभी शिशुओं और माताओं को उचित पोषण मिल पायेगा। स्वस्थ्य शरीर में ही आगे के विकास का सारा तत्व निहित है। उन्होंने जिला कार्यक्रम अधिकारी को निर्देशित किया कि पोषण के सभी योजनाओं में तकनीकी

व प्रभावी रूप से और अधिक जमीनी स्तर पर कार्य कर लक्ष्य पूर्ति पर बल दिया। उन्होंने पोषाहार सत्यापन की आख्या रिपोर्ट में प्राप्ति सहित प्रस्तुत करने का निर्देश दिया तथा साथ ही साथ जांच फोटो ग्रुप में शेयर करने का निर्देश दिया।

प्रधानमंत्री मातृ वंदन योजना-यह योजना स्वास्थ्य विभाग से बाल विकास विभाग को स्थानांतरित हुई है। प्रधानमंत्री मातृत्व वंदना योजना के अंतर्गत पहली संतान पर 5 हजार व दूसरी लड़की पर 6 हजार का आर्थिक सहायता प्रदान किया जाता है। पात्रता की शर्ते निम्नवत है महिला की आयु 18 वर्ष 07 माह से 55 वर्ष के मध्य होनी चाहिये। योजना का लाभ पात्र महिला को पहले 02 जीवित बच्चों तक प्रदान किया जायेगा। अनुसूचित जाति तथा अनूसूचित जनजाति की महिलायें। दिव्यागजन महिलाएं जो आंशिक रूपसे (40 प्रतिशत से अधिक) या पूर्ण रूप से अक्षम हो, बी0पी0एल0 राशन कार्ड धारक महिलायें। प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना (पी0एम0जे0ए0वाई0) के अन्तर्गत आयुष्मान भारत योजना' से आच्छादित महिलाएं। ई-श्रम कार्ड धारक महिलाएं। किसान सम्मान निधि योजना के अन्तर्गत लाभार्थी महिला किसान। ऐसी महिलाएं जिनके पास मनरेगा जॉब कार्ड हो। ऐसी महिलाएं जिनकी पारिवारिक वार्षिक आय लाख रुपये से कम है। गर्भवती या धात्री आगनबाड़ी कार्यकत्री/सहायिका एवं आशा । केन्द्र सरकार द्वारा निर्धारित की गयी कोई अन्य श्रेणी। बैठक में मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ0 संतोष कुमार चक, जिला कार्यक्रम अधिकारी मंजू वर्मा, डीडीओ/ डीपीआरओ ज्ञान प्रकाश, समस्त खण्ड विकास अधिकारी, समस्त एमओआईसी, समस्त सी0डी0पी0ओ0 एवं सम्बन्धित अधिकारीगण उपस्थित रहें।

नगर निगम में खुलासा : 23 अफसरों पर गिरी गाज, फर्जी निस्तारण का घोटाला उजागर

लखनऊ **(एजेंसी)**। प्रदेश की राजधानी लखनऊ में नगर निगम से जुड़ा एक बड़ा प्रशासनिक खुलासा सामने आया है। लखनऊ नगर निगम के 23 अधिकारियों पर 300 से अधिक शिकायतों के फर्जी निस्तारण का आरोप लगा है। मामले के सामने आने के बाद निगम में हड़कंप मच गया है।

जांच में पता चला है कि कई मामलों में बिना काम किए ही सड़क मरम्मत पूरी दिखा दी गई। सीवर लीकेज की शिकायतें भी कागजों में निपटा दी गईं, जबकि जमीनी स्तर पर समस्याएं जस की तस बनी रहीं।

हाउस टैक्स और प्रॉपर्टी म्यूटेशन से जुड़े मामलों में भी भारी अनियमितताएं उजागर हुई हैं। शिकायतों का समाधान दिखाकर फाइलें बंद कर दी गईं, जबकि संबंधित नागरिकों को राहत नहीं मिली।

मुख्य सचिव के निर्देश के बाद जांच में तेजी आई। नगर आयुक्त गौरव कुमार ने सभी 23 अधिकारियों को नोटिस जारी कर दो दिनों के भीतर स्पष्टीकरण मांगा है। जोनल अधिकारियों से लेकर चीफ इंजीनियर और एक्सईएन स्तर के अधिकारी भी जांच के घेरे में हैं।

विशाख जी के पत्र के बाद मामले में कार्रवाई की रफ्तार और तेज हो गई। फर्जी निस्तारण की विस्तृत रिपोर्ट तैयार की जा रही है और दोषी अधिकारियों की सूची अंतिम चरण में बताई जा रही है। नगर निगम शासन को विस्तृत रिपोर्ट भेजने की तैयारी में है। शहर में प्रशासनिक सख्ती के बीच बड़े फेरबदल के संकेत भी मिल रहे हैं।

बसपा विधायक के समर्थन में उतरे अखिलेश, कहा- 'भाजपा का कोई होता है तो उसके यहां छापा नहीं पड़ता'

लखनऊ **(एजेंसी)**। बहुजन समाज पार्टी (बसपा) के एकमात्र विधायक उमा शंकर सिंह के लखनऊ और बलिया स्थित आवासों पर बुधवार को आयकर विभाग ने छापेमारी की कार्रवाई की। इसके बाद प्रदेश में राजनीतिक सरगर्मियां बढ़ गई है। इस घटना को लेकर मायावती ने सरकार पर हमला बोला। उन्होंने इस घटना को राजनीति से प्रेरित बताया। इसके बाद अखिलेश यादव ने इस कार्रवाई को गलत करार दिया है। समाजवादी पार्टी के प्रमुख अखिलेश यादव से उन्नाव में जब संवाददाताओं ने बसपा विधायक उमाशंकर सिंह के घर पड़े आयकर छापे के बारे में पूछा तो उन्होंने कहा, ''उनके यहां (उमाशंकर) छापा इसलिये पड़ा है क्योंकि कुछ लोग (ःसंभवत उनका इशारा मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की ओर था)ः जापान गये हैं। अगर वे जापान न गये होते तो शायद यह छापा न पड़ा होता । पुलिस को पता लग जाता और पुलिस लीक कर देती ।

यादव ने मजाकिया अंदाज में कहा, '' सरकार के लोग जापान चले गये, इसलिये छापा पड़ गया ।'' उन्होंने कहा, ''सवाल यह नहीं है कि बसपा के इकलौते विधायक उमाशंकर के यहां छापा पड़ा है । भाजपा का कोई होता है तो उसके यहां छापा नहीं पड़ता । भाजपा को खुश कर दो, कभी छापा नहीं पड़ेगा ।'' उन्होंने कहा कि भाजपा किसी की सगी नहीं है।

उन्होंने एक्स पर लम्बा चौडा पोस्टकर कहा कि भाजपा के छापे लोगों के कमाये गये पैसों को लूटने का काम करते हैं। भाजपाई जहां भी देखते हैं कि कहीं धन-दौलत जमा होने की संभावना हो सकती है, वहाँ अपनी एजेंसियां लेकर पहुंच जाते हैं। भाजपाई हृदयहीन हैं,

इसीलिए संवेदनहीन भी हैं। भाजपाई यह भी नहीं देखते हैं कि कोई व्यक्ति किसी अति गंभीर बीमारी से जूझ रहा है या किसी और परेशानी या दिक़्क़त का सामना कर रहा है। इसके विपरीत धन के लालची भाजपाई ऐसी 'आपदा' से जूझ रहे व्यक्ति के विपरीत हालातों में 'अवसर' तलाश लेते हैं और जब व्यक्ति अपने सबसे मुश्किल दौर में होता है, तब ही उसे टारगेट करते हैं, जिससे वो कोई विरोध-प्रतिरोध न कर पाये और ये उसका धन-मान सब लूट सकें।

भाजपाइयों के लिए बहन-बेटी का मान भी कुछ नहीं है। भाजपाई पीड़ित को उत्पीड़ित करने का कुकृत्य करते हैं। सच तो ये है कि 2047 की बात करनेवाले जानते हैं कि उनका 2027 भी पार नहीं होगा। लखनऊ हो या दिल्ली कोई भी सत्ताइस के पार नहीं जाएगा, इसीलिए ये पैसे बटोरने में लग गये हैं। अब तो भाजपाई भी हमारी बात दोहरा रहे हैं कि 'भाजपा किसी की भी सगी नहीं है!' अब तो भाजपा के परंपरागत वोटर भी भाजपा से छिटक गये हैं।

पूज्य शंकराचार्य जी के अपमान और उनके विरुद्ध घिनौनी साज़िश करने के कारण धर्मरत समाज भाजपा के खिलाफ़ खड़ा हो गया है, कारोबारी समाज जीएसटी, भ्रष्टाचार और बेतहाशा उगाही के कारण भाजपा से विमुख हो गया है और आज तो सत्ता सजातीय समाज भी इस घृणित छापे के बाद पूरी तरह भाजपा को नकार रहा है।

किसी के गंभीर हालातों में डाला गया ये छापा किसी भी दृष्टि से जायज़ नहीं ठहराया जा सकता है। इसके पीछे दिल्ली के षड्यंत्र का एक न एक दिन पर्दाफाश होकर रहेगा। भाजपावाले लोगों को दुख देने के लिए कभी झूठे मुक़दमे लगवाते हैं, कभी संकट के समय जानबूझकर छापे पड़वाते हैं। कल ये दर्द विपक्ष के लोगों ने झेला था, आज भाजपा के अंदर ही लोग इसका शिकार हो रहे हैं। आज भाजपा के लोगों को पता चल रहा है कि जिनकी प्रवृत्ति डसने-काटने की होती है, ऐसे 'दंश-डंक' वालों को पालने-पोसने का हश्र होता क्या होता है, उसके दुष्परिणाम क्या होते हैं।

भूल गए गेस्ट हाउस की वो काली रात? मायावती का सपा पर बड़ा हमला

'बहुजन समाज के असली दुश्मन हैं समाजवादी'

लखनऊ **(एजेंसी)**। प्रदेश की राजनीति में एक बार फिर गेस्ट हाउस कांड की गूंज सुनाई दे रही है। बहुजन समाज पार्टी (बसपा) की सुप्रीमो मायावती ने समाजवादी पार्टी (सपा) पर तीखा हमला बोलते हुए उनके चाल, चरित्र और चेहरे को दलित और पिछड़ा वर्ग विरोधी बताया है। मायावती ने साफ शब्दों में कहा कि सपा ने हमेशा बहुजन समाज के महापुरुषों का अपमान किया है और दलितों को सिर्फ वोट बैंक समझा है।

मायावती ने 2 जून 1995 की उस खौफनाक घटना का जिक्र करते हुए कहा कि सपा का दलित विरोधी इतिहास पुराना है। मायावती ने कहा कि 1993 में जब सपा-बसपा का गठबंधन हुआ, तब शर्त थी कि दलितों पर अत्याचार रुकेगा, लेकिन मुलायम सिंह यादव ने अपना रवैया नहीं बदला। 1 जून 1995 को जब बसपा ने समर्थन वापस लिया, तो अगले ही दिन 2 जून को लखनऊ के स्टेट गेस्ट हाउस में उन पर जानलेवा हमला कराया गया। मायावती ने इसे 'काली क्रूरता' करार दिया जो इतिहास के पन्नों में दर्ज है।

बसपा प्रमुख ने अखिलेश यादव की घेराबंदी करते हुए सवाल पूछा कि सपा आज भले ही दलितों की बात करे, लेकिन उसने हमेशा कांशीराम जी का तिरस्कार किया है। मायावती ने कहा कि सपा सरकार ने कांशीराम जी के नाम पर बने जिलों और संस्थानों के नाम बदल दिए। उन्होंने पूछा कि कांशीराम जी के निधन के बाद सपा सरकार ने एक दिन का राजकीय शोक तक क्यों नहीं घोषित किया? मायावती ने केवल दलितों ही नहीं, बल्कि मुस्लिमों को भी सपा से सावधान रहने की सलाह दी। उन्होंने कहा कि कांग्रेस की तरह सपा के शासनकाल में भी बड़े सांप्रदायिक दंगे हुए, जिसमें लाखों मुस्लिम परिवार बर्बाद हो गए। मायावती ने गंभीर आरोप लगाया कि सपा अपने भड़काऊ आचरण से भाजपा को राजनीतिक जमीन तैयार करके देती है। उन्होंने कहा कि सपा और भाजपा एक-दूसरे की जरूरत बनकर राजनीति करते हैं, जिसका खामियाजा प्रदेश की जनता भुगत रही है।

मायावती ने अंत में कहा कि आज उत्तर प्रदेश में अगर भाजपा का राज है, तो उसकी जिम्मेदार समाजवादी पार्टी ही है। सपा की जातिवादी और सांप्रदायिक राजनीति के कारण ही आज बहुजन समाज और मुस्लिम वर्ग त्रस्त है। उन्होंने लोगों से अपील की कि वे सपा के इस बहुरूपिया चेहरे को पहचानें और सावधान रहें।

प्रदेश संगठन में बढ़ेगी महिलाओं, दलित और ओबीसी की भागेदारी, होली के बाद होगा ऐलान

लखनऊ **(एजेंसी)**। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की नई प्रदेश कार्यकारिणी का ऐलान होली के बाद किया जा सकता है। पार्टी संगठन में इस बार नए चेहरों को मौका देने की तैयारी है। खासतौर पर महिलाओं, दलितों और ओबीसी वर्ग की भागीदारी बढ़ाने पर जोर दिया जा रहा है। केंद्रीय नेतृत्व की मंजूरी मिलने के बाद नई टीम की औपचारिक घोषणा कर दी जाएगी।

लंबी संगठनात्मक प्रक्रिया के बाद प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी के नेतृत्व में नई कार्यकारिणी लगभग तैयार है। बचे हुए कई मंडल अध्यक्षों के नाम मंगलवार और बुधवार को घोषित कर दिए गए हैं। बाकी जिलाध्यक्षों और प्रदेश कार्यकारिणी की घोषणा भी इसी सप्ताह होने की संभावना है। सूत्रों के मुताबिक, प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी और प्रदेश महामंत्री संगठन धर्मपाल सिंह केंद्रीय नेतृत्व से लगातार चर्चा कर रहे हैं। ज्यादातर नामों पर सहमति बन चुकी है। अंतिम मंजूरी मिलते ही नई कार्यकारिणी की घोषणा कर दी जाएगी।

पार्टी नई टीम में क्षेत्रीय और सामाजिक संतुलन बनाए रखने की कोशिश कर रही है। पूर्वांचल के साथ-साथ पश्चिमी उत्तर प्रदेश के नेताओं को भी उचित प्रतिनिधित्व देने पर विचार किया जा रहा है। पार्टी का लक्ष्य नए और सक्रिय चेहरों को आगे लाकर संगठन को मजबूत करना है। सामाजिक और क्षेत्रीय संतुलन के जरिए भाजपा आगामी चुनावों के लिए अपनी तैयारियों को और मजबूत करना चाहती है। इसलिए जिला कार्यकारिणी के गठन में भी महिलाओं, दलितों और ओबीसी को प्राथमिकता देने के निर्देश दिए गए हैं।

भाजपा नेत्री का आकस्मिक निधन, पार्टी में शोक की लहर, प्रदेश अध्यक्ष ने जताया शोक

रायपुर **(एजेंसी)**। छत्तीसगढ़ के इस वक्त की बड़ी खबर सामने आ रही है। जहां भारतीय जनता पार्टी की सक्रिय कार्यकर्ता एवं पूर्वी मंडल कार्यसमिति सदस्य संध्या टांडिया का आकस्मिक निधन हो गया। उनके अचानक चले जाने से स्थानीय संगठन और कार्यकर्ताओं में गहरा शोक व्याप्त है। बताया जा रहा है कि वे लंबे समय से पार्टी की गतिविधियों में सक्रिय भूमिका निभा रही थीं और जगदलपुर में क्षेत्रीय स्तर पर संगठन को मजबूत करने में उनका महत्वपूर्ण योगदान रहा है। उनके निधन की सूचना मिलते ही कार्यकर्ताओं में शोक की लहर है।

संध्या टांडिया को संगठन के प्रति समर्पण, सेवाभाव और सहज व्यक्तित्व के लिए जाना जाता था। वे नियमित रूप से पार्टी के कार्यक्रमों, बैठकों और सामाजिक अभियानों में भाग लेती थीं। क्षेत्र में महिलाओं की भागीदारी बढ़ाने और सामाजिक मुद्दों पर जागरूकता फैलाने में भी उनकी सक्रिय भूमिका रही। स्थानीय स्तर पर वे एक जिम्मेदार और कर्मठ कार्यकर्ता के रूप में पहचानी जाती थीं, जिन्होंने पार्टी के विचारों को घर-घर तक पहुंचाने का प्रयास किया।

किरण सिंहदेव ने संध्या टांडिया के निधन पर गहरा दुःख व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि माता संतोषी वार्ड, जगदलपुर निवासी संध्या टांडिया का इस तरह अचानक चले जाना पार्टी और समाज के लिए अपूरणीय क्षति है। प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि उनका समर्पण और सेवा भावना हमेशा संगठन के लिए प्रेरणा का स्रोत रहेगी। उन्होंने दिवंगत आत्मा की शांति के लिए ईश्वर से प्रार्थना की और शोक संतप्त परिवार को इस कठिन समय में संबल प्रदान करने की कामना की।

संध्या टांडिया के निधन की खबर फैलते ही स्थानीय कार्यकर्ताओं और समर्थकों में शोक की लहर दौड़ गई। कई नेताओं और सामाजिक संगठनों ने भी उनके प्रति श्रद्धांजलि अर्पित की। पार्टी कार्यालय में शोकसभा आयोजित कर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि देने की तैयारी की जा रही है। संगठन के लिए यह क्षति निश्चित रूप से भावनात्मक और सामाजिक रूप से गहरी मानी जा रही है, जिसकी भरपाई आसान नहीं होगी।

पंचतत्व में विलीन चंपई सोरेन के पोते अंतिम यात्रा में शामिल हुए मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन; पूरे गांव में पसरा मातम

रांची **(एजेंसी)**। झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री चंपाई सोरेन के पोते वीर सोरेन का गुरुवार को पूरे रीति-रिवाज के साथ अंतिम संस्कार किया गया। उनका अंतिम संस्कार जमशेदपुर के पास सरायकेला-खरसावां जिले के जिलंगगोड़ा गांव में हुआ। अंतिम यात्रा में मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन, कई विधायक-सांसद, समर्थक और ग्रामीण बड़ी संख्या में शामिल हुए।

वीर सोरेन अपने दोस्तों के साथ घूमने के लिए मनाली गए थे। जानकारी के अनुसार वे 22 फरवरी को मनाली पहुंचे थे और सिमसा के एक होम स्टे में ठहरे थे। 23 फरवरी को उन्होंने सोलंग और सेथन इलाके में घूमने गए थे। 24 फरवरी की दोपहर करीब 12:30 बजे वे घूमकर कमरे में लौटे और सिर में तेज दर्द की शिकायत की। दोस्तों ने ऑनलाइन दवा मंगाकर उन्हें दी, जिसके बाद वे आराम करने लगे। करीब 2:30 बजे कमरे से गिरने की आवाज आई। दोस्त अंदर पहुंचे तो देखा कि वीर सोरेन फर्श पर अचेत पड़े हैं। उन्हें तुरंत गाड़ी से मनाली सिविल अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक अस्पताल ले जाते समय उनके मुंह से झाग निकल रहा था।

गुरुवार दोपहर जब वीर सोरेन का पार्थिव शरीर उनके पैतृक गांव जिलंगगोड़ा पहुंचा तो पूरा गांव शोक में डूब गया। बड़ी संख्या में ग्रामीण और समर्थक अंतिम दर्शन के लिए उमड़ पड़े। सभी ने उनकी आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन अंतिम संस्कार से पहले चंपाई सोरेन के आवास पहुंचे और वीर सोरेन को श्रद्धांजलि दी। उन्होंने शोक संतप्त परिवार से मिलकर उन्हें ढांढ़स बंधाया। सिंहभूम की सांसद जोबा माझी भी गांव पहुंचीं और वीर सोरेन को श्रद्धांजलि अर्पित की। उन्होंने चंपाई सोरेन से मुलाकात कर इस दुख की घड़ी में परिवार के प्रति अपनी संवेदनाएं व्यक्त कीं। उन्होंने कहा कि यह क्षति न सिर्फ परिवार बल्कि पूरे क्षेत्र के लिए दुखद है।

अमेरिकी वाणिज्य मंत्री हॉवर्ड लुटनिक अचानक से भागे भागे भारत आये, भारत-अमेरिका पर व्यापार समझौता ने की बात

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। अमेरिकी शुल्क नीति पर उठे कानूनी और कूटनीतिक दबावों के बीच अमेरिकी वाणिज्य मंत्री हॉवर्ड लुटनिक आज भागे भागे भारत आये और यहां नयी दिल्ली में उन्होंने भारतीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल के साथ अहम मुलाकात की। इस दौरान भारत में अमेरिकी राजदूत सर्जियो गोर भी मौजूद रहे। इस मुलाकात में भारत और अमेरिका के बीच व्यापार और आर्थिक साझेदारी को विस्तार देने के विभिन्न पहलुओं पर विस्तृत चर्चा हुई।

पीयूष गोयल ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर इस मुलाकात की जानकारी साझा करते हुए कहा कि बातचीत बेहद सार्थक रही और दोनों पक्षों ने व्यापारिक संबंधों को मजबूत करने पर सकारात्मक विचार-विमर्श किया। वहीं सर्जियो गोर ने भी बैठक को अत्यंत उपयोगी बताते हुए इसे दोनों देशों के सहयोग के लिए महत्वपूर्ण कदम करार दिया।

हम आपको बता दें कि यह बैठक ऐसे समय में हुई है जब भारत और अमेरिका द्विपक्षीय व्यापार समझौते के पहले चरण के कानूनी मसौदे को अंतिम रूप देने की प्रक्रिया में हैं। इस सप्ताह दोनों देशों के मुख्य वार्ताकारों की वाशिंगटन में बैठक प्रस्तावित थी, जहां अंतरिम समझौते को औपचारिक रूप देने पर चर्चा होनी थी। हालांकि हाल ही में अमेरिकी उच्चतम न्यायालय द्वारा राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के व्यापक शुल्क आदेश को निरस्त किए जाने के बाद स्थिति में नया मोड़ आ गया है। अमेरिकी न्यायालय ने 1977 के अंतरराष्ट्रीय आपात आर्थिक शक्तियां अधिनियम के तहत लगाए गए इन शुल्कों को अवैध ठहराया, जिससे ट्रंप प्रशासन की व्यापार नीति को झटका लगा है।

अदालत के फैसले के बाद अमेरिका सरकार ने सभी देशों पर 150 दिन के लिए 10 प्रतिशत शुल्क लागू करने की घोषणा की है। बाद में इसे 15 प्रतिशत तक बढ़ाने का संकेत भी दिया गया, हालांकि इस संबंध में आधिकारिक आदेश अभी जारी नहीं हुआ है।

हम आपको यह भी बता दें कि अभी एक दिन पहले ही अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अपने स्टेट ऑफ द यूनियन संबोधन में अपने

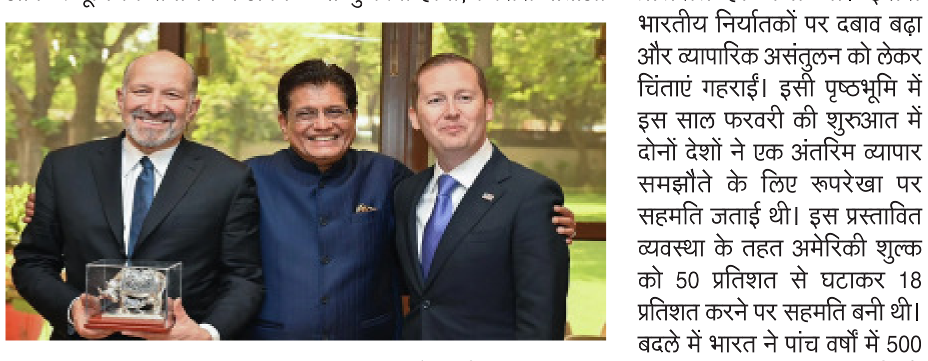

शुल्क एजेंडे का जोरदार बचाव किया था जबकि अमेरिकी उच्चतम न्यायालय के फैसले के बाद वैश्विक स्तर पर हुए व्यापार समझौतों को लेकर अनिश्चितता गहरा गई है। इस घटनाक्रम ने उन द्विपक्षीय समझौतों पर सवाल खड़े कर दिए हैं जो पूर्व में आपात प्रावधानों के आधार पर तय किए गए थे। विशेषज्ञों का मानना है कि यदि अमेरिकी प्रशासन धारा 301 जैसे अन्य प्रावधानों के तहत शुल्क संरचना पुनर्निर्मित करना चाहता है तो उसे औपचारिक जांच प्रक्रिया से गुजरना होगा, जिससे वार्ताओं में समय और जटिलता दोनों बढ़ सकती हैं। साथ ही ट्रंप ने सभी देशों को चेतावनी भी दी है कि यदि हालात को फायदा उठाने की कोशिश करते हुए सौदेबाजी का प्रयास किया गया तो ज्यादा टैरिफ लगेगा।

हम आपको याद दिला दें कि अगस्त 2025 में अमेरिका ने भारत पर 25 प्रतिशत का जवाबी शुल्क लगाया था। रूस से कच्चा तेल खरीदने को लेकर अतिरिक्त 25 प्रतिशत शुल्क और जोड़े जाने से भारत पर कुल शुल्क बढ़कर 50 प्रतिशत हो गया था। इससे भारतीय निर्यातकों पर दबाव बढ़ा और व्यापारिक असंतुलन को लेकर चिंताएं गहराईं। इसी पृष्ठभूमि में इस साल फरवरी की शुरुआत में दोनों देशों ने एक अंतरिम व्यापार समझौते के लिए रूपरेखा पर सहमति जताई थी। इस प्रस्तावित व्यवस्था के तहत अमेरिकी शुल्क को 50 प्रतिशत से घटाकर 18 प्रतिशत करने पर सहमति बनी थी। बदले में भारत ने पांच वर्षों में 500 अरब डॉलर मूल्य के अमेरिकी उत्पादों की खरीद की योजना का संकेत दिया था।

इस समझौते का उद्देश्य पहले चरण को औपचारिक रूप देना और आगे व्यापक द्विपक्षीय व्यापार समझौते की दिशा में बातचीत जारी रखना था। हालांकि न्यायालय के हालिया फैसले के बाद भारत ने वाशिंगटन जाने वाले अपने प्रतिनिधिमंडल की यात्रा स्थगित कर दी है। इसके बावजूद मोदी सरकार ने स्पष्ट किया है कि समझौते पर पुनर्विचार नहीं किया जा रहा है।

विश्लेषकों का मानना है कि नई परिस्थिति में भारत भविष्य में संभावित एकतरफा या न्यायिक हस्तक्षेप से उत्पन्न जोखिमों के चलते सुरक्षा उपायों की मांग कर सकता है। साथ ही वह अपने ऊर्जा और घरेलू आर्थिक हितों को संतुलित रखते हुए अमेरिका के साथ व्यापारिक संबंधों को बनाए रखने का प्रयास करेगा। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने भी हाल ही में इस घटनाक्रम पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा था कि न्यायालय के फैसले के पूर्ण प्रभाव पर टिप्पणी करना अभी जल्दबाजी होगी। उन्होंने संकेत दिया था कि सरकार सभी पहलुओं का सावधानीपूर्वक मूल्यांकन कर रही है ताकि वाणिज्यिक हितों की रक्षा करते हुए द्विपक्षीय संबंधों में संतुलन बना रहे।

भारत की अंतरराष्ट्रीय छवि को नुकसान पहुंचाने की साज़िश करने वाले अपराधियों को बचा रही कांग्रेस : तरुण चुग

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। भाजपा राष्ट्रीय महामंत्री तरुण चुग ने कहा कि दिल्ली में आयोजित अंतरराष्ट्रीय एआई समिट के दौरान यूथ कांग्रेस कार्यकर्ताओं द्वारा कपड़े उतारकर किया गया प्रदर्शन कोई सामान्य विरोध नहीं था, बल्कि भारत की वैश्विक प्रतिष्ठा को ठेस पहुंचाने की सुनियोजित साज़िश थी। चुग ने कहा कि सामने आ रहे तथ्यों से स्पष्ट संकेत मिलते हैं कि यह पूरा घटनाक्रम कांग्रेस के शीर्ष नेतृत्व राहुल गांधी और गांधी परिवार के इशारे पर रचा गया। देश की गरिमा को दांव पर लगाकर राजनीति करना कांग्रेस की आदत बन चुकी है।

चुग ने कहा कि इससे भी अधिक चिंताजनक बात यह है कि जिन लोगों पर समिट को बाधित करने का आरोप है, उन्हें हिमाचल प्रदेश में कथित रूप से संरक्षण दिया गया। यदि दिल्ली पुलिस वैध वारंट और ट्रांजिट रिमांड के आधार पर कार्रवाई करने पहुंची थी, तो उन्हें रास्ते में रोकना और वाहन जब्त करना संघीय ढांचे और विधि व्यवस्था की भावना के विपरीत है। कानून से ऊपर कोई राजनीतिक विचारधारा नहीं हो सकती। चुग ने जोड़ा कि यदि किसी प्रक्रिया पर आपत्ति थी तो उसका समाधान संवैधानिक और कानूनी तरीके से होना चाहिए था। पुलिस बनाम पुलिस की स्थिति खड़ी करना न केवल दुर्भाग्यपूर्ण है बल्कि यह संदेश देता है कि कांग्रेस शासित राज्यों में राजनीतिक हित कानून से ऊपर रखे जा रहे हैं।

तरुण चुग ने कहा कि जो पार्टी सत्ता में आने से पहले अवैध खनन पर पूरी तरह रोक लगाने और ?20,000 करोड़ का राजस्व जुटाने के बड़े-बड़े दावे करती थी, आज उसी पार्टी के वरिष्ठ नेता मलविंदर कंग प्रदेश में अवैध खनन और नेताओं-अधिकारियों की मिलीभगत की बात स्वीकार कर रहे हैं। यह बयान स्वयं आप सरकार की विफलता का प्रमाण है। चुग ने कहा कि पंजाब की जनता पूछ रही है कि क्या यही वह बदलाव था जिसका वादा किया गया था। क्या अरविंद केजरीवाल और भगवंत मान अवैध खनन में शामिल लोगों पर कठोर कार्रवाई करेंगे? क्या भ्रष्टाचार के मामले दर्ज होंगे या फिर

यह मुद्दा भी अन्य मामलों की तरह दबा दिया जाएगा? चुग ने कहा कि यदि सत्ता और माइनिंग माफिया के बीच सांठगांठ है तो यह शासन की नैतिक पराजय है। पंजाब को पारदर्शी और जवाबदेह प्रशासन चाहिए, न कि माफिया संरक्षित व्यवस्था।

तरुण चुग ने कहा कि गुरदासपुर में एएसआई की हत्या और उसके बाद उठे फेक एनकाउंटर के आरोप पंजाब में बिगड़ती कानून-व्यवस्था की भयावह तस्वीर प्रस्तुत करते हैं। लगातार अपराध, गैंगवार और पुलिस प्रतिष्ठानों पर हमले यह दर्शाते हैं कि अपराधियों में कानून का डर समाप्त हो चुका है।

चुग ने कहा कि आम आदमी पार्टी सरकार न तो पीड़ित परिवारों को समयबद्ध न्याय दिला पाई है और न ही निर्दोष लोगों के साथ हो रहे अन्याय को रोक सकी है।

इतिहास को सही ढंग से पढ़ाया जाता, तो कोई भी मुसलमान औरंगजेब को नायक नहीं मानता : फडणवीस

मुम्बई **(एजेंसी)**। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने बृहस्पतिवार को कहा कि अगर पिछले 70 साल के दौरान स्कूलों में इतिहास को सही ढंग से पढ़ाया जाता, तो कोई भी मुसलमान मुगल बादशाह औरंगजेब को ''नायक'' नहीं मानता। उन्होंने मराठा शासक छत्रपति शिवाजी महाराज और मैसूर के शासक टीपू सुल्तान के बीच तुलना करने के प्रयासों की भी निंदा की। मुख्यमंत्री ने विधानसभा में, राज्यपाल के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव के दौरान चर्चा का जवाब देते हुए यह बात कही।

फडणवीस ने कहा कि राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद (एनसीईआरटी) की पुस्तकों में पहले मुगलों पर 17 पृष्ठ और शिवाजी महाराज पर केवल एक पृष्ठ था। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार ने अब शिवाजी महाराज और मराठा इतिहास के लिए 20 पृष्ठ सुनिश्चित किये हैं। उन्होंने कहा, ''अगर पिछले 70 साल में इतिहास सही ढंग से पढ़ाया जाता, तो एक भी मुसलमान औरंगजेब को नायक नहीं मानता। हम आक्रांताओं को नायक मानने वालों का हमेशा विरोध करेंगे।''

मुख्यमंत्री ने यह भी कहा कि वह टीपू सुल्तान के अच्छे या बुरे होने की बहस में नहीं पड़ रहे हैं। उन्होंने कहा, ''हालांकि, हम टीपू सुल्तान और छत्रपति शिवाजी महाराज की किसी भी तरह की तुलना का विरोध करेंगे। टीपू सुल्तान ने अंग्रेजों से लड़ाई लड़ी, लेकिन उन्होंने ऐसा अपने राज्य को बचाने के लिए किया। लेकिन उन्होंने 75,000 हिंदुओं और 33,000 नायर को भी मार डाला।'' इससे पहले, कांग्रेस की महाराष्ट्र इकाई के अध्यक्ष हर्षवर्धन सपकाल ने शिवाजी महाराज और टीपू सुल्तान की तुलना करके विवाद खड़ा कर दिया था। फडणवीस ने इसकी कड़ी निंदा करते हुए टिप्पणी को ''शर्मनाक'' बताया था।

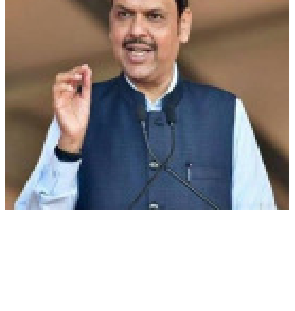

मुख्यमंत्री ने राज्य के मराठी और अंग्रेजी माध्यम के स्कूलों में कक्षा 1 से 5 तक के छात्रों के लिए हिंदी को तीसरी भाषा के रूप में अनिवार्य करने के आदेश के बाद, उपजे विवाद पर भी प्रतिक्रिया दी। शिवसेना (उबाठा) प्रमुख उद्धव ठाकरे और महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना के अध्यक्ष राज ठाकरे सहित विभिन्न पक्षों के कड़े विरोध के कारण राज्य सरकार ने इस निर्णय पर रोक लगा दी थी। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह फैसला विपक्षी महा विकास आघाडी ने सत्ता में रहने के दौरान लिया था। उन्होंने कहा, ''आपने जो किया उसके लिए हमें दोषी ठहराया जा रहा। हालांकि, दो भाइयों को मिलाने का श्रेय मैं लेना चाहूंगा। मुझे इस बात की खुशी है।''

हॉन्गकॉन्ग टी20 सीरीज के लिए कुवैत ने किया टीम का ऐलान, कैप्टेन अहमद अल-अजीज करेंगे नेतृत्व

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। क्रिकेट की दुनिया में अब सिर्फ बड़े नाम ही नहीं, बल्कि उभरते हुए सितारे भी अपनी चमक बिखेर रहे हैं। साल 2026 की शुरुआत हॉन्गकॉन्ग में होने वाली रोमांचक टी20 सीरीज से हो रही है, और इसके लिए कुवैत की नेशनल क्रिकेट टीम ने अपनी कमर कस ली है। कुवैत ने अपनी टीम का ऐलान कर दिया है, जिसमें अनुभव का तड़का भी है और युवाओं का जोश भी।

कुवैत के लिए यह दौरा सिर्फ एक सीरीज नहीं, बल्कि इंटरनेशनल क्रिकेट के नक्शे पर अपनी धाक जमाने का एक सुनहरा मौका है। आइए देखते हैं कि इस बार कुवैत की टोली में कौन-कौन से 'मैच विनर' शामिल हैं। कुवैत के सिलेक्टर्स ने इस बार काफी सोच-समझकर ऐसी टीम चुनी है जो किसी भी परिस्थिति में गियर बदल सके। यहाँ उन 5 खिलाड़ियों का जिक्र जरूरी है जो गेम पलट सकते हैं-

टीम की कमान अहमद के हाथों में है। अपनी आक्रामक बल्लेबाजी और चतुर कप्तानी के लिए मशहूर अहमद दबाव में निखरना जानते हैं। टीम को उनसे एक कप्तानी पारी की उम्मीद रहेगी।

विकेट के पीछे मुस्तैद और बल्ले से विस्फोटक! फैसल टी20 फॉर्मेट के माहिर खिलाड़ी हैं। मुश्किल वक्त में रन चुराना और मैच को फिनिश करना उनकी खासियत है।

हर टीम को एक ऐसे ऑलराउंडर की तलाश होती है जो गेंद और बल्ले दोनों से कमाल कर सके। तारिक टीम को वो बैलेंस देते हैं जिसकी टी20 में सख्त जरूरत होती है।

रफ्तार के सौदागर! ज़ैद अपनी स्विंग और पेस से विपक्षी बल्लेबाजों के स्टंप्स बिखेरने के लिए तैयार हैं। डोमेस्टिक क्रिकेट में आग उगलने के बाद अब वे इंटरनेशनल लेवल पर जलवा दिखाने को बेताब हैं।

स्पिन का जादूगर, अगर हॉन्गकॉन्ग की पिच ने थोड़ा भी साथ दिया, तो ओमर अपनी फिरकी में बड़े-बड़े बल्लेबाजों को फंसा सकते हैं। उनका कंट्रोल और वेरिएशन टीम के लिए ट्रंप कार्ड साबित हो सकता है।

कुवैत के लिए हॉन्गकॉन्ग जाना सिर्फ मैच खेलना नहीं है। यह एक प्लेटफॉर्म है जहाँ वे दुनिया को दिखा सकते हैं कि उनकी क्रिकेट किस लेवल पर पहुँच चुकी है। अंतरराष्ट्रीय टीमों के खिलाफ खेलकर जो अनुभव मिलता है, वह खिलाड़ियों के आत्मविश्वास को सातवें आसमान पर ले जाता है।

टीम पिछले कई हफ्तों से कड़े ट्रेनिंग सेशन से गुजर रही है। कोच और सपोर्ट स्टाफ का पूरा जोर फिटनेस, नई रणनीतियों और टीम बॉन्डिंग पर है। टी20 जैसे तेज फॉर्मेट में 'एडैप्टेबिलिटी' (तालमेल बिठाना) ही जीत की कुंजी है।

क्रिकेट फैंस और कुवैत के समर्थक उम्मीद लगाए बैठे हैं कि यह दौरा कुवैती क्रिकेट के इतिहास में एक नया अध्याय लिखेगा। अगर खिलाड़ी अपनी योजना के मुताबिक खेल पाए, तो हॉन्गकॉन्ग में कुवैत का झंडा बुलंद होना तय है।

दीप्ति शर्मा ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ दूसरे वनडे से पहले हरमनप्रीत कौर की चोट पर दिया अपडेट

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ जारी वनडे सीरीज के दूसरे मुकाबले से पहले भारतीय महिला क्रिकेट टीम के लिए राहत भरी खबर आई है। टीम की अनुभवी ऑलराउंडर दीप्ति शर्मा ने कप्तान हरमनप्रीत कौर की फिटनेस पर बड़ा अपडेट देते हुए कहा कि वह पूरी तरह फिट हैं। पहले वनडे में बल्लेबाजी के दौरान घुटने में चोट लगने से हरमनप्रीत मैदान पर नहीं लौट पाई थीं, जिससे टीम की चिंताएं बढ़ गई थीं। हालांकि, होबार्ट में होने वाले अहम मुकाबले से पहले स्थिति नियंत्रण में दिख रही है।

दीप्ति शर्मा ने प्री-मैच प्रेस कॉन्फ्रेंस में कप्तान हरमनप्रीत कौर की फिटनेस को लेकर सकारात्मक संकेत दिए। उन्होंने स्पष्ट कहा कि हरमनप्रीत 'फिट और ठीक' हैं। पहले वनडे के दौरान बल्लेबाजी करते समय उनके बाएं घुटने में चोट लगी थी। यह मुकाबला ब्रिस्बेन के एलन बॉर्डर फील्ड में खेला गया था, जहां दूसरी पारी में वह फील्डिंग के लिए मैदान पर नहीं उतरीं। इसके बाद मेडिकल टीम ने उनकी निगरानी शुरू की।

भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने सोशल मीडिया पर जानकारी साझा करते हुए बताया था कि हरमनप्रीत को बल्लेबाजी के दौरान चोट लगी और मेडिकल स्टाफ उनकी स्थिति पर नजर रख रहा है। कप्तान की गैरमौजूदगी में उप-कप्तान स्मृति मंधाना ने टीम की कमान संभाली। हालांकि शुरुआती चिंता के बाद अब टीम मैनेजमेंट राहत महसूस कर रहा है, क्योंकि दूसरे वनडे में उनकी उपलब्धता की संभावना मजबूत हो गई है।

पहले मुकाबले में भारतीय टीम 48.3 ओवर में 214 रन पर सिमट गई। जवाब में ऑस्ट्रेलिया ने छह विकेट शेष रहते 38.2 ओवर में लक्ष्य हासिल कर लिया। इस जीत के साथ मेजबान टीम ने सीरीज में बढ़त बना ली। ऑस्ट्रेलिया ने संतुलित प्रदर्शन करते हुए मैच अपने नाम किया, जबकि भारतीय टीम को कुछ अहम मौकों पर चूक का खामियाजा भुगतना पड़ा।

दीप्ति शर्मा ने स्वीकार किया कि टीम ने पहले वनडे में अच्छा क्रिकेट खेला, लेकिन परिणाम उनके पक्ष में नहीं गया। उन्होंने भरोसा जताया कि टीम दूसरे मुकाबले में ज्यादा मजबूती से उतरेगी। उनके अनुसार, खिलाड़ी आत्मविश्वास से भरे हैं और अगले मैच में अपनी गलतियों को सुधारने पर ध्यान देंगे। उन्होंने कहा कि टीम का फोकस लगातार बेहतर प्रदर्शन पर है।

भारतीय अर्थव्यवस्था की तेज रफ्तार!

ईवाई रिपोर्ट का बड़ा दावा, जीडीपी ग्रोथ 7.2 प्रतिशत तक पहुंचने का अनुमान

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। भारत की सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) की वृद्धि दर अगले वित्त वर्ष में 6.8 से 7.2 प्रतिशत के बीच रह सकती है। 'ईवाई इकॉनमी वॉच' ने एक रिपोर्ट यह अनुमान लगाया है। रिपोर्ट में कहा गया है कि 2047 तक 'विकसित भारत' के लक्ष्य को हासिल करने के लिए भारत को अपने कर-जीडीपी अनुपात में वृद्धि करनी होगी, जो मुख्य रूप से कर अनुपालन में सुधार के माध्यम से संभव है क्योंकि प्रमुख कर सुधार पहले ही लागू किए जा चुके हैं।

कर-जीडीपी अनुपात, यह मापने का पैमाना है कि किसी देश के कुल राजस्व (जीडीपी) का कितना हिस्सा सरकार कर के रूप में इकट्ठा करती है। ईवाई इंडिया के मुख्य नीति सलाहकार डी. के. श्रीवास्तव ने कहा, '' प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं या आर्थिक समूहों के साथ भारत के व्यापक द्विपक्षीय व्यापार समझौतों की पृष्ठभूमि में मध्यम अवधि की संभावनाएं मजबूत हुई हैं। हमारा अनुमान है कि वित्त वर्ष 2026-27 में भारत की वास्तविक जीडीपी वृद्धि 6.8 से 7.2 प्रतिशत के दायरे में रहेगी।'' रिपोर्ट के अनुसार, चालू वित्त वर्ष 2025-26 में विशेष रूप से व्यक्तिगत आयकर (पीआईटी) और माल एवं सेवा कर (जीएसटी) से संबंधित प्रमुख कर सुधार किए गए। इन दोनों सुधारों के तहत सरकार ने काफी राजस्व 'छोड़ा' है, ताकि परिवारों की खर्च योग्य आय बढ़े और निजी उपभोग मांग को समर्थन मिल सके। इसमें कहा गया , '' इन कर सुधारों के कारण भारत सरकार के सकल कर राजस्व (जीटीआर) में उल्लेखनीय कमी आई, जिसके चलते वित्त वर्ष 2025-26 के लिए बजट अनुमान से कम राजस्व मिलने की आशंका थी। हालांकि, इस संभावित कमी के बावजूद, व्यापक रूप से यह अपेक्षा की जा रही थी कि सरकार वित्त वर्ष 2025-26 के लिए अपने राजकोषीय घाटे के लक्ष्य को हासिल करेगी।

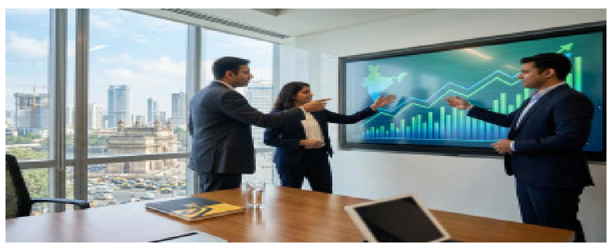

टी20 वर्ल्ड कप : नेट रन-रेट नहीं, जीत पर ध्यान दे टीम इंडिया : इरफान पठान

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। टी20 वर्ल्ड कप 2026 में सूर्यकुमार यादव की अगुवाई वाली टीम इंडिया को सुपर-8 के पहले मुकाबले में साउथ अफ्रीका के खिलाफ 76 रन की करारी हार झेलनी पड़ी। यह टी20 वर्ल्ड कप इतिहास में भारत की सबसे बड़ी हार रही। इस हार के बाद भारत की सेमीफाइनल की उम्मीदों को बड़ा झटका लगा है।

पूर्व भारतीय ऑलराउंडर इरफान पठान ने टीम इंडिया को साफ संदेश दिया है कि नेट रन-रेट की गणित में उलझने के बजाय पहले मैच जीतने पर ध्यान दें। उन्होंने कहा कि अगर भारत शुरुआत से ही नेट रन-रेट का पीछा करने की सोच रखेगा, तो दबाव और बढ़ेगा। वेस्टइंडीज का नेट रन-रेट ₹5 से ऊपर और साउथ अफ्रीका का ₹3 से ज्यादा है, जबकि भारत फिलहाल निगेटिव में है। ऐसे में बड़े अंतर से जीत दर्ज करना आसान नहीं होगा। पठान के मुताबिक, 'पहली प्राथमिकता मैच जीतना होना चाहिए। अगर जीत मिलती है, तभी रन-रेट की बात करें।'

इरफान पठान का मानना है कि बल्लेबाजी में संतुलन के लिए सूर्यकुमार यादव को नंबर 3 पर उतारने पर विचार किया जा सकता है। इससे टॉप ऑर्डर में तीन लेफ्ट हैंडर का पैटर्न टूटेगा और टीम को लचीलापन मिलेगा। हालांकि, नई गेंद के खतरे को देखते हुए टीम मैनेजमेंट अब तक उन्हें मिडिल ओवर्स के लिए बचाकर रख रहा है।

भारत और जिम्बाब्वे के बीच टी20 वर्ल्ड कप 2026 का मुकाबला 26 फरवरी को चेन्नई के एमए चिदंबरम स्टेडियम में खेला जाएगा। यह मैच भारत के लिए करो या मरो जैसा साबित हो सकता है।

रबाडा ने सबसे ज्यादा विकेट लेने के मामले में डेल स्टेन को पीछे छोड़ा, अब सिर्फ ये गेंदबाज आगे

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। टी20 विश्व कप में दक्षिण अफ्रीका के तेज गेंदबाज़ कगिसो रबाडा ने एक और बड़ा मुकाम हासिल कर लिया है। वेस्टइंडीज के खिलाफ अहम मुकाबले में दो विकेट झटकते ही वह टूर्नामेंट इतिहास में प्रोटियाज के लिए दूसरे सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज़ बन गए। इस उपलब्धि के साथ उन्होंने दिग्गज डेल स्टेन को पीछे छोड़ दिया। अब रबाडा से आगे सिर्फ एनरिक नोर्त्जे हैं। बड़े टूर्नामेंट में निरंतर प्रदर्शन ने रबाडा को दक्षिण अफ्रीकी क्रिकेट के सबसे भरोसेमंद गेंदबाजों में शामिल कर दिया है।

कगिसो रबाडा ने वेस्टइंडीज के खिलाफ मैच में दो महत्वपूर्ण विकेट लेकर अपनी टीम को मजबूत स्थिति में पहुंचाया। उन्होंने पहले कप्तान और विकेटकीपर शाई होप (16) को पवेलियन भेजा और फिर विस्फोटक बल्लेबाज शिमरोन हेटमायर (2) का विकेट चटकाया। इन दो सफलताओं के साथ रबाडा के टी20 विश्व कप विकेटों की संख्या 32 तक पहुंच गई।

उनकी यह उपलब्धि ऐसे समय आई है जब दक्षिण अफ्रीका सेमीफाइनल की दौड़ में खुद को मजबूत बनाए रखना चाह रहा है। रबाडा ने नई गेंद और डेथ ओवरों दोनों में अपनी सटीक लाइन-लेंथ से बल्लेबाज़ों पर दबाव बनाए रखा।

इस प्रदर्शन के साथ रबाडा ने महान तेज गेंदबाज़ डेल स्टेन को पीछे छोड़ दिया, जिनके नाम टी20 विश्व कप में 30 विकेट दर्ज हैं। स्टेन लंबे समय तक दक्षिण अफ्रीका के सबसे प्रभावशाली गेंदबाज़ रहे, लेकिन अब रबाडा ने आंकड़ों में उनसे आगे निकलकर नई पीढ़ी की अगुवाई का संकेत दिया है। रबाडा की खासियत यह है कि वह अलग-अलग परिस्थितियों में समान प्रभाव डालते हैं। चाहे उछालभरी पिच हो या धीमी सतह, उनकी गति और विविधता बल्लेबाज़ों के लिए चुनौती बनी रहती है।

स्विगी और आईआरसीटीसी का बड़ा ऐलान, अब 152 स्टेशन पर मिलेगा 'फूड ऑन ट्रेन' का ऑप्शन

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। ऑनलाइन ऑर्डर पर खाद्य एवं पेय पदार्थ की आपूर्ति करने वाली क्विक कॉमर्स कंपनी स्विगी ने भारतीय रेलवे खानपान एवं पर्यटन निगम (आईआरसीटीसी) के साथ मिलकर अपनी 'फूड ऑन ट्रेन' सेवा का विस्तार देशभर के 152 स्टेशन तक कर लिया है। कंपनी ने यह उपलब्धि एक साल में हासिल की है। यह सेवा एक वर्ष पहले 70 स्टेशन पर उपलब्ध थी। स्विगी ने बृहस्पतिवार बताया कि यह विस्तार देशभर में विविध व्यंजनों की बढ़ती मांग से प्रेरित है।

बयान के अनुसार, कंपनी की योजना भारत के प्रमुख जंक्शन के साथ-साथ क्षेत्रीय स्टेशन जैसे इटारसी (मध्य प्रदेश), तिरुनेलवेली (तमिलनाडु) और खड़गपुर (पश्चिम बंगाल) पर अधिक ध्यान देकर विविधता लाने पर भी है। स्विगी ने बताया कि उसकी 'फूड ऑन ट्रेन' सेवा का नेटवर्क विस्तार 117 प्रतिशत बढ़ा है। यह सेवा फरवरी, 2025 में 70 स्टेशन पर उपलब्ध थी जिसका फरवरी, 2026 तक 152 स्टेशन पर विस्तार किया गया। कंपनी ने 28 फरवरी से आठ मार्च तक यात्रियों के लिए होली से जुड़े विशेष भोजन उपलब्ध करने की भी घोषणा की।

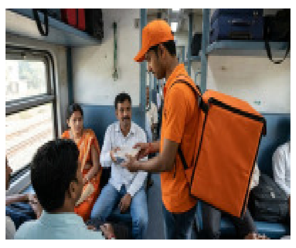

साथ ही 'ट्रेन के अनुकूल' व्यंजनों के मेन्यू का विस्तार किया गया है जिसे तेज गति एवं सुविधा को ध्यान में रखकर तैयार किया गया है। स्विगी में खाद्य रणनीति, ग्राहक अनुभव एवं नई पहल के उपाध्यक्ष दीपक मालू ने कहा, '' यह देशव्यापी विस्तार होली के त्योहार के मद्देनजर एकदम सही समय पर हुआ है। हम प्रमुख जंक्शन से लेकर इटारसी, तिरुनेलवेली और खड़गपुर जैसे क्षेत्रीय स्टेशन तक 'ट्रांजिट हब' (पारगमन केंद्र) पर जोर देकर विविधता पर ध्यान केंद्रित करेंगे।

उतार-चढ़ाव के बीच सपाट बंद हुए सेंसेक्स-निफ्टी, जीडीपी आंकड़ों और अमेरिका-ईरान वार्ता से पहले निवेशक सतर्क

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। वैश्विक बाजारों से मिले-जुले संकेतों और प्रमुख आर्थिक आंकड़ों के आने से पहले भारतीय शेयर बाजार बृहस्पतिवार को लगभग स्थिर रुख के साथ बंद हुए। दिन भर चले भारी उतार-चढ़ाव के बाद सेंसेक्स में मामूली गिरावट दर्ज की गई, जबकि निफ्टी हल्की बढ़त के साथ बंद होने में कामयाब रहा। सेंसेक्स में 27 अंक की गिरावट रही जबकि निफ्टी में 14 अंक की बढ़त दर्ज की गई। कारोबारियों ने कहा कि एचडीएफसी बैंक एवं कुछ अन्य प्रमुख कंपनियों के शेयरों में बिकवाली से सूचकांकों पर दबाव बना। इसके अलावा अमेरिका-ईरान वार्ता के पहले निवेशकों ने सतर्कता भी दिखाई।

बीएसई का 30 शेयरों पर आधारित मानक सूचकांक सेंसेक्स 27.46 अंक यानी 0.03 प्रतिशत की मामूली गिरावट के साथ 82, 248.61 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान सेंसेक्स 82, 579.16 अंक के ऊपरी स्तर तक गया और 81, 970.47 अंक के निचले स्तर तक आया। इस तरह सूचकांक में 608.69 अंकों का उतार-चढ़ाव दर्ज किया गया। वहीं, एनएसई का 50 शेयरों पर आधारित मानक सूचकांक निफ्टी 14.05 अंक या 0.06 प्रतिशत बढ़कर 25, 496.55 अंक पर पहुंच गया।

सेंसेक्स की कंपनियों में एचडीएफसी बैंक, पावर ग्रिड, एशियन पेंट्स, अल्ट्राटेक सीमेंट, एनटीपीसी और एक्सिस बैंक के शेयरों में प्रमुख रूप से गिरावट रही। दूसरी तरफ भारत इलेक्ट्रॉनिक्स, सन फार्मा, अदाणी पोर्ट्स, मारुति और भारती एयरटेल के शेयरों में बढ़त रही। विश्लेषकों के मुताबिक, अमेरिका-ईरान परमाणु वार्ता से पहले सतर्कता और प्रमुख आर्थिक आंकड़ों के इंतजार में निवेशकों ने मुनाफावसूली की।

जियोजीत इन्वेस्टमेंट्स लिमिटेड के शोध प्रमुख विनोद नायर ने कहा, ''वैश्विक बाजारों से मिले मिले-जुले संकेतों और अमेरिका में बेरोजगारी दावों के आंकड़े एवं भारत के सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) की वृद्धि दर के आंकड़े आने से पहले निवेशकों ने सतर्क रुख अपनाया।'' शेयर बाजार के आंकड़ों के मुताबिक, विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) ने बुधवार को 2, 991.64 करोड़ रुपये मूल्य के शेयर खरीदे। वहीं घरेलू संस्थागत निवेशकों (डीआईआई) ने 5, 118.57 करोड़ रुपये की लिवाली की।

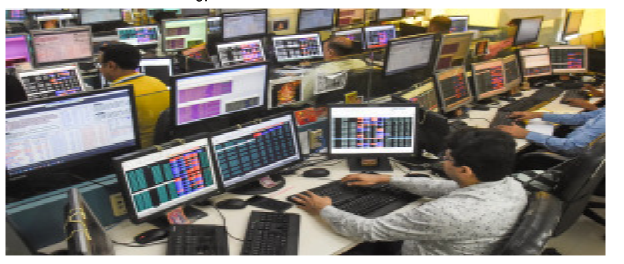

एशिया के अन्य बाजारों में दक्षिण कोरिया का कॉस्पी और जापान का निक्की बढ़त में रहा जबकि चीन का शंघाई कम्पोजिट और हांगकांग का हैंगसेंग गिरावट में बंद हुए। यूरोपीय बाजारों में ज्यादातर दोपहर के कारोबार में बढ़त में थे। अमेरिकी बाजार बुधवार को मजबूती के साथ बंद हुए थे। इस बीच, अंतरराष्ट्रीय तेल मानक ब्रेंट क्रूड 0.95 प्रतिशत के नुकसान के साथ 70.18 डॉलर प्रति बैरल पर आ गया। बुधवार को सेंसेक्स 50.15 अंक चढ़कर 82, 276.07 अंक और निफ्टी 57.85 अंक की बढ़त के साथ 25, 482.50 अंक पर बंद हुआ था।

अश्विनी वैष्णव का बड़ा बयानः सोशल मीडिया कंपनियां कंटेंट क्रिएटर्स से साझा करें मुनाफा

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। दिल्ली में एक संबोधन के दौरान केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने साफ किया कि सोशल मीडिया कंपनियों को अपनी कमाई का एक उचित हिस्सा उन लोगों के साथ साझा करना चाहिए जो उनके प्लेटफॉर्म के लिए कंटेंट तैयार करते हैं। उन्होंने कहा कि चाहे वे पत्रकार हों, इन्फ्लुएंसर्स हों या शोधकर्ता, सभी को उनके काम का वाजिब मेहनताना मिलना जरूरी है।

अश्विनी वैष्णव ने तर्क दिया कि डिजिटल प्लेटफॉर्म उन सूचनाओं और वीडियो से भारी लाभ कमाते हैं जो विभिन्न श्रेणियों के रचनाकारों द्वारा अपलोड किए जाते हैं। उन्होंने जोर देकर कहा कि दूरदराज के इलाकों में बैठे क्रिएटर्स, पारंपरिक मीडिया हाउस, समाचार पेशेवर, प्रोफेसर और शिक्षाविदों को उनके द्वारा साझा किए गए शोध और काम के बदले राजस्व का उचित हिस्सा मिलना चाहिए। मंत्री के अनुसार, राजस्व वितरण में पारदर्शिता और निष्पक्षता लाने से भारत की डिजिटल कंटेंट इकोनॉमी को नई ताकत मिलेगी।

राजस्व के अलावा, सरकार डिजिटल सुरक्षा को लेकर भी सख्त कदम उठा रही है। इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय ने आईटी नियमों (2021) में नए संशोधनों का प्रस्ताव दिया है, जिसका मुख्य उद्देश्य एआई-जनित गलत सूचनाओं और डीपफेक को रोकना है। फेसबुक, यूट्यूब और स्नैपचैट जैसे बड़े प्लेटफॉर्म (जिनके भारत में 50 लाख से अधिक यूजर्स हैं) को एआई द्वारा तैयार की गई सामग्री पर स्पष्ट लेबल लगाना होगा। एआई कंटेंट में स्थायी मेटाडेटा होना चाहिए जिसे हटाया या बदला न जा सके। वीडियो या तस्वीरों में कम से कम 10इ हिस्से पर एआई पहचान का चिन्ह होना भी जरुरी है।

नेटफ्लिक्स पर लौटेगी प्राइड एंड प्रेजुडिस, एम्मा कोरिन और जैक लोवेन की केमिस्ट्री ने जीता दिल, फर्स्ट लुक आउट

नेटफ्लिक्स ने मंगलवार, 24 फरवरी, 2026 को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर अपनी सीरीज़ का फर्स्ट-लुक टीज़र जारी किया, जो जेन ऑस्टेन की क्लासिक प्राइड एंड प्रेजुडिस का एक अडैप्टेशन है। यूरोस लिन के डायरेक्शन में बनी इस सीरीज़ में एम्मा कोरिन एलिज़ाबेथ बेनेट और जैक लोवेन मिस्टर डार्सी के रोल में लीड रोल में हैं।

रिलीज़ टाइमलाइन की बात करें तो, नेटफ्लिक्स सीरीज़ 2026 में प्रीमियर के लिए तैयार है। हालांकि, अभी तक सही रिलीज़ डेट सामने नहीं आई है। इसके कास्ट और कैरेक्टर्स के बारे में और डिटेल्स के लिए आगे पढ़ें।

शो का 54 सेकंड का टीज़र एम्मा कोरिन के कैरेक्टर, एलिज़ाबेथ बेनेट की एक झलक के साथ शुरू होता है, जो एक छत के ऊपर से सनसेट देख रही है। जैसे ही वह सरपट दौड़ने की आवाज़ सुनती है, वह जैक लोवेन के कैरेक्टर, मिस्टर डार्सी के घोड़े पर आने से पहले शरमाती हुई दिखाई देती है।

यह सीरीज़ एवरीथिंग आई नो अबाउट लव की राइटर डॉली एल्डर्टन ने लिखी है। लॉरा लैंकेस्टर, विल जॉनस्टन और लुईस मटर लुकआउट पॉइंट के एग्जीक्यूटिव प्रोड्यूसर हैं, जबकि लिसा ओसबोर्न प्रोड्यूसर हैं। इस बीच, एल्डर्टन, लिन और कोरिन प्रोडक्शन रोल में डेब्यू कर रहे हैं।

जो लोग नहीं जानते, उन्हें बता दें कि एम्मा कोरिन, जो नेटफ्लिक्स के ब्लैक मिरर में अपने रोल के लिए जानी जाती हैं, आखिरी बार निकोलस गैलिट्ज़िन और सफ़िया ओकले-ग्रीन के साथ 100 नाइट्स ऑफ़ हीरो में देखी गई थीं। दूसरी ओर, जैक लोवेन आखिरी बार कॉमेडी-ड्रामा फ़िल्म एला मैके में देखे गए थे।

'यादव जी की लव स्टोरी' पर सुप्रीम कोर्ट का बड़ा फैसला! शीर्षक को नहीं माना अपमानजनक, याचिका खारिज

फिल्मों के नाम को लेकर अक्सर होने वाले विवादों के बीच सुप्रीम कोर्ट ने एक महत्वपूर्ण टिप्पणी की है। अदालत ने आगामी फिल्म 'यादव जी की लव स्टोरी' के शीर्षक को चुनौती देने वाली याचिका पर सुनवाई से इनकार कर दिया है। जस्टिस बी.वी. नागरत्ना और जस्टिस उज्जल भुइयां की पीठ ने स्पष्ट किया कि फिल्म का नाम किसी भी तरह से यादव समुदाय की छवि को धूमिल नहीं करता है। सुप्रीम कोर्ट में दायर याचिका में फिल्म के शीर्षक पर प्रतिबंध लगाने और नाम बदलने की मांग की गई थी।

सुप्रीम कोर्ट में यह याचिका फिल्म के टाइटल को चुनौती देते हुए दायर की गई थी, जिसमें इसकी रिलीज पर रोक लगाने और नाम बदलने की मांग की गई थी। हालांकि, कोर्ट ने फिल्म के टाइटल के खिलाफ याचिका को यह कहते हुए खारिज कर दिया कि इससे यादव समुदाय की इमेज खराब नहीं होती है। कोर्ट ने यह भी साफ किया कि यह मामला पहले के 'घूसखोर पंडित' मामले से अलग है। जस्टिस बीवी नागरत्ना और जस्टिस उज्जल भुयान की बेंच ने याचिका खारिज करते हुए कहा कि किसी फिल्म के टाइटल को सिर्फ इसलिए गैर-संवैधानिक नहीं ठहराया जा सकता क्योंकि इससे किसी समुदाय की इमेज खराब होने का डर है।

अपने आदेश में, कोर्ट ने कहा, 'हमने रिकॉर्ड में मौजूद मटीरियल पर विचार किया है।' कोर्ट ने कहा, 'मुख्य शिकायत यह है कि आने वाली फिल्म का टाइटल यादव कम्युनिटी को समाज में नेगेटिव तरीके से दिखाता है और इसलिए इसे बदला जाना चाहिए।'

हालांकि, बेंच ने कहा, 'हम यह नहीं समझ पा रहे हैं कि फिल्म का टाइटल कम्युनिटी को गलत तरीके से कैसे दिखाता है।' कोर्ट ने कहा कि टाइटल में ऐसा कोई एडजेक्टिव या शब्द नहीं है जो यादव कम्युनिटी को नेगेटिव तरीके से दिखाता हो। कोर्ट ने आगे कहा कि उठाई गई आशंकाएं पूरी तरह से बेबुनियाद हैं।

इस मामले को 'घूसखोर पंडित' मामले से अलग करते हुए, बेंच ने कहा कि 'घूसखोर' शब्द का मतलब भ्रष्ट है, जिससे एक कम्युनिटी के साथ नेगेटिव मतलब जुड़ जाता है। हालांकि, मौजूदा मामले में, यादव कम्युनिटी के साथ ऐसा कोई नेगेटिव मतलब नहीं जुड़ा है। यह फिल्म 27 फरवरी, 2026 को बड़े पर्दे पर आएगी।